महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

ह्रीं श्री

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 16 अंक : 257 | उज्जैन, गुरुवार 26 फरवरी 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

सुविचार

जिन्दगी को हमेशा खुश रहकर जिओ क्योंकि, हर रोज शाम सिर्फ सूरज ही नही ढलता हमारी अनमोल जिन्दगी भी ढलती है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आजीविका मिशन क्षमतावर्धन कार्यशाला का किया शुभारंभ

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आजीविका मिशन से जुड़ी दीदियाँ एकता की शक्ति का सजीव उदाहरण है। बहनों द्वारा एकजुटता से किए जा रहे प्रयास %बंद मुट्ठी लाख की% के भाव को चरितार्थ करते हुए देश और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान कर रहे हैं। बहनें आज ट्रैक्टर से लेकर ड्रोन तक चलाने के साथ गैस और पेट्रोल रिफिलिंग जैसे कार्य भी कर रही हैं। कैफे संचालन से लेकर मार्केट का टारगेट पूरा करने में अव्वल बहनें अचार, पापड़ निर्माण सहित कई छोटे उद्योगों से बेहतर कमाई कर रही हैं।

भारतीय संस्कृति में मातृ सत्ता का विशेष महत्व है। राज्य सरकार के प्रयासों से प्रदेश की बहनें सशक्त हो रही हैं। प्रदेश के 5 लाख स्व-सहायता समूहों से 65 लाख से अधिक दीदियां जुड़कर सशक्त हुई हैं। इनमें से 12 लाख से अधिक दीदियां लखपति दीदी बन चुकी हैं। राज्य सरकार प्रदेश की बहनों के सशक्तिकरण के लिए संकल्पित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्व-सहायता समूहों ने एक वर्ष में विभिन्न कंपनी और मेलों के माध्यम से 310 करोड़ रुपए का व्यापार किया है। मध्यप्रदेश, देश का सर्वाधिक प्राकृतिक खेती वाला राज्य है। हमारे स्व-सहायता समूहों की 50 हजार बहनें प्राकृतिक खेती में जुटी हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने वर्ष 2026-27 के बजट में महिला बाल विकास विभाग में 26 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। साथ ही बजट का कुल 34 प्रतिशत हिस्सा ग्रामीण विकास पर खर्च किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में स्वसहायता समूहों की आजीविका मिशन क्षमतावर्धन कार्यशाला का शुभारंभ कर कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यशाला का शुभारंभ किया। कार्यशाला में पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल, कौशल विकास मंत्री श्री गौतम टेटवाल और पंचायत और ग्रामीण विकास राज्यमंत्री श्रीमती राधा सिंह उपस्थित थीं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न जिलों के स्व सहायता समूहों की दीदियों द्वारा लगाए गए विभिन्न उत्पादों के स्टालों का अवलोकन कर दीदियों से चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदर्शनी स्थल पर ग्राम छावनी पठार के मिलेट्स कैफे पर स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ लिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आजीविका ग्रामीण एक्सप्रेस योजना के 7 वाहनों को झंडी दिखाकर रवाना किया। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की दीदीयों द्वारा तैयार स्पेशल होली हैम्पर को लाँच किया गया। इसमें प्राकृतिक रंग, देशी घी, मिष्ठान, गोकाष्ठ, पूजन सामग्री और टीशर्ट जैसे 10 उत्पाद शामिल हैं। उज्जैन, सागर, कटनी, सीहोर, रीवा जिले की दीदीयों द्वारा तैयार होली हैम्पर पर केंद्रित लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समुदाय प्रबंधित प्रशिक्षण केंद्र (सीएमटीसी) का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में प्रशिक्षण केन्द्र पर लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आजीविका मार्ट ग्वालियर, जबलपुर एयरपोर्ट पर स्व-सहायता समूहों के रिटेल आउटलेट और संभागीय एवं जिला स्तर पर होली मेलों का वर्चुअली शुभारंभ किया।

कार्यशाला में प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल का विमोचन भी किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के साथ (एमपीएसआरएलएम) इंडिया पोस्ट, अमेजन सहेली, एक्सेस डेवलपमेंट सर्विस, बुद्धा इंस्टीट्यूट, टीआरआईएफ और साइटसेवर संस्थान के साथ एमओयू का आदान-प्रदान हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उत्कृष्ट कार्य करने वालीं स्व-सहायता समूहों की 5 दीदियों को सम्मानित किया। कार्यशाला में विपणन क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाली गुना जिले की श्रीमती मीनाक्षी फरागते ने अपनी सफलता की कहानी सभी के साथ साझा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था और महिला उद्यमिता के इतिहास का आज स्वर्णिम दिन है।

न्यूज ब्रीफ

राहवीर योजनाः सड़क दुर्घटना पीड़ितों की मदद पर मिलेंगे 25 हजार, दिल्ली के लिए नई स्कीम

नई दिल्ली/ जीएनएस। दिल्ली सरकार ने केंद्र सरकार की 'राहवीर' योजना को दिल्ली में लागू करने का फैसला लिया है। जल्द ही योजना को लागू किया जा सकता है। योजना के तहत सड़क दुर्घटनाओं में गंभीर रूप से घायलों की मदद करने वाले नागरिकों को 25 हजार रुपये की नकद पुरस्कार राशि और प्रशस्ति पत्र दिया जाएगा। आप सरकार में यह योजना मात्र दो हजार रुपये की थी। साथ ही, कुछ समय से यह योजना बंद भी थी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यह जानकारी देते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने इस मानवीय पहल को प्रोत्साहन देने के लिए आर्थिक पुरस्कार की व्यवस्था की है ताकि आम नागरिक बिना किसी भय के दुर्घटना पीड़ितों की सहायता कर सकें और मानवता का परिचय दे सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य आम जनता को सड़क दुर्घटना के पीड़ितों को गोल्डन आवर के भीतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रेरित करना है। केंद्र सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय का मानना है कि अगर ज्यादा लोग आगे आकर मदद करेंगे तो सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु दर में कमी लाई जा सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अक्सर लोग कानूनी झंझट या पुलिस कार्रवाई के भय से मदद करने से बचते हैं, लेकिन यह योजना उस भय को दूर कर लोगों को आगे आने के लिए प्रोत्साहित करेगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली जैसे महानगर में प्रतिदिन हजारों वाहन सड़कों पर चलते हैं, गोल्डन आवर के भीतर चिकित्सा सहायता उपलब्ध होना जीवन और मृत्यु के बीच निर्णायक साबित हो सकता है। यह योजना कई परिवारों को असमय शोक से बचाने में सहायक हो सकती है। मदद करने वाले को प्रोत्साहन राशि और कानूनी संरक्षण मिलने से ज्यादा लोग दुर्घटना पीड़ितों को तत्काल अस्पताल पहुंचाने का साहस करेंगे, जिससे अनमोल जीवन बचाए जा सकेंगे। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि दिल्ली सरकार इस योजना को प्रभावी ढंग से लागू कर सड़क सुरक्षा और मानवीय संवेदनशीलता दोनों को मजबूत करेगी।

बिहार में हाईटेक तरीके से चल रहे देह व्यापार का भंडाफोड़ः WhatsApp पर भेजते फोटो

मोतिहारी/ जीएनएस। छतौनी में एक संगठित देह व्यापार के एक बड़े गिरोह का खुलासा हुआ है। मुख्य आरोपी सहित चार महिला पकड़ी गई है। एएसपी हेमंत सिंह को सूचना मिली थी कि बरियारपुर में देह व्यापार का धंधा चल रहा है, जिसके बाद विशेष टीम गठित कर योजनाबद्ध तरीके से छापामारी की गई। इस दौरान मुख्य आरोपी सहित चार महिला पकड़ी गई। एएसपी ने बताया कि देह व्यापार का यह धंधा हाईटेक तरीके से चल रहा था। व्हाट्सएप से महिलाओं की तस्वीर ग्राहकों के पास भेजी जाती थी, उसके बाद पैसा भी क्यूआर कोड भेज मंगाया जाता था। छतौनी में एक सप्ताह के अंदर देह व्यापार करने वाले दूसरे गिरोह पर पुलिस ने शिकंजा कसा है। इससे पहले भी पुलिस ने चार-पांच महिलाओं के साथ धंधेबाज को गिरफ्तार किया था। बरियारपुर से पकड़े गए इस गिरोह का मुख्य सरगना नंदलाल है। छापामारी टीम में प्रशिक्षण डीएसपी कुमारी प्रियंका पुलिस निरीक्षक मृत्युंजय कुमार पासवान, अपर थानाध्यक्ष श्रीकांत, महिला दारोगा व पुलिस टीम शामिल थी। पुलिस गिरफ्तार आरोपित की निशानदेही पर अलग-अलग जगहों पर छापामारी कर चार महिलाओं को पकड़ा है। छतौनी नंदलाल ने पुलिस के समक्ष यह खुलासा किया है कि आवश्यकता पड़ने पर अन्य राज्यों विशेष कर दिल्ली से भी महिलाओं को बुंलाने की व्यवस्था की जाती थी। वॉट्सऐप पर फोटो भेजी जाती थी और क्यूआर कोड के माध्यम से पेमेंट ली जाती थी।

फर्जी ऑफिस, न ही कोई वीजा आवेदन... मुंबई में रहकर 26/11 के लिए कैसे रेकी करता था हेडली? NIA ने किया बड़ा खुलासा

नई दिल्ली/ जीएनएस। अमेरिका में 35 साल की सजा काट रहा डेविड कोलेमन हेडली 2008 के मुंबई आतंकी हमलों की साजिश में एक फर्जी इमिग्रेशन ऑफिस चल रहा था। राष्ट्रीय जांच एजेंसी की सप्लीमेंट्री चार्जशीट में खुलासा हुआ है कि मुंबई में उसका तथाकथित इमिग्रेशन लॉ सेंटर असल में सिर्फ एक ढाल था, जिसके जरिए वह 26/11 हमलों से पहले रेकी करता था।

अमेरिकी न्याय विभाग के अनुसार, पाकिस्तानी मूल का अमेरिकी नागरिक हेडली 2002 से 2005 के बीच पाकिस्तान में आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के कम से कम पांच ट्रेनिंग कैंप में शामिल हुआ था। लश्कर के कमांडरों के निर्देश पर वह भारत आया और 2008 के मुंबई हमलों से पहले पांच बार रेकी की। भारत ने कई बार हेडली के प्रत्यर्पण की मांग की, लेकिन अमेरिकी अधिकारियों ने उसके सहयोग समझौते का हवाला देते हुए उसे भारत को सौंपने से इनकार कर दिया।

NIA के दस्तावेजों के मुताबिक, हेडली का इमिग्रेशन सेंटर असली कारोबार नहीं था। वहां ग्राहक आते थे, लेकिन किसी भी वीजा आवेदन की प्रक्रिया नहीं की गई। इससे जांच एजेंसी को शक हुआ कि यह ऑफिस केवल कवर के तौर पर खोला गया था।

चार्जशीट में एक पूर्व कर्मचारी के बयान का हवाला दिया गया है। उसने बताया कि हेडली ऑफिस के अंदर नमाज नहीं पढ़ता था। बाहर वह खुद को धार्मिक मुस्लिम दिखाता था, लेकिन नमाज पढ़ने के लिए मुंबई के फोर्ट इलाके में जाता था। जांचकर्ताओं के मुताबिक, यह उसने इसलिए किया ताकि ऑफिस के अंदर कोई तय पैटर्न न बने और कर्मचारियों को शक न हो।

ईमेल भेजने के लिए साइबर कैफे का करता था इस्तेमाल- पूर्व कर्मचारी ने यह भी बताया कि हेडली ऑफिस से ईमेल नहीं भेजता था। वह पास के साइबर कैफे से मेल करता था और ऑफिस के लैंडलाइन फोन का इस्तेमाल भी नहीं करता था। वह केवल मोबाइल फोन से बातचीत करता था। यह सप्लीमेंट्री चार्जशीट तहव्वुर हुसैन राणा के प्रत्यर्पण और गिरफ्तारी के बाद दाखिल की गई है। पाकिस्तान मूल का कारोबारी राणा इस समय भारत की हिरासत में है और 26/11 हमलों से जुड़े आरोपों में मुकदमे का इंतजार कर रहा है।

राणा ने हेडली के लिए दस्तावेज किए तैयार- जांच में सामने आया कि राणा ने ही हेडली के भारत दौरे के लिए यात्रा दस्तावेज तैयार किए और अन्य इंतजाम किए। पहले हेडली भी कह चुका है कि उसने भारत आने के लिए राणा की ट्रैवल फर्म का इस्तेमाल किया था।

बिना फीस पाएं ऑन द स्पॉट फैसला, 14 मार्च को बैठेगी राष्ट्रीय लोक अदालत

पटना/ जीएनएस। न कोई फीस, न ही सालों का चक्कर। आमजन को बिना कोर्ट फीस दिए ऑन द स्पॉट फैसला पाने का सुनहरा अवसर एक बार फिर मिलने जा रहा है। 14 मार्च को सुबह 10.30 बजे से एक साथ सिविल कोर्ट, पटना सदर व सभी अनुमंडल स्तरीय पटना सिटी, दानापुर, बाढ़, मसौढ़ी व पालीगंज न्यायालयों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा।

यहां सुलह-समझौते के आधार पर मामलों का त्वरित निपटारा किया जाएगा। लोक अदालत के निर्णय के विरुद्ध अपील नहीं की जा सकती है। इसका फैसला अंतिम व बाध्यकारी होता है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकार इसका आयोजन करा रहा है। डीएम सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के उपाध्यक्ष डॉ. त्यागराजन एसएम ने अधिक से अधिक लोगों से इसका लाभ लेने की अपील की है। यदि कोई पक्ष आपसी समझौते के आधार पर अपने लंबित मुकदमे का निपटारा कराना चाहता है तो वह संबंधित न्यायालय में 13 मार्च 2026 तक किसी भी कार्य दिवस में आवेदन कर सकता है।

अनिल अंबानी पर ED का कड़ा एक्शनः 3716 करोड़ रुपये का अटैच; मनी लॉन्ड्रिंग का है मामला

नई दिल्ली/ जीएनएस। प्रवर्तन निदेशालय ने रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन अनिल अंबानी के मुंबई स्थित घर 'Abode' को अटैच कर लिया है। अधिकारियों के मुताबिक, इस संपत्ति की कीमत 3716.83 करोड़ रुपये आंकी गई है। यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग विरोधी कानून के तहत की गई है। श्चष्ठ ने इस संबंध में अस्थायी अटैचमेंट आदेश जारी किया है। यह मामला उनकी कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशन से जुड़े कथित बैंक धोखाधड़ी केस से संबंधित है।

ED ने यह कार्रवाई प्रवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत की है। समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार, यह अटैचमेंट आदेश हाल ही में जारी किया गया है।

यादव जी की लव स्टोरी पर सुप्रीम कोर्ट ने पूछा- क्या हिंदू लड़की की मुस्लिम से शादी सामाजिक ताना-बाना तोड़ती है?

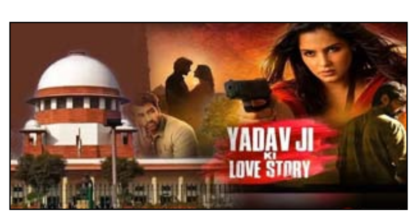

नई दिल्ली/ जीएनएस। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को फिल्म यादव जी की लव स्टोरी पर बैन लगाने वाली याचिका को खारिज कर दिया है। शीर्ष अदालत ने कहा कि फिल्म के नाम में ऐसा कोई शब्द नहीं जिससे समाज की छवि पर कोई असर पड़ता हो।

बता दें विश्व यादव परिषद ने फिल्म के नाम पर सवाल उठाए थे और कहा था कि यह नाम यदाव समाज को गलत तरीके से पेश कर रहा है। इस फिल्म में यादव समाज की हिंदू लड़की और एक मुस्लिम लड़के की लव स्टोरी दिखाई गई है।

इस याचिका पर सुनवाई के दौरान जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने पुछा क्या हिंदू लड़की और मुस्लिम लड़के की शादी समाज के ताने-बाने को तोड़ती है?

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को हाल ही में आई फिल्म घुसखोर पंडित से अलग बताया। कोर्ट ने कहा कि घुसखोर शब्द का अर्थ भ्रष्ट होता है जो नकारात्मक अर्थ से जोड़ता है, जबकि इस फिल्म में ऐसा कोई शब्द नहीं है।

'दिल का टूटना आत्महत्या के लिए उकसाना नहीं', दिल्ली हाई कोर्ट की अहम टिप्प्पणी; आरोपी को जमानत

नई दिल्ली/ जीएनएस। धर्म बदलने के लिए मजबूर करके आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में आरोपित को जमानत देते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने अहम टिप्पणी की है। न्यायमूर्ति मनोज जैन की पीठ ने कहा, प्रेम के रिश्ते का टूटना आत्महत्या के लिए उकसाने का अपराध नहीं है। अपीलकर्ता नूर मोहम्मद की अपील को स्वीकार करते हुए पीठ ने कहा, आजकल टूटे हुए रिश्ते और दिल टूटना आम बात हो गई है, लेकिन सिर्फ रिश्ता टूटना अपने आप में उकसाने का मामला नहीं बन सकता।

धर्म बदलने की शर्त- दरअसल, 27 साल की महिला ने अक्टूबर 2025 में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। उसके पिता ने बाद में पुलिस में शिकायत दर्ज कराकर नूर मोहम्मद पर आरोप लगाया था कि शादी करने के लिए उसने धर्म बदलने को शर्त बनाकर उसे आत्महत्या के लिए उकसाया। पिता की शिकायत पर आरोपित को गिरफ्तार किया गया था और उसने जमानत देने की मांग को लेकर याचिका दायर की थी।

अपीलकर्ता ने तर्क दिया कि वह आठ साल तक महिला के साथ संबंध में रहा और उन्होंने शादी करने की तैयारी की थी। हालांकि, महिला के परिवार ने उनके धर्म अलग होने की वजह से रिश्ते का विरोध किया और इसके बाद वे अलग हो गए।

महिला ने कोई सुसाइड नोट नहीं छोड़ा- अदालत ने रिकॉर्ड पर लिया कि महिला ने कोई सुसाइड नोट नहीं छोड़ा था, जिसमें अपीलकर्ता को दोषी ठहराया गया हो या इतना बड़ा कदम उठाने की कोई वजह बताई गई हो। अदालत ने कहा कि मरने से पहले दिया गया कोई बयान भी नहीं है, जिससे यह पता चले कि मरने वाली के दिमाग में क्या चल रहा था, जब उसने इतना बड़ा कदम उठाया।

दूसरी औरत से शादी करते देख हुई दुखी- कोर्ट ने पाया कि उनके आठ साल के संबंध में, महिला ने आरोपित के खिलाफ कोई शिकायत नहीं की। अदालत ने यह भी कहा कि उसके दोस्तों के बयानों से पता चलता है कि महिला अपीलकर्ता को दूसरी औरत से शादी करते देखकर कितनी दुखी थी। अदालत ने कहा कि साफ तौर पर, यह टूटे हुए रिश्ते का मामला लगता है और संभावना है कि मृतका ने अपीलकर्ता के किसी और से शादी करने की बात पता चलने पर खुद को खत्म करने का फैसला किया हो।

जमानत पर रिहा करने का आदेश- अदालत ने आरोपित को 25,000 रुपये के निजी मुचलके व इतनी ही राशि के एक जमानती पर जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया। साथ ही, कहा कि आरोपित पीड़ित परिवार के सदस्य से संपर्क नहीं करने करेगा और न ही उन्हें प्रभावित करने की कोशिश करेगा।

पीएम मोदी का इजरायल दौरा और नेतन्याहू का बड़ा बयान...इस्लामिक देशों में मचा कोहराम

नई दिल्ली/ जीएनएस। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय इजरायल दौरे पर पहुंच चुके हैं। बेन-गुरियन एयरपोर्ट पर गर्मजोशी के साथ प्रधानमंत्री नेतन्याहू और फर्स्ट लेडी सारा नेतन्याहू ने पीएम मोदी का स्वागत किया । पीएम से गले मिलते हुए नेतन्याहू ने कहा- आप एक महान लीडर हैं।

इजरायली पीएम ने पीएम मोदी के साथ एक मजेदार बातचीत भी की, जिसमें उन्होंने बताया कि पीएम मोदी की पॉकेट स्क्वायर का रंग सारा की भगवा ड्रेस से पूरी तरह मेल खाता है।

2017 के बाद पीएम मोदी का यह पहला इजरायल दौरा है। अपने दौरे के दौरान, पीएम मोदी का नेतन्याहू, इडरायल के राष्ट्रपति इसाक हर्जोग से मुलाकात, इजरायली संसद नेसेट को संबोधित करने और कई दूसरे प्रोग्राम में हिस्सा लेने का कार्यक्रम है।

मोदी के दौरे से पाक मीडिया में खलबली- पीएम मोदी के इजरायल दौरे पर इस्लामिक देशों की मीडिया सहित पूरी दुनिया की नजर है। इनमें पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान की मीडिया के लिए तो इजरायल के प्रधानमंत्री का वो बयान चर्चा का विषय बना हुआ है, जिसमें उन्होंने, कट्टर शिया और सुन्नी एक्सिस को खतरा बताते हुए भारत, ग्रीस, साइप्रस और कुछ अरब, एशियाई और अफ्रीकी देशों के साथ एक गठजोड़ बनाने की बात कही थी। इस बयान की सऊदी अरब, मिस्र और जॉर्डन सहित कई इस्लामिक देशों ने इसकी कड़ी आलोचना की थी।

पीएम नेतन्याहू के इस बयान और पीएम मोदी के इजरायल दौरे पाकिस्तानी मीडिया में खलबली मची हुई है। पाकिस्तानी संसद में नेतन्याहू के इस बयान के बाद इसके विरोध में प्रस्ताव पास किया गया है। पाकिस्तानी मीडिया में कहा जहा रहा है कि यह मामला बहुत नाजुक है क्योंकि चंद दिनों पहले अमेरिका के राजदूत ने ग्रेटर इजरायल की बात की थी।

इंदौर में खाद्य सामग्री के मिलावटखोरों के विरुद्ध अभियान होगा और अधिक तेज

मिलावटखोरों पर सख्त कार्रवाई – स्ट्रीट फूड वेंडर्स का प्रशिक्षण, सर्टिफिकेशन और कड़ी निगरानी पर रहेगा विशेष ध्यान

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर जिले में खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वालों के विरुद्ध मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुरूप प्रभावी अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान को अब और अधिक गति प्रदान की जाएगी। अभियान के अंतर्गत विभिन्न विभागों के अधिकारियों के संयुक्त दल गठित कर खाद्य प्रतिष्ठानों की सघन जांच की जाएगी तथा खाद्य सामग्री के नमूने एकत्रित कर प्रयोगशाला में परीक्षण कराया जाएगा। नमूने अमानक पाए जाने अथवा अनियमितताएं मिलने पर संबंधित मिलावटखोरों के विरुद्ध सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। नागरिकों से भी अपील की गई है कि वे मिलावट संबंधी जानकारी निर्धारित हेल्पलाइन पर अवश्य दर्ज कराएं।

मिलावट विरोधी अभियान की प्रगति की समीक्षा एवं इसे और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से आज कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने जिले में पदस्थ खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में उन्होंने निर्देश दिए कि खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के प्रावधानों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराया जाए तथा आगामी त्योहारों को ध्यान में रखते हुए अभियान को विशेष रूप से सघन रूप में संचालित किया जाए। कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है कि उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्ता, निर्धारित मानकों के अनुरूप एवं पूर्णतः सुरक्षित खाद्य सामग्री प्राप्त हो। खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वालों के विरुद्ध लगातार अभियान चलाकर कठोर कार्रवाई की जाए।

बैठक में जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री मनीष स्वामी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। अधिकारियों ने जानकारी दी कि जिले में मिलावट के विरुद्ध निरंतर सख्त कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर श्री वर्मा ने स्पष्ट किया कि अब तक दर्ज मामलों के अतिरिक्त आगे भी दोषियों के विरुद्ध सबसे कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बताया गया कि जिले के खाद्य प्रतिष्ठानों का सतत निरीक्षण किया जा रहा है तथा एफएसएसएआई द्वारा निर्धारित रिस्क बेस्ड इंस्पेक्शन सिस्टम के अनुसार हाई-रिस्क प्रतिष्ठानों का प्राथमिकता के आधार पर निरीक्षण किया जा रहा है। विभाग द्वारा निरंतर खाद्य सामग्रियों के नमूने लिए जा रहे हैं। कलेक्टर श्री वर्मा ने निर्देश दिए कि नमूनों की जांच में दोषी पाए जाने पर संबंधित आरोपियों के विरुद्ध तत्काल प्रकरण दर्ज किए जाएं। नमूनों के विश्लेषण की प्रक्रिया जारी है तथा दोष सिद्ध होने पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने कहा कि इंदौर भोजन एवं स्ट्रीट फूड संस्कृति के लिए देशभर में प्रसिद्ध है, इसलिए यह आवश्यक है कि हर स्थान पर उपभोक्ताओं को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध हो। इसी उद्देश्य से कार्रवाई के साथ-साथ जागरूकता गतिविधियों पर भी विशेष बल दिया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिए कि फूड सेफ्टी मानकों की जानकारी सभी स्ट्रीट फूड वेंडर्स तक पहुंचाई जाए तथा उन्हें प्रशिक्षण, जागरूकता कार्यक्रमों और सर्टिफिकेशन की प्रक्रिया से जोड़ा जाए।

बैठक में यह भी बताया गया कि मिलावट के मामलों में कई स्थानों पर एफआईआर दर्ज की गई है तथा भविष्य में भी निरंतर निगरानी और कड़ी कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी। कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि जिले की आगामी कार्ययोजना में स्ट्रीट वेंडर्स की क्षमता वृद्धि तथा उपभोक्ताओं की खाद्य सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी।

शिकायतों के लिए टोल फ्री नंबर- उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए खाद्य सामग्री की गुणवत्ता एवं मानकों से संबंधित शिकायतों के लिए दो टोल फ्री नंबर जारी किए गए हैं। अब कोई भी उपभोक्ता अपनी शिकायतें सीधे इन नंबरों पर दर्ज करा सकते हैं । यह सुविधा कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देश पर प्रारंभ की गई है। जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री मनीष स्वामी ने बताया कि शिकायत हेतु टोल फ्री नंबर 0731-181 तथा 0755-2840621 है। इन नंबरों पर कॉल कर उपभोक्ता खाद्य पदार्थों में मिलावट, गुणवत्ता में कमी, निर्धारित मानकों के उल्लंघन या किसी भी तरह की अनियमितता की जानकारी अधिकारियों तक पहुँचा सकते हैं।

अपहरण और लूट की सनसनीखेज वारदात का चंद घंटों में खुलासा, पांच शातिर बदमाश गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में अपहरण कर लूट की सनसनीखेज वारदात का पुलिस थाना तेजाजी नगर ने चंद घंटों में खुलासा करते हुए पांच शातिर बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के कब्जे से लूटा गया मश्रुका तथा घटना में प्रयुक्त वाहन सहित लगभग 10 लाख रुपये मूल्य की संपत्ति बरामद की गई है। सभी आरोपी पूर्व से ही गंभीर आपराधिक प्रवृत्ति के बताए जा रहे हैं।

शहर में चोरी, नकबजनी, लूट और डकैती जैसे संपत्ति संबंधी अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह द्वारा सख्त निर्देश दिए गए हैं। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री अमित सिंह और पुलिस उपायुक्त जोन-01 श्री कृष्ण लालचंदानी के मार्गदर्शन में जोन-01 पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इस मामले में उल्लेखनीय सफलता हासिल की।

जानकारी के अनुसार 23 फरवरी 2026 को थाना तेजाजी नगर क्षेत्र के कैलोद फाटा बायपास रोड पर हुंडई ओरा कार क्रमांक MP07ZZ2649 में सवार पांच आरोपियों ने एक व्यक्ति का अपहरण कर लूट की वारदात को अंजाम दिया था। घटना की सूचना मिलते ही थाना तेजाजी नगर में तत्काल अपराध पंजीबद्ध किया गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जोन-01 श्री सुमित केरकेट्टा एवं सहायक पुलिस आयुक्त आजाद नगर श्री रविन्द्र बिलवाल के निर्देशन में थाना प्रभारी निरीक्षक श्री देवेन्द्र मरकाम के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने मुखबिर तंत्र सक्रिय करते हुए सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी जांच के आधार पर तेजी से कार्रवाई की। कुछ ही घंटों में सभी पांच आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

गिरफ्तार आरोपियों में नितेश, अर्जुन और सुक्सीन निवासी बाणगंगा तथा विजय और संजय निवासी चंदननगर शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटा गया सामान और घटना में प्रयुक्त वाहन बरामद कर लिया है।

पुलिस के अनुसार सभी आरोपी आदतन अपराधी हैं और उनके विरुद्ध थाना बाणगंगा, चंदननगर, एरोड्रम और हातोद में लूट, अवैध वसूली, अवैध हथियार रखने और मारपीट जैसे गंभीर अपराध पहले से दर्ज हैं। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ जारी है और विवेचना के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

पेपर बिगड़ने पर छात्रा ने की आत्महत्या, फेल होने का तनाव था

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। एक छात्रा ने सिर्फ इसलिए आत्महत्या कर ली, क्योंकि उसका संस्कृत का पेपर बिगड़ गया था और उसे फेल होने का डर सता रहा था। उसने यह बात परिजनों को भी बताई थी। उन्होंने उसे चिंता नहीं करने के लिए कहा था, लेकिन पेपर बिगड़ने से तनाव में आई छात्रा ने फांसी लगाकर जान दे दी।

यह घटना रामचंद्र नगर में हुई। विजय श्रीवास्तव की बेटी पलक कक्षा दसवीं की छात्रा थी। वह पिछले दिनों संस्कृत का पेपर देने गई थी, लेकिन कई प्रश्न वह हल नहीं कर पाई। वह एक निजी स्कूल में पढ़ती थी।

4 लाख 42 हजार से अधिक किसानों ने समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिये कराया पंजीयन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। खाद्य , नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने जानकारी दी है कि रबी विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिये अब तक 4 लाख 42 हजार 288 किसानों ने पंजीयन करा लिया है। किसान 7 मार्च तक पंजीयन करा सकते हैं। उन्होंने किसानों से अपील की है कि निर्धारित समय में पंजीयन जरूर करा लें। उन्होंने बताया है कि किसान पंजीयन की व्यवस्था को सहज और सुगम बनाया गया है। कुल 3186 पंजीयन केन्द्र बनाये गए हैं। केन्द्र सरकार द्वारा वर्ष 2026-27 के लिये गेहूँ का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 2585 रूपये प्रति क्विंटल घोषित किया गया है, जो गत वर्ष से 160 रूपये अधिक है।

मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि अभी तक इंदौर संभाग में 54 हजार 587, उज्जैन में एक लाख 48 हजार 905, ग्वालियर में 9695, चम्बल में 4692, जबलपुर में 39 हजार 885, नर्मदापुरम में 34 हजार 181, भोपाल में एक लाख 9 हजार 134, रीवा में 13 हजार 260, शहडोल में 2551 और सागर में 25 हजार 398 किसानों ने पंजीयन कराया है।

पंजीयन की निःशुल्क व्यवस्था ग्राम पंचायत और जनपद पंचायत कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्र पर, तहसील कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्र पर और सहकारी समितियों एवं सहकारी विपणन संस्थाओं द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्र पर की गई है।

पंजीयन की सशुल्क व्यवस्था एम.पी. ऑनलाईन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेन्टर कियोस्क, लोक सेवा केन्द्र और निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित साइबर कैफे पर की गई है। खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने बताया है कि विगत रबी एवं खरीफ के पंजीयन में जिन किसानों के मोबाइल नंबर उपलब्ध हैं, उन्हें एसएमएस से सूचित करने के निर्देश दिये गये हैं।

ग्रामीण पृष्ठभूमि के पहलवान आयुष झा ने जीता अंतरराष्ट्रीय गोल्ड

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर प्रदेश में युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए लगातार प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस प्रोत्साहन से खिलाड़ियों में नई ऊर्जा का संचार हो रहा है और वे उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर रहे हैं। इसी क्रम में इंदौर जिले के ग्रामीण पृष्ठभूमि के प्रतिभावान पहलवान आयुष झा ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार सफलता अर्जित करते हुए नेपाल के लुम्बिनी में आयोजित साउथ एशियन कॉम्बैट चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतकर जिले सहित प्रदेश एवं देश का नाम रोशन किया है।

इंदौर जिले के ग्राम काली बिलौद निवासी आयुष झा को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की पहल पर जिला प्रशासन द्वारा 30 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई थी। इस सहयोग से प्रेरित होकर आयुष ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया।

उपलब्धि के बाद आयुष झा कलेक्टर कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के प्रति आभार व्यक्त किया। आयुष ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा खिलाड़ियों के लिए बनाए जा रहे अनुकूल वातावरण से उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा मिल रही है और भविष्य में भी देश के लिए बेहतर प्रदर्शन करने का संकल्प मजबूत हुआ है।

इस अवसर पर कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने आयुष झा को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह जिले के लिए गर्व की बात है कि ग्रामीण पृष्ठभूमि का एक युवा खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर रहा है। जिला प्रशासन हमेशा खिलाड़ियों के साथ खड़ा है और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आयुष आगे भी इंदौर सहित प्रदेश और देश का नाम रोशन करेंगे। कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि इंदौर की पहचान खेल प्रतिभाओं के लिए भी रही है और जिले के खिलाड़ी निरंतर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता अर्जित कर रहे हैं।

लिपिकवर्गीय शासकीय कर्मचारियों से लेखा प्रशिक्षण के लिये आवेदन आमंत्रित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। लेखा प्रशिक्षण शाला इंदौर का आगामी नियमित लेखा प्रशिक्षण सत्र आगामी 01 अप्रैल से जून 2026 तक चलेगा। लेखा प्रशिक्षण में शामिल होने के इच्छुक लिपिक वर्गीय शासकीय कर्मचारी अपने आवेदन पत्र तीन मूल प्रतियों में लेखा प्रशिक्षण शाला इंदौर में 16 मार्च 2026 तक जमा किये जा सकते हैं। आवेदन पत्र का निर्धारित प्रारूप लेखा प्रशिक्षण शाला इंदौर से कार्यालयीन समय में प्राप्त किया जा सकता है। यह जानकारी देते हुए लेखा प्रशिक्षण शाला इंदौर के प्राचार्य ने बताया कि लिपिक वर्गीय शासकीय कर्मचारी, जिन्होंने सामान्य प्रशासन विभाग के आदेशानुसार सीपीसीटी परीक्षा उतीर्ण किया है अथवा सीधी भर्ती / पदोन्नत पदों में शासन के निर्देशानुसार छूट प्राप्त है। ऐसे शासकीय सेवक ही प्रशिक्षण/परीक्षा में सम्मिलित होने के पात्र होंगे। सभी प्रशिक्षणार्थी को शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र आवेदन के साथ संलग्न करना अनिवार्य है। लेखा प्रशिक्षण शाला में प्रवेश हेतु शासकीय कर्मचारी की परिवीक्षा अवधि पूर्ण होना अनिवार्य है। कर्मचारी का पासपोर्ट साईज का फोटो आवेदन पत्र पर चस्पा कर कार्यालय प्रमुख द्वारा अभिप्रमाणित किया जाकर आवेदन निर्धारित प्रपत्र में तीन मूल प्रतियों में अनुशंसा सहित अग्रेषित किया जायें। अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों का जाति प्रमाण पत्र कार्यालय प्रमुख द्वारा अभिप्रमाणित कर संलग्न किया जायें। म.प्र. शासन वित्त विभाग के निर्देशानुसार स्थानीय निकाय, अर्द्धशासकीय, संस्थाओं के लिपिक वर्गीय कर्मचारी जिनकी परिवीक्षा अवधि पूर्ण हो चुकी है, वे भी लेखा प्रशिक्षण शाला में प्रवेश हेतु पात्र होंगे। बशर्ते ऐसे कर्मचारियों को म.प्र. शासन द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण शुल्क 5 हजार रुपये का चालान प्रशिक्षण शाला में प्रवेश होने पर अनिवार्य रूप से जमा करना होगा।

आरडीएसएस अंतर्गत मालवा निमाड़ का 87वां ग्रिड बुरहानपुर शहर में ऊर्जीकृत

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन की महत्वपूर्ण रिवेम्प्ड डिस्ट्रिब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) मालवा निमाड़ निमाड़ में नए 33/11 केवी ग्रिड श्रृंखलाबद्ध रूप से बनाए जा रहे हैं। आरडीएसएस अंतर्गत मालवा निमाड़ का 87वां सब स्टेशन बुरहानपुर शहर के मंडी क्षेत्र में ऊर्जीकृत किया गया। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि इस नए ग्रिड से बुरहानपुर मध्य शहर के हजारों उपभोक्ताओं को पहले की तुलना में ज्यादा गुणवत्ता से बिजली मिलेगी। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार सिंह ने बताया कि निमाड़ का 26वां और पश्चिम क्षेत्र कंपनी का यह 87वां ग्रिड बुरहानपुर के मध्य शहरी क्षेत्र में 2.18 करोड़ रूपए से निर्मित हुआ है। इसकी क्षमता 5 एमवीए हैं। इससे मध्य शहरी क्षेत्र को ज्यादा गुणवत्ता से बिजली मिलेगी। श्री अनूप कुमार सिंह ने बताया कि निमाड़ में सबसे ज्यादा ग्रिड बुरहानपुर, खंडवा में 8, 8, खरगोन में 6, बड़वानी में 4 तैयार किए गए है। वहीं इंदौर शहर व ग्रामीण वृत्त में कुल 13, उज्जैन जिले में 12 ग्रिड तैयार किए गए हैं। शेष ग्रिड अन्य जिलों में तैयार किए गए हैं। कंपनी क्षेत्र में अब तक आरडीएसएस के 87 ग्रिड ऊर्जीकृत होकर विद्युत प्रदाय कर रहे हैं। आरडीएसएस के इन ऊर्जीकृत ग्रिडों से पश्चिम मप्र की वितरण क्षमता में 435 एमवीए की और वृद्धि हो चुकी है। प्रबंध निदेशक श्री सिंह ने बताया कि कंपनी क्षेत्र में कुछ जिलों में ग्रिडों के कार्य अभी भी प्रगतिरत हैं। प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार सिंह ने बुरहानपुर मध्य शहर के इस ग्रिडों के चुनौतीपूर्ण निर्माण के लिए बुरहानपुर के अधीक्षण यंत्री श्री केएस मालवीय एवं टीम को बधाई दी है।

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य पात्रता परीक्षा (सेट) का आयोजन आगामी एक मार्च को

इंदौर शहर के 100 परीक्षा केन्द्रों पर कुल 38 हजार 144 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग इंदौर द्वारा ऑफलाइन पद्धति से राज्य पात्रता परीक्षा (सेट) 2025 का आयोजन आगामी 01 मार्च को किया जाएगा। यह परीक्षा इंदौर जिले के 100 परीक्षा केन्द्रों पर सम्पन्न होगी। उक्त परीक्षा के लिए इंदौर के शासकीय और अशासकीय स्कूलों व कॉलेजों को केन्द्र बनाया गया है। शहर में आयोजित इस परीक्षा में कुल 38 हजार 144 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। यह परीक्षा दोपहर 12 बजे से दोपहर 3 बजे तक होगी। राज्य पात्रता परीक्षा (सेट) 2025 परीक्षा के सम्पूर्ण संचालन हेतु संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े को परीक्षा समन्वयक अधिकारी नियुक्त किया गया है।

उक्त परीक्षा को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने के लिए आज संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े के निर्देश पर संभागायुक्त कार्यालय में बैठक आयोजित की गई। उपायुक्त राजस्व एवं प्रभारी परीक्षा अधिकारी श्रीमती सपना एम. लोवंशी ने बैठक में बताया कि राज्य पात्रता परीक्षा (सेट) 2025 के प्रश्नपत्र में बहुवैकल्पिक प्रश्न होंगे। परीक्षा प्रारंभ होने के 45 मिनट पूर्व परीक्षार्थियों को परीक्षा केन्द्र में प्रवेश दिया जाएगा। सभी परीक्षार्थी समय पर परीक्षा केन्द्र पर पहुँचे। परीक्षार्थियों का प्रवेश मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा जारी प्रवेशपत्र और फोटोयुक्त पहचान पत्र के आधार पर होगा। परीक्षा प्रारंभ होने के 15 मिनट पूर्व ओएमआर सीट का वितरण किया जाएगा तथा प्रश्न पत्र पुस्तिका का वितरण 11.55 बजे किया जाएगा। परीक्षा पूर्व सभी पर्यवेक्षक यह सुनिश्चित करेंगे कि परीक्षार्थी को वही सेट मिले जो उनके लिए निर्धारित है।

बैठक में प्रभारी परीक्षा अधिकारी द्वारा बताया गया कि राज्य पात्रता परीक्षा (सेट) 2025 में परीक्षार्थी प्रवेश पत्र, पहचान पत्र, गोले बनाने हेतू निर्धारित स्याही का पेन, स्वयं का फोटो, पानी की पारदर्शी बाटल, अन्य कोई सामग्री जो ई-प्रवेश पत्र में निर्दिष्ट है, को ले जाने की अनुमति रहेगी।

बैठक में बताया गया कि परीक्षा के दौरान वीक्षकों को मोबाइल फोन रखना प्रतिबंधित है। साथ ही परीक्षार्थियों को परीक्षा कक्ष में जूते-मोजे पहनकर प्रवेश वर्जित है। परीक्षा में पेन्सिल, रबर, व्हाइटनर एवं ऐसेशरीज जैसे बालों को बाधंने का क्लेचर, घड़ी और हाथ में पहने जाने वाले मैटेलिक आदि वर्जित रहेंगे। इसके अलावा मोबाईल फोन, कैल्कुलेटर, ब्लू टूथ, हेण्ड फ्री डिजिटल घड़ी या अन्य कोई उपकरण भी प्रतिबंधित रहेंगे। इसके अलावा चाबी, लाइटर्स, माचिस बॉक्स, शार्पनर, ब्लेड तथा अन्य कोई कीमती सामान ले जाना प्रतिबंधित रहेगा।

परीक्षा केन्द्र में प्रवेश के पूर्व परीक्षार्थी से उक्त सामग्री प्राप्त कर उसे सुरक्षित रखने की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। सभी परीक्षा केन्द्रों पर पेयजल, बिजली आदि बुनियादी सुविधाएं की गई है। बैठक में प्रशिक्षक डॉ. डी. के. गुप्ता सहित समस्त परीक्षा केन्द्रों के सहायक परीक्षा अधिकारी शामिल थे।

इंदौर क्राइम ब्रांच की बड़ी कार्रवाई, 34.6 ग्राम 'MD' ड्रग्स के साथ महिला तस्कर गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत इंदौर क्राइम ब्रांच को बड़ी सफलता मिली है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 34.6 ग्राम प्रतिबंधित मादक पदार्थ 'एमडी' ड्रग्स के साथ एक महिला तस्कर को गिरफ्तार किया है। जब्त मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 3 लाख 40 हजार रुपये बताई जा रही है, जबकि कुल मश्रुका कीमत लगभग 4 लाख रुपये आंकी गई है।

पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के निर्देशानुसार शहर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं उससे जुड़े तत्वों के विरुद्ध लगातार सघन अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में क्राइम ब्रांच टीम द्वारा गोपनीय सूचना के आधार पर शहर के विभिन्न क्षेत्रों में संदिग्धों की तलाश की जा रही थी। कार्रवाई के दौरान सांवरिया ग्रीन्स मैरिज गार्डन के सामने रीजनल पार्क के पास एक महिला पुलिस को देखकर घबराई हुई नजर आई और भागने का प्रयास करने लगी। संदेह होने पर टीम ने घेराबंदी कर उसे रोक लिया।

पूछताछ में महिला ने अपना नाम फातिमा मंसूरी निवासी मुंबई, महाराष्ट्र बताया। महिला आरक्षक द्वारा विधिवत तलाशी लेने पर उसके हैंड बैग से एक पारदर्शी पन्नी में 34.6 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद हुई। पुलिस ने मौके पर ही मादक पदार्थ जब्त कर आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपिया ने बताया कि वह अवैध लाभ कमाने के उद्देश्य से सस्ते दाम में मादक पदार्थ खरीदकर इंदौर में नशे के आदी लोगों को अधिक कीमत पर बेचती थी। आरोपी महिला घर-घर जाकर खाना बनाने का काम करती है और बारहवीं कक्षा तक शिक्षित है।

पुलिस ने आरोपिया के विरुद्ध थाना अपराध शाखा में अपराध क्रमांक 28/26 धारा 8/22 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है। मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है तथा मादक पदार्थों के नेटवर्क के संबंध में भी गहन पूछताछ की जा रही है।

थाना एरोड्रम पुलिस की संवेदनशीलता, घर का रास्ता भूली दो नन्हीं बच्चियों को सुरक्षित परिजनों से मिलाया

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। थाना एरोड्रम पुलिस ने तत्परता और संवेदनशीलता का परिचय देते हुए घर का रास्ता भटक गईं दो नाबालिग बच्चियों को सकुशल उनके परिजनों से मिलवाया। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई ने एक संभावित अनहोनी को टालते हुए जनसेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को फिर साबित किया है। जानकारी के अनुसार 24 फरवरी 2026 को राखी मिश्रा ने अपनी दोनों बेटियों को स्कूल यूनिफॉर्म में तैयार किया था। वह स्वयं किसी कार्य में व्यस्त थीं, इसी दौरान दोनों बच्चियां खेलते-खेलते घर से बाहर निकल गईं और कॉलोनी से दूर बांगड़दा रोड स्थित वेयर हाउस हम्माल कॉलोनी तक पहुंच गईं। घर का रास्ता भूल जाने के कारण दोनों मासूम बच्चियां रोते हुए इधर-उधर भटक रही थीं। मामले की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी एरोड्रम श्री तरुण सिंह भाटी ने तत्काल संज्ञान लेते हुए एफआरवी/डायल-112 टीम को मौके पर भेजा।

संकल्प से समाधान जनता चौपाल में महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने सुनीं समस्याएं, संजीवनी क्लिनिक व संस्कार भवन का लोकार्पण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर नगर निगम द्वारा संचालित संकल्प से समाधान जनता चौपाल के तहत महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने विधानसभा क्षेत्र 02 के वार्ड क्रमांक 25 स्थित जनता क्वार्टर क्षेत्र में चौपाल लगाकर नागरिकों की समस्याएं सुनीं और उनके त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिकों ने भाग लेकर अपनी शिकायतें और सुझाव प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम की शुरुआत नव स्थापित संजीवनी क्लिनिक और संस्कार भवन के लोकार्पण के साथ हुई। इस अवसर पर सभापति मुन्ना लाल यादव, एमआईसी सदस्य अभिषेक शर्मा (बबलू), पार्षद श्रीमती सविता चौखंडे, पूर्व पार्षद चंदूराव शिंदे, अपर आयुक्त अर्थ जैन सहित अन्य जनप्रतिनिधि और निगम अधिकारी उपस्थित रहे। क्षेत्रीय नागरिकों, विशेषकर महिलाओं ने योगशाला और योग मित्र अभियान के लिए महापौर के प्रति आभार व्यक्त करते हुए स्वच्छ और स्वस्थ इंदौर के लिए धन्यवाद दिया।

क्या बेटियां बदलेंगी विज्ञान की दुनिया? स्टूडेंट्स के पोस्टर और क्विज में दिखा नया भारत

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के श्री गोविंदराम सेकसरिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस (एसजीएसआईटीएस) में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2026 के उपलक्ष्य में विशेष कार्यक्रमों की श्रृंखला शुरू हुई है। संस्थान के एप्लाइड केमिस्ट्री विभाग द्वारा मध्य प्रदेश काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, भोपाल के सहयोग से इस आयोजन का भव्य शुभारंभ किया गया। विज्ञान और विकसित भारत में महिलाओं की भूमिका बताई- उद्घाटन सत्र के दौरान विज्ञान में महिलाएं- विकसित भारत के लिए उत्प्रेरक विषय पर एक महत्वपूर्ण विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस सत्र में विज्ञान के क्रमिक विकास और भारत की सर्वांगीण प्रगति में महिलाओं द्वारा निभाए जा रहे निर्णायक योगदान पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि देश के विकास की गति को तेज करने के लिए वैज्ञानिक क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी अनिवार्य है। प्रेरणादायी किस्सों से छात्रों को दिया मार्गदर्शन- संस्थान के निदेशक ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए विश्व की महान महिला वैज्ञानिकों के जीवन और उनके संघर्षों की कहानियां साझा कीं। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इन वैज्ञानिक विभूतियों का जीवन प्रेरणा का स्त्रोत है और छात्रों को उनके पदचिन्हों पर चलते हुए नवाचार की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

कृषि मंडी के सामने एक मकान में मिले ड्रग्स निर्माण हेतु केमिकलों से भरे ड्रम

किराए से मकान लेने वाले आरोपी को एनडीपीएस में पकड़ चुकी है प्रतापगढ़ पुलिस, प्रोडक्शन वारंट लेंगे

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कृषि उपज मंडी मंदसौर के सामने स्थित विजय हाउसिंग सोसायटी कॉलोनी के एक बंद पड़े मकान की यशोधर्मन नगर थाना पुलिस द्वारा जब तलाशी ली गई तो उसमें भारी मात्रा में एमडी ड्रग्स निर्माण का केमिकल बरामद हुआ है । केमिकलों से भरे 10 ड्रम मिले हैं। इन ड्रमों में कुल 1886.6 किलो केमिकल भरा हुआ था। यह मकान एक आरोपी ने किराए से बकायदा अनुबंध आधार पर लिया था, उस किराएदार आरोपी को प्रतापगढ़ पुलिस ने विगत दिनों एनडीपीएस एक्ट में पकड़ा था, जो जेल में है। ऐसे में मंदसौर पुलिस द्वारा अब आरोपी को प्रतापगढ़ से प्रोडक्शन वारंट पर मंदसौर लाकर पूछताछ की जाएगी।

इस संबंध में कंट्रोल रूम में बुधवार शाम प्रेसवार्ता आयोजित की गई, जिसमें सीएसपी जितेन्द्र भास्कर ने बताया कि यशोधर्मन नगर थाने पर फरियादिया महिला ललिता पति प्रदीप जैन (तरसिंग) निवासी नई आबादी सरकारी बाजार रोड ने एक आवेदन दिया था। आवेदन में बताया था कि फार्मेसी कॉलेज रोड पर स्वयं का विजय हाउसिंग सोसायटी कॉलोनी मकान है। इस मकान को 1 जनवरी 2026 को श्रेयांस पिता धरमचन्द्र मोगरा निवासी प्रतापगढ़ राज को किराए से दिया था। मकान को सुपुर्दगी में दिलवाए जाने हेतु आवेदन पत्र में तथ्य दिए गए थे। दिए गए आवेदन की जांच एवं कार्रवाई हेतु थाने से उपनिरीक्षक हेमंत शर्मा व टीम मौके पर पहुंची। मकान के ताले को तोड़ा। हॉल में अंदर जाने वाले कमरे का भी ताला तोड़ा गया। यहां अंदर प्रवेश करने पर प्लास्टिक के नीले, हरे एवं पीले रंग के ड्रम होना पाए गए। कमरे के अंदर केमिकल की तीक्ष्ण गंध आने जैसा प्रतीत हुआ। ड्रमों को खोलकर चेक करने पर तरल पदार्थ केमिकल होना पाया गया। यह केमिकल मादक पदार्थ एमडी ड्रग्स के निर्माण में आने वाले उपयोग का पाया गया है। सभी ड्रमों से कुल 1886.6 किलोग्राम बल्क मात्रा में केमिकल को जब्ती में लिया जाकर मकान किराए से लेने वाले आरोपी श्रेयांस मोगरा निवासी प्रतापगढ़ के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज किया गया है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक शिवांशु मालवीय, उपनिरीक्षक हेमंत शर्मा, प्रआ अरविन्द पुरोहित, मुकेश दिया, आरक्षक लक्ष्मण भाटी, श्रवणसिंह पंकज शर्मा एवं राजेन्द्र का सराहनीय योगदान रहा। इस संबंध में सीएसपी श्री भास्कर ने बताया कि आरोपी श्रेयांस को पूर्व में प्रतापगढ़ पुलिस एनडीपीएस में पकड़ चुकी है। जो ड्रम मिले हैं, उसमें कुछ भरे हुए तो कुछ कम भरे हुए हैं। आरोपी श्रेयांस से पूछताछ के लिए प्रोडक्शन वारंट पर लाया जाएगा, जिसके बाद केमिकल के संबंध में जानकारी जुटाई जाएगी।

सेन समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन होगा भादवा माता में 28 अप्रैल को

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच जिला सेन समाज के तत्वाधान में नीमच तहसील सेन समाज संगठन के सानिध्य में सेन समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन वैशाख शुक्ल पक्ष बारह 28 अप्रैल मंगलवार को वैष्णो देवी के नाम से विख्यात महामाया भादवा माता जी में आयोजित किया जा रहा है । उक्त जानकारी तो जानकारी देते हुए पूर्व जिलाध्यक्ष महिला युवा सेन समाज संगठन नीमच अनीता समरथ सेन बताया कि वर्तमान समय में बढ़ती हुई महंगाई और शादियों में होने वाले अनावश्यक फिजूल खर्ची को रोकने के लिए सेन समाज ने इस सम्मेलन को एक आदर्श आयोजन बनाने का संकल्प लिया ।जिसके तहत विशाल आदर्श सेन सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन होने जा रहा है विवाह योग्य युवक - युवतियो के पंजीयन कराकर आदर्श सेन सामुहिक विवाह सम्मेलन को भव्यता प्रदान करें ।प्रत्येक वर - वधुओं के लिए पंजीयन राशि 31,111 रुपए रखी गई है ।पंजीयन के लिए हरिप्रसाद गहलोत (मोबाइल नंबर-9406675723)से संपर्क कर सकते हैं । सेन विवाह सम्मेलन अध्यक्ष भगवती प्रसाद देवड़ा ने बताया कि विवाह योग युवक - युवतियों के पंजीयन किए जा रहे हैं जा रहे हैं ।सामूहिक विवाह केवल एक सामाजिक आयोजन नहीं है बल्कि यह हमारे समाज के आपसी भाईचारे और एकजुट का प्रतीक है।

जिला सेन समाज अध्यक्ष सुखलाल सेन,जिला युवा अध्यक्ष चमन सेन,महिला सेन समाज जिला अध्यक्ष प्रेमलता गहलोत,सभी सेन समाज तहसील अध्यक्ष,युवा अध्यक्ष ने सेन समाज के समाज बंधुओ से निवेदन किया है कि अपने विवाह योग्य युवक - यूवतीयों के पंजीयन कराये एवं नीमच जिला सेन समाज को एक नई दिशा और ऊर्जा के साथ आगे बढ़ाएं और इस आयोजन को सफल बनाएं ताकि समूचे मध्य प्रदेश में एक मिसाल बन सकें ।

गांधीसागर से चोरी की मछली ले जाते नीमच जिले के तीन आरोपी गिरफ्तार, डेढ़ क्विंटल मछली व कार जब्त

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। थाना नारायणगढ़ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गांधीसागर जलाशय से चोरी की गई मछलियों का परिवहन करते तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 1 क्विंटल 50 किलो मछली एवं एक मारुति सुजुकी अल्टो कार क्रमांक एमपी 13 जेडएस 7785 जब्त की है।

पुलिस के अनुसार गांधीसागर मत्स्य विक्रय अनुबंध ग्रहिता आतीफ खान के कर्मचारी शाहीद अली पिता शफीक मोहम्मद अब्बासी ने सूचना दी थी कि हरसोल की ओर से एक मारुति सुजुकी अल्टो कार में तीन व्यक्ति गांधीसागर जलाशय से चोरी की गई मछलियां लेकर जा रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम हरसोल रोड पर पहुंची और संदिग्ध वाहन का इंतजार किया गया। कुछ समय बाद हरसोल की ओर से आती कार को रोका गया। कार पर मुखबिर द्वारा बताए गए नंबर अंकित थे। पूछताछ में चालक ने अपना नाम राजकरण उर्फ शेरु (38) पिता हीरालाल मालवीय, निवासी कड़ी आंतरी थाना कुकडेश्वर जिला नीमच बताया।

आगे की सीट पर बैठे व्यक्ति ने अपना नाम बन्टीनाथ (42) पिता मांगीलालनाथ, निवासी कुनवासा थाना कुकडेश्वर जिला नीमच तथा पीछे बैठे व्यक्ति ने मानसिंह (40) पिता तुलसीराम रावत, निवासी कुनवासा थाना कुकडेश्वर जिला नीमच होना बताया। पंचों की मौजूदगी में वाहन की तलाशी लेने पर बीच की सीट पर एक कट्टा एवं डिक्की में तीन कट्टे मछली के मिले। कुल चार कट्टों में लगभग 1 क्विंटल 50 किलो मछली पाई गई। आरोपियों से मछली निकालने एवं परिवहन संबंधी लाइसेंस-परमिट के बारे में पूछने पर वे कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। पूछताछ में तीनों ने गांधीसागर जलाशय से मछली निकालकर लाना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध मत्स्य अधिनियम की धारा 5 एवं बीएनएस की धारा 303(2) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिया है।

पन्चकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव हेतु मुनिश्री ससघ का मंगल विहार

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मेवाड़ प्रान्त कि धार्मिक नगरी सिंगोली में समाधिस्थ आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के आशीर्वाद व अर्ह योग प्रणेता मुनिश्री प्रणम्य सागर जी महाराज ससघ के पावन सानिध्य में 2 अप्रैल से 7 अप्रैल तक भव्य पन्चकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव होने जा रहा है इस हेतु सभी तैयारियां जोर-शोर चल रही है जिससे नगर व मेवाड़ प्रान्त में उत्साह का वातावरण बना हुआ है प्राप्त जानकारी के अनुसार मुनिश्री ससघ का मंगल विहार देश कि राजधानी दिल्ली से सिंगोली पन्चकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव हेतु विहार चल है इस दोरान समाजजनों द्वारा मुनिश्री ससघ कि आहर विहार हेतु व्यवस्था व समाजजन मुनिश्री ससघ के साथ मंगल विहार मे पेदल बड़ी भक्ति भाव के साथ चल रहे है मुनिश्री ससघ मार्च महीने के अंतिम सप्ताह में नगर में पहुंचेगे इस दोरान मुनिश्री ससघ के सानिध्य में महावीर जयंती का भव्य आयोजन होगा वही नगर प्रवेश के दोरान पुज्य मुनिश्री ससघ की भव्य मंगल आगवानी समाजजनों द्वारा की जाएगी आज पुज्य मुनिश्री ससघ कि आहरचर्या भुसावर गांव में हुई इस अवसर पर बडी संख्या मे गुरु सेवा संघ के सदस्य गुरु चरणों में पहुंच कर मुनिश्री से मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया।

सकल ब्राह्मण समाज की महिलाओं ने फाग महोत्सव मनाया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सर्व ब्राह्मण समाज की महिलाओं ने बुधवार 25 फरवरी को माल गोदाम रोड़ स्थित श्री चमत्कारी बालाजी धाम (साई मंदिर) पर फाग उत्सव मनाया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित महिलाओं ने गुलाल उड़ाकर फूलों की वर्षा कर फाग खैला और सुमधुर भजनों की प्रस्तुति दी। उक्त आयोजन सर्व ब्राह्मण समाज की प्रदेश महासचिव श्रीमती विद्या उपाध्याय के मार्गदर्शन में एवं विश्वव्यापी ब्राह्मण एकता महासंघ की प्रदेश सचिव श्रीमती ललिता भारद्वाज के नेतृत्व में सकल ब्राह्मण समाज महिला अध्यक्ष श्रीमती नीता चौबे की अध्यक्षता में सानन्द सम्पन्न हुआ। जिसमें सकल ब्राह्मण समाज की उपाध्यक्ष श्रीमती मंजू शर्मा, श्रीमती सीमा शर्मा, श्रीमती किरण गौड़, श्रीमती सुशीला भारद्वाज, श्रीमती गिरिजा प्रधान, श्रीमती शकुंतला नागर, श्रीमती राधा शर्मा, श्रीमती संतोष भारद्वाज, श्रीमती कौशल्या शर्मा, श्रीमती अमृता शुक्ला, श्रीमती पूजा त्रिवेदी, श्रीमती संजिता जोशी, श्रीमती यशिता दवे, श्रीमती रूक्मणी शर्मा, सहित बड़ी संख्या में सखियों ने भाग लिया।

सीएमओ सुमन ने नगर पालिका के राजस्व अमले की बैठक ली, वसूली बढ़ाने के दिए निर्देश

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य नगर पालिका प्रेम कुमार सुमन ने कल सीएमओ कक्ष में नगर पालिका की राजस्व वसूली बढ़ाने हेतु राजस्व शाखा के सहायक राजस्व निरीक्षको की बैठक ली। बैठक में सीएमओ श्री सुमन ने कहा कि 31 मार्च को वित्तीय वर्ष समाप्त हो रहा है। शासन के निर्देशों के अनुसार लक्ष्य बनाकर कर्मचारीगण अपने-अपने प्रभार के वार्डों में राजस्व वसूली के कार्यो में और तेजी लाये, जो जलकर उपभोक्ता जल कर की राशि जमा नहीं कर रहे उन्हें अपनी राशि जमा कराने के लिए कहे और आवश्यक होने पर नल कनेक्शन विच्छेद की कार्यवाही करें। संपत्तिकर की वसूली के कार्यो में लगे कर्मचारी बड़े बकायादार की सूची बनाये और उन्हें सूचना पत्र जारी करें और कर जमा नहीं करने पर वैधानिक कार्यवाही जोकि नगर पालिका के नियमों के अनुसार की जाती है वह करें। हर हाल में 31 मार्च के पूर्व वसूली बढ़ना चाहिए बैठक में प्रभारी राजस्व अधिकारी मंगेश राव नवले सहित कई कर्मचारी भी उपस्थित थे।

लिपिक वर्गीय कर्मचारियों के लिए नियमित विभागीय लेखा प्रशिक्षण का आयोजन

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। लेखा प्रशिक्षण शाला उज्जैन में एक अप्रेल से 30 जून 2026 तक लेखा प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया जा रहा हैं। इस प्रशिक्षण सत्र में विभिन्?न कार्यालयों में पदस्थ अप्रशिक्षित लिपिकवर्गीय कर्मचारियों के हस्तलिखित आवेदन निर्धारित प्रारूप में संबंधित कार्यालय प्रमुख की अनुशंसा के साथ सीधे प्राचार्य, लेखा प्रशिक्षण शाला, उज्जैन, रघुवंशम भवत इस्कॉन मंदिर के पास भरतपुरी, उज्जैन (म.प्र.) को प्रेषित करने के निर्देश दिए गऐ है। सत्र के प्रत्येक दिन शासकीय कार्य की अवधि अनुसार (प्रातः 10 सांय 6) अध्ययन, अध्यापन कार्य होगा। शासकीय कर्मचारी, जिन्होंने सी.पी.सी.टी. परीक्षा उत्तीर्ण की है अथवा सीधी भर्ती, पदोन्नत पदों में शासन निर्देशानुसार छूट है, वे ही शासकीय सेवक प्रशिक्षण में सम्मिलित होने के पात्र होंगे, कर्मचारी का पासपोर्ट साईज़ का फोटो आवेदन पत्र पर चस्पा कर कार्यालय प्रमुख द्वारा अभिप्रमाणित किया जाकर आवेदन अनुशंसा सहित अग्रेषित किया जाए। लेखा प्रशिक्षण शाला में प्रवेश हेतु शासकीय कर्मचारी की परिवीक्षा अवधि पूर्ण होना अनिवार्य है। परिवीक्षा अवधि पूर्ण होने के आदेश की छायाप्रति आवेदन के साथ संलग्न करना अनिवार्य है।

आदिवासी पट्टे की जमीन पर पेट्रोल पंप ?

नीमच में विधायक के परिवार पर उठे सवाल, शासन से पट्टे पर दी गई थी आदिवासियों को जमीन, विधायक दिलीपसिंह परिवार ने बेटे यशराज और बेटी हर्षना परिहार के नाम से करवाई रजिस्ट्री

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच विधानसभा क्षेत्र से विधायक दिलीपसिंह परिहार के परिवार से जुड़ी भूमि पर स्थापित पेट्रोल पंप को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। आरोप है कि महूङ्कनीमच हाईवे स्थित बायपास क्षेत्र में बना पेट्रोल पंप उस भूमि पर संचालित है,जो मूलतः आदिवासी परिवार को शासन द्वारा पट्टे पर प्रदान की गई थी और अहस्तांतरणीय श्रेणी में दर्ज थी। मामला सामने आने के बाद स्थानीय स्तर पर जांच की मांग तेज हो गई है। हालांकि अभी तक प्रशासन या विधायक परिवार की ओर से कोई आधिकारिक विस्तृत बयान जारी नहीं किया गया है।

नीमच विधायक दिलीपसिंह परिहार के पेट्रोल पम्प की जमीन को लेकर उठे सवाल!

क्या है पूरा मामला- राजस्व अभिलेखों के अनुसार ग्राम बरखेड़ा हाड़ा स्थित कृषि भूमि– सर्वे नं. 181 (रकबा 0.09 हे.) सर्वे नं. 186/1 (रकबा 0.34 हे.) कुल 0.43 हे. भूमि पूर्व में लालूराम भील एवं प्रेमबाई भील के नाम दर्ज थी। बताया जा रहा है कि 21 जनवरी 2021 को उक्त भूमि का नामांतरण विधायक के पुत्र यशराज सिंह एवं पुत्री हर्षना परिहार के नाम दर्ज किया गया।

कानूनी पहलू- क्या कहते हैं प्रावधान?

मध्यप्रदेश में अनुसूचित जनजाति वर्ग को प्रदत्त भूमि के संरक्षण हेतु मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता, 1959 में विशेष प्रावधान किए गए हैं। धारा 165(6) के अंतर्गत अनुसूचित जनजाति की भूमि का गैर-जनजातीय व्यक्ति को हस्तांतरण प्रतिबंधित है,जब तक सक्षम प्राधिकारी से पूर्व अनुमति न ली जाए। कई मामलों में ऐसी भूमि अहस्तांतरणीय के रूप में दर्ज होती है, जिसे बिना कलेक्टर की अनुमति या वैधानिक प्रक्रिया के बेचा या स्थानांतरित नहीं किया जा सकता।

यदि नियमों का उल्लंघन पाया जाता है, तो संबंधित नामांतरण निरस्त कर भूमि मूल धारक को लौटाने तथा दंडात्मक कार्रवाई का प्रावधान भी है। ऐसे में मुख्य प्रश्न यह है कि क्या इस भूमि के हस्तांतरण में सक्षम प्राधिकारी की अनुमति ली गई थी? यदि हाँ, तो किन शर्तों के साथ?

प्रशासन की भूमिका पर नजर- विशेषज्ञों का कहना है कि आदिवासी भूमि के मामलों में राजस्व विभाग की जिम्मेदारी अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। नामांतरण दर्ज करते समय यह देखा जाता है कि भूमि की प्रकृति,श्रेणी और कानूनी स्थिति क्या है। यदि भूमि वास्तव में अहस्तांतरणीय थी, तो नामांतरण की प्रक्रिया किन दस्तावेजों और आदेशों के आधार पर की गई—यह जांच का विषय है।

राजनीतिक सरगर्मी तेज- मामले ने राजनीतिक रंग भी ले लिया है। विपक्षी दलों और सामाजिक संगठनों ने निष्पक्ष जांच की मांग की है। उनका कहना है कि यदि नियमों का उल्लंघन हुआ है, तो जिम्मेदारों पर कार्रवाई होनी चाहिए। दूसरी ओर, विधायक समर्थकों का तर्क है कि भूमि क्रय-विक्रय की प्रक्रिया विधिसम्मत तरीके से हुई है और सभी आवश्यक अनुमतियाँ प्राप्त की गई थीं।

आगे क्या- कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार, यदि शिकायत औपचारिक रूप से दर्ज होती है तो कलेक्टर स्तर पर जांच बैठाई जा सकती है। जांच में राजस्व रिकॉर्ड, अनुमति आदेश, लपंजीयन दस्तावेज और भूमि की मूल श्रेणी की पड़ताल की जाएगी।

फिलहाल मामला तूल पकड़ता जा रहा है। प्रशासन की आधिकारिक जांच या स्पष्टीकरण के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि भूमि हस्तांतरण वैधानिक प्रक्रिया के अनुरूप हुआ या नहीं।

नीमच विधानसभा क्षेत्र के भाजपा समर्थित विधायक दिलीपसिंह परिहार द्वारा महू ङ्क नीमच हाईवे पर नीमच बायपास पर पेट्रोल पंप खोला था, इस पेट्रोल पंप की जमीन को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। जो जमीन आदिवासी को शासन ने पट्टे पर दी थी, जो कि अहस्थानांरित नहीं की जा सकती, लेकिन विधायक ने अपने पॉवर का प्रयोग करके उक्त भूमि की रजिस्ट्री बेटे और बेटी के नाम करवा ली और उस पर पेट्रोल पंप बना लिया।

ऐसे करवाया नामांतरण- ग्राम बरखेडा हाडा स्थित कृषि भूमि सर्वे नं. 181 रकबा 0.09 हे., सर्वे नं. 186/1 रकबा 0.34 हे. कुल रकबा 0.43 है. कृषि भूमि पर विक्रेता 01. लालुराम पिता हजारी भील निवासी बरखेडा हाडा 02. प्रेमबाई पति लालुराम भील निवासी बरखेडा हाडा तहसील नीमच के स्थान पर क्रेता 01. यशराज सिंह पिता दिलीप सिंह परिहार निवासी सरदार मोहल्ला नीमचसिटी तहसील नीमच 02. हर्षना परिहार पिता दिलीप सिंह परिहार निवासी सरदार मोहल्ला नीमचसिटी तहसील नीमच का नामान्तरण 21 जनवरी 2021 को करवाया गया। यह मामला तूल पकड़ता जा रहा है। पेट्रोल पम्प से जुड़ी हुई भूमि में कई खुलासे हो रहे।

बागरी समाज को अजा वर्ग में ही रखने को लेकर प्रदेश अध्यक्ष सिसौदिया मिले जनगणना अधिकारी से, सौंपा पत्र

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। चंद्रवंशी बागरी समाज को अनुसूचित जाति में ही रखने की मांग को लेकर बुधवार को दोपहर तीन बजे बागरी समाज मध्यप्रदेश के अध्यक्ष परशुराम सिसोदिया ने जिला सहायक जनगणना अधिकारी के. एल. रावत को एक आवेदन दिया।आवेदन में लिखा कि आपके द्वारा पत्र क्रमांक 13 /जनगणना/ 2026 जनगणना कार्य निदेशालय म.प्र . जनगणना भवन जेल रोड अरेरा हिल्स भोपाल को एक पत्र जारी किया गया जो मुझे सोशल मीडिया के माध्यम से मिला है, जिसमे कुछ शरारती तत्व अशिक्षा और अज्ञानता के कारण पहले से मध्यप्रदेश शासन के अंतर्गत जाती सूची अनुसार नंबर 2 पर अंकित बागरी जाती अनुसूचित जाति में दर्ज है उसी को पांडव श्री क्षत्रिय चंद्रवंशी ठाकुर के रूप में दर्ज करवाना चाहते है जिसका हम सभी समाज जन विरोध करते है क्यों कि चंद्रवंशी बागरी समाज अत्यंत पिछड़ी समाज होने के साथ ही पूर्व से ही अनुसूचित जाति वर्ग में आती है किंतु कुछ असामाजिक तत्व अशिक्षा और अज्ञानता वश इस जाति को जनगणना कार्य 2026 में सामान्य जाती किये जाने की मांग कर समाज व शासन को भ्रमित करने का प्रयास कर रहे है। चंद्रवंशी बागरी समाज का प्रदेश अध्यक्ष होने के नाते एवं समाजजनो की भावनाओ के अनुरूप समाज को पूर्वरत अनुसूचित जाति वर्ग में ही रखा जाय।

लोकसभा की भारत-मॉरीशस संसदीय मैत्री समूह में सांसद सुधीर गुप्ता बने सदस्य

मंदसौर। सांसद सुधीर गुप्ता को लोकसभा की भारत-मॉरीशस संसदीय मैत्री समूह का सदस्य मनोनीत किया गया है। यह समूह लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के नेतृत्व में गठित किया गया है, पूर्व मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ सांसद जगदंबिका पाल को ग्रुप के अध्यक्ष के रूप में मनोनीत किया गया है । इस मनोनयन को भारत और मॉरीशस के बीच संसदीय सहयोग, सांस्कृतिक संबंधों तथा द्विपक्षीय संवाद को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगे। साथ ही भारत और मॉरीशस के बीच कृषि उद्योग एवं पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए यह काफी महत्वपूर्ण होगा इससे दोनों देशों के राजनीतिक संबंधों में भी मजबूती आएगी ज्ञात रहे की मॉरीशस के विकास में भारतीयों की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका रही है व निश्चित रूप से आगे भी दोनों देशों के सामरिक राजनीतिक और राजनीतिक संबंधों में मजबूती प्रदान होगी।

एक भव्य शिलान्यास, करोड़ों के वादे और 17 महीने बाद बंजर जमीन...

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सरवानिया महाराज के समीप ग्राम आमलीभाट की 40 हेक्टेयर जमीन पर 17 महीने पहले जब 100 करोड़ के इस महात्वाकांक्षी प्रोजेक्ट का भव्य भूमिपूजन हुआ था, तो पूरे अंचल की आंखों में एक चमक थी। आज उस जमीन पर सिर्फ कीचड़, सन्नाटा और सरकारी वादों के कंकाल बिखरे हैं। जनता के इन टूटे हुए सपनों को सबसे बड़ा झटका सरकार के 2026-27 के बजट ने दिया है, जिसमें इस जीवनदायिनी परियोजना के लिए एक रुपया (शून्य आवंटन) भी नहीं दिया गया।

रोजगार की आस में बैठे युवाओं के साथ धोखा- इस प्रोजेक्ट से केवल एक इमारत नहीं बननी थी, बल्कि 8 उच्च-स्तरीय प्रयोगशालाओं के जरिए हजारों युवाओं के लिए रोजगार के दरवाजे खुलने थे। विज्ञान की पढ़ाई करने वाले जिन युवाओं ने लैब असिस्टेंट और क्लर्क जैसी नौकरियों के लिए इंदौर-पुणे जाने का विचार छोड़ दिया था, आज वे ठगे सा महसूस कर रहे हैं।

विज्ञान स्नातक कन्हैया पाटीदार का दर्द पूरे अंचल के युवाओं की आवाज है, बजट में एक रुपया न मिलने की खबर ने हमारी सारी उम्मीदें तोड़ दी हैं। हमारे लिए अब अपने घर, अपने गांव से पलायन के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा है।

किसानों की मेहनत पर फिर फिरा पानी- जावद क्षेत्र अपनी 79 प्रकार की औषधीय फसलों (अश्वगंधा, तुलसी आदि) के लिए जाना जाता है। पार्क में बनने वाली हर्बल फॉर्म्यूलेशन लैब से किसानों को सीधा अंतरराष्ट्रीय बाजार मिलने की उम्मीद थी। आमलीभाट के किसान मुकेश नायक रुंधे गले से कहते हैं, हमें लगा था हमारी फसलें यहीं बिकेंगी और हमें बड़ा बाजार मिलेगा। लेकिन वहां एक ईंट तक नहीं रखी गई।

राजनीतिक उपेक्षा की भेंट चढ़ा विकास- आखिर जनता के इस प्रोजेक्ट को लावारिस क्यों छोड़ दिया गया?

यह सवाल आज हर जावद वासी पूछ रहा है। चर्चा है कि पूर्व एमएसएमई मंत्री ओमप्रकाश सखलेचा के प्रयासों से यह पार्क यहां आया था, लेकिन उनके मंत्री पद से हटते ही यह प्रोजेक्ट भी अनाथ हो गया। भले ही नेता आज भी फाइलें कैबिनेट में होने के खोखले दावे कर रहे हों, लेकिन नए बजट के शून्य ने सारी पोल खोल दी है।

क्या सरकार और प्रशासन के लिए आम जनता की उम्मीदों, युवाओं के भविष्य और किसानों के पसीने की कोई कीमत नहीं है?

यह वह बंजर मैदान है, जो रोज चीख-चीख कर जावद के उस गौरवशाली अवसर के छिन जाने की गवाही दे रहा है, जो उसे लखनऊ और बेंगलुरु जैसे महानगरों की कतार में खड़ा कर सकता था।

इनका कहना - केंद्र से इस योजना बाबत पैसा राज्य सरकार को आ चुका है शीघ्र ही इस प्रोजेक्ट पर काम शुरू हो जाएगा प्रदेश सरकार इस प्रोजेक्ट को लेकर गंभीर है।

-ओमप्रकाश सकलेचा
पूर्व मंत्री एवं विधायक जावद

जब एक छोटे से कस्बे ने विकास की एक बड़ी छलांग लगाने का सपना देखा, तो लगा था कि अब हमारे बच्चों को रोजगार के लिए अपनों से दूर नहीं जाना पड़ेगा। लगा था कि खेतों में पसीना बहाने वाले किसानों की मेहनत को अंततः उसका सही मोल यही मिलेगा।

-राजू नागदा, मोड़ी

मध्य प्रदेश के पहले अत्याधुनिक बायोटेक्नोलॉजी पार्क के नाम पर जावद की जनता के साथ जो हुआ, वह सिर्फ एक प्रोजेक्ट का रुकना नहीं, बल्कि हजारों परिवारों के भविष्य पर किया गया एक क्रूर कुठाराघात है।

-प्रताप सिंह चुंडावत पालराखेड़ा

कार्यालय नगर पालिका परिषद शाजापुर (म.प्र.)

क्रमांक/निर्माण शाखा/2026/597 | शाजापुर दिनांक 25.02.2026

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केंद्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदार से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है. निविदा का विस्तृत वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है.

क्र.	टेंडर क्र. एवं जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य अमानत राशि (रुपये में)	निविदा की अंतिम तिथि
1	2026_UAD_484459_1 25.02.2026	निकाय स्वामित्व के गांधी हॉल में शौचालयों का मरम्मत कार्य	01. 90 दिन 02. 6.64 (लाख)	01. 2,000.00 02. 6,645.00	11.03.2026 05.30 PM
2	2026_UAD_484997_1 25.02.2026	सी.एम. राईज स्कूल में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ प्रतिमा लगाने बाबत	01. 30 दिन 02. 1.50 (लाख) जी.एस.टी. सहित	01. 1,000.00 02. 1,500.00	11.03.2026 05.30 PM

प्रेम जैन
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद शाजापुर

पं. संतोष जोशी
उपाध्यक्ष
नगर पालिका परिषद शाजापुर

कौशल बंटी कसेरा
सभापति
लोक निर्माण, उद्यान, विद्युत एवं यांत्रिकी विभाग
नगर पालिका परिषद शाजापुर

भूपेंद्र कुमार दीक्षित
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद शाजापुर

नोट : निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर ही किया जावेगा. पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जावेगा.

सम्पादकीय

शिक्षा को हिंसक नहीं, संवेदनशील बनाना होगा

देश में इन दिनों बोर्ड परीक्षाएं चल रही हैं और सामान्य परीक्षाएं भी शुरू होने वाली हैं। हर साल की तरह इस बार भी परीक्षा का मौसम केवल प्रश्नपत्रों और परिणामों का नहीं, बल्कि मानसिक दबाव, चिंता और असुरक्षा का मौसम बनता जा रहा है। छात्रों के चेहरों पर भविष्य की चिंता साफ पढ़ी जा सकती है। यह चिंता केवल अच्छे अंक लाने की नहीं, बल्कि अपेक्षाओं के बोझ को ढोने की है। दुर्भाग्य यह है कि यह दबाव कई बार इतना असहनीय हो जाता है कि वह आत्मघाती या हिंसक रूप ले लेता है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े एक भयावह सच उजागर करते हैं। वर्ष 2013 से 2023 के बीच छात्रों की आत्महत्या की दर में लगभग 65 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। यह केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि हजारों परिवारों के टूटने की कहानी है। इन आत्महत्याओं के पीछे पढ़ाई का दबाव, पारिवारिक अपेक्षाएं, सामाजिक तुलना और आर्थिक तनाव प्रमुख कारण बताए जाते हैं। लेकिन हाल में लखनऊ में जो घटना सामने आई, उसने इस संकट को एक और खतरनाक दिशा में मोड़ दिया है।

लखनऊ की घटना केवल परीक्षा दबाव की कहानी नहीं है, बल्कि परिवारों में बढ़ती संवेदनहीनता, संवादहीनता और मानसिक स्वास्थ्य की उपेक्षा का दर्पण है। पुलिस जांच के अनुसार एक पैथोलॉजी लैब संचालक पिता अपने बेटे को डॉक्टर बनाना चाहते थे और उस पर नीट जैसी परीक्षा पास करने का लगातार दबाव बना रहे थे। घटना वाले दिन भी दोनों के बीच बहस हुई और 21 वर्षीय युवक ने पिता की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद उसने अपराध छिपाने के लिए शव के टुकड़े किए, कुछ बाहर फेंके, कुछ घर में छिपाए, छोटी बहन को धमकाया और पुलिस को गुमराह करने के लिए पहले लापता होने और फिर आत्महत्या की कहानी गढ़ी। यह सब बताता है कि यह क्षणिक आवेश नहीं था, बल्कि भीतर लंबे समय से पल रही कुंठा, आक्रोश और मानसिक विघटन का परिणाम था। प्रश्न यह है कि एक बेटे के भीतर इतनी नफरत कैसे पनप सकती है? क्या 'कुछ बनने' का दबाव इतना भारी हो सकता है कि वह रिश्तों को भी तार-तार कर दे? हर माता-पिता चाहते हैं कि उनकी संतान सफल हो, प्रतिष्ठित करियर बनाए, समाज में सम्मान पाए। लेकिन जब यह चाहत संवाद और सहयोग की जगह नियंत्रण और दबाव का रूप ले लेती है, तब वह प्रेरणा नहीं, मानसिक उत्पीड़न बन जाती है। जब शिक्षा जीवन-निर्माण का माध्यम न होकर, विनाश का कारण बन जाती है।

भारत में नीट और जी जैसी प्रतियोगी परीक्षाएं लाखों युवाओं के लिए उम्मीद का प्रतीक हैं। नीट में पिछले वर्ष 23 लाख से अधिक छात्रों ने पंजीकरण कराया, जबकि ज्वाइंट एन्टरेंस एक्जामिनेशन (जेईई) के एक सत्र में 13 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने आवेदन किया। इन लाखों विद्यार्थियों में से केवल कुछ हजार ही शीर्ष संस्थानों तक पहुंच पाते हैं। शेष विद्यार्थियों के हिस्से अक्सर निराशा, आत्मग्लानि और सामाजिक तुलना का दंश आता है। जब सफलता का पैमाना केवल रैंक और अंक बन जाए, तो असफलता जीवन का अंत प्रतीत होने लगती है। कोटा जैसे कोचिंग केंद्रों में हर वर्ष आत्महत्या की खबरें सामने आती हैं। कोटा देश की कोचिंग राजधानी कही जाती है, जहां हजारों छात्र सपने लेकर पहुंचते हैं। लेकिन उन्हीं सपनों का बोझ कई बार उनके जीवन से भारी पड़ जाता है। यह केवल व्यक्तिगत कमजोरी का मामला नहीं है, बल्कि एक ऐसी शिक्षा प्रणाली का परिणाम है जिसमें प्रतियोगिता सहयोग से अधिक महत्त्वपूर्ण हो गई है।

लखनऊ की घटना में एक और तथ्य उल्लेखनीय है-आरोपी छात्र की मां का निधन हो चुका था। घर में चाचा-चाची मौजूद थे, लेकिन क्या उस युवक की मनःस्थिति को समझने का प्रयास किया गया? क्या उसके भीतर के तनाव, अकेलेपन और भय को किसी ने सुना? यदि परिवार में नियमित संवाद होता, यदि मानसिक स्वास्थ्य को उतनी ही गंभीरता से लिया जाता जितनी अंकों को, तो शायद यह भयावह वारदात टाली जा सकती थी। आज समस्या केवल आत्महत्या तक सीमित नहीं है। बच्चे हिंसक भी हो रहे हैं। यह हिंसा बाहरी नहीं, भीतर से उपज रही है-कुंठा, अपमानबोध, तुलना और असफलता के भय से। जब बच्चे को यह महसूस होने लगे कि वह केवल एक 'प्रोजेक्ट' है, एक 'इन्वेस्टमेंट' है, जिसे किसी निश्चित पेशे में ढालना है, तब उसकी स्वतंत्र पहचान कुचल जाती है। वह या तो भीतर ही भीतर टूट जाता है या विस्फोट कर देता है।

शिक्षा का उद्देश्य जीवनदायिनी होना चाहिए-विवेक, संवेदना और आत्मविश्वास का विकास करना चाहिए। लेकिन जब शिक्षा केवल प्रतिस्पर्धा और रैंकिंग का माध्यम बन जाए, तो वह तनाव और हिंसा को जन्म देती है। हमें यह स्वीकार करना होगा कि हर बच्चा डॉक्टर या इंजीनियर नहीं बन सकता, और न ही बनना चाहिए। विविध प्रतिभाओं को सम्मान देने वाली सामाजिक मानसिकता विकसित किए बिना यह संकट कम नहीं होगा। इस संदर्भ में तीन स्तरों पर गंभीर चिंतन की आवश्यकता है। पहला, परिवार। माता-पिता को यह समझना होगा कि अपेक्षा और दबाव में अंतर है। अपेक्षा प्रेरणा देती है, दबाव भय पैदा करता है। बच्चों के साथ खुला संवाद, उनकी रुचियों को समझना, असफलता को स्वीकार्य बनाना और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना अत्यंत आवश्यक है। 'तुम्हें डॉक्टर बनना ही है' की जगह 'तुम जो बनना चाहो, हम साथ हैं' जैसी सोच विकसित करनी होगी। दूसरा, शिक्षा संस्थान। स्कूल और कोचिंग संस्थानों को केवल परिणाम देने वाली मशीन नहीं, बल्कि संवेदनशील संस्थान बनना होगा। नियमित काउंसलिंग, तनाव प्रबंधन कार्यशालाएं और परीक्षा को जीवन-मरण का प्रश्न न बनाने की संस्कृति विकसित करनी होगी।

सहज योग ध्यान से हम स्वयं के बंधन से भी मुक्त होते हैं

स्वंय के बंधन से मुक्त होने का अर्थ है अपनी आत्मा को हर बोझ से मुक्त करके आत्म स्वछंदता प्राप्त करना। आत्म स्वछंदता का अर्थ यह बिलकुल नहीं है कि हम अपनी जिम्मेदारियों से विमुख होकर जीवन बिताने की कल्पना करें। आत्मा पर हमारे नकारात्मक विचार (क्रोध, जलन, अभिमान आदि), गलत आदतें (आलस्य, चिड़चिड़ापन आदि) और कर्म बंधन का गहरा असर रहता है। कर्म करते समय भी हममें कर्ता भाव ना हो तो हम उस कार्य को भी बहुत आनंद के साथ करेंगे और आनंदित होकर कार्य करते ही आत्मा शांत, स्थिर हो जाती है। यही भाव स्वयं से मुक्त होने का भाव है। जीवन में शांति रहे इसके लिए इस भाव को समझने का प्रयास करना एक सही कदम होगा। अपने नकारात्मक विचारों को पहचानना और उन्हें सकारात्मक सोच से बदलना यदि आसान नहीं है तो असंभव भी नहीं है। परंतु आत्म संतुलन के लिए हमें स्वयं को पहचानना होगा तभी हम अवगुणों को स्वयं से दूर कर पायेंगे।अपने आंतरिक स्थिति को समझने के लिए हमें ध्यान? में गहनता पाने की आवश्यकता है , जो स्वयं की समस्याओं का हल खोजने में मदद करती है। हमारी अशुद्ध इच्छायें और अंहकार भाव ही हमारे आत्मोत्थान में सबसे बड़ी बाधा है। सहज योग में आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करते ही साधक की सुप्त कुंडलिनी ऊर्जा शक्ति जागृत होती है और सात चक्रों और तीन नाड़ियों को प्रकाशित कर देती है। चक्रों और नाड़ियों पर नियमित ध्यान केंद्रित करने से चक्रों के गुण हमारे अंदर स्थापित होते हैं और साधक को मानसिक शांति, भावनात्मक संतुलन और शारीरिक स्वास्थ्य प्रदान करते हैं। यह अभ्यास तनाव, चिंता को कम करता है, एकाग्रता बढ़ाता है, आत्म-जागरूकता में सुधार करता है और आत्म-सुधार के साथ करुणा एवं रचनात्मकता जैसे गुणों को विकसित करता है और हम एक आश्वस्त जीवन जीने लगते हैं।

भर्ती प्रक्रिया या राजस्व का साधन? युवाओं का बड़ा सवाल

उम्मीदों के आसमान तले खड़ा भारत आज एक कड़वी हकीकत से जूझ रहा है–युवा शक्ति होने के बावजूद युवा ही सबसे अधिक असुरक्षित और आक्रोशित है। आंखों में सपने, हाथों में डिग्रियां और मन में अटूट विश्वास लिए करोड़ों अभ्यर्थी सरकारी नौकरी को अपने भविष्य की अंतिम सीढ़ी मानते हैं। परंतु जब बेरोज़गारी भयावह रूप ले चुकी हो, तब यह सपना संघर्ष में बदल जाता है। ऐसे निर्णायक समय में आम आदमी पार्टी के नेता, राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने भर्ती व्यवस्था की उस अनदेखी सच्चाई पर प्रहार किया है, जिस पर अब तक चुप्पी साधी गई थी। उनका सीधा प्रश्न है–जब एक पद के लिए लाखों आवेदन लेकर भारी परीक्षा शुल्क वसूला जाता है, तो असफल अभ्यर्थियों की फीस वापस क्यों नहीं की जाती? यह मुद्दा अब केवल पैसों का नहीं, बल्कि नैतिक जिम्मेदारी और संवेदनशील शासन का प्रश्न बन गया है।

यह प्रश्न किसी एक दिन की उपज नहीं, बल्कि वर्षों से भीतर ही भीतर धधक रहे युवाओं के आक्रोश की गूंज है। राघव चड्ढा ने उसी दबे दर्द को शब्द दिए हैं। आज देश में स्थिति ऐसी हो गई है कि कई सरकारी भर्तियों में कुछ ही पदों के लिए दस लाख से अधिक आवेदन आना भी सामान्य बात बन चुकी है। हर आवेदन के साथ 500 से 1500 रुपये तक शुल्क लिया जाता है, और जब इन आंकड़ों को जोड़ा जाता है तो एक भर्ती से सरकार को सैकड़ों करोड़ रुपये प्राप्त होते हैं, जबकि चयनित अभ्यर्थियों की संख्या नगण्य रहती है। बाकी लाखों युवा असफलता का भार लेकर लौटते हैं। वे केवल परीक्षा नहीं हारते, बल्कि अपना समय, धन और आत्मविश्वास भी गंवा बैठते हैं। ऐसे में यह संदेह स्वाभाविक है कि कहीं यह व्यवस्था युवाओं की विवशता को राजस्व के स्रोत में तो नहीं बदल रही।

परीक्षा शुल्क का उद्देश्य आयोजन की लागत–प्रश्नपत्र निर्माण, केंद्र प्रबंधन, पर्यवेक्षक मानदेय और मूल्यांकन–को पूरा करना होना चाहिए। परंतु वास्तविकता में एकत्रित राशि अक्सर इन खर्चों से कहीं अधिक होती है। कई बार परीक्षाएं रद्द होती हैं, पेपर लीक होते हैं या परिणामों में अनावश्यक देरी होती है, फिर भी अभ्यर्थियों को कोई राहत नहीं मिलती। मध्यम और निम्न वर्ग के छात्र परिवार की सीमित आय से यह शुल्क चुकाते हैं, जबकि कोचिंग, पुस्तकें, आवास और यात्रा का अतिरिक्त बोझ अलग होता है। जब अंततः परिणाम निराशा देता है, तो यह केवल एक व्यक्ति की हार नहीं, बल्कि पूरे परिवार की आर्थिक पीड़ा बन जाती है।

जब रोजगार के अवसर सीमित हों, तब संवेदनशील शासन की पहचान उसकी नीतियों से होती है। राघव चड्ढा का स्पष्ट मत है कि यदि सरकार पर्याप्त नौकरियां उपलब्ध नहीं करा पा रही, तो कम से कम परीक्षा शुल्क को न्यूनतम रखा जाए या असफल अभ्यर्थियों को आंशिक रिफंड दिया जाए। उनका तर्क है कि प्रतियोगी परीक्षा सफलता की गारंटी नहीं देती, इसलिए शुल्क को रोजगार का प्रवेश-पत्र मानकर वसूलना न्यायसंगत नहीं ठहराया जा सकता। यह विचार सीधे युवाओं की भावनाओं को अभिव्यक्ति देता है। आज लाखों अभ्यर्थी वर्षों तक तैयारी करते हैं, कई बार आयु सीमा भी पार कर जाते हैं और अंततः निराश होकर निजी या अस्थायी कार्य की ओर मुड़ते हैं। उनके लिए परीक्षा शुल्क महज रकम नहीं, बल्कि भविष्य में किया गया निवेश होता है।

निस्संदेह, रिफंड व्यवस्था लागू करना सरल नहीं होगा। प्रशासनिक जटिलताएं, तकनीकी प्रबंधन और बजटीय प्रभाव जैसी चुनौतियां सामने आ सकती हैं। फिर भी समाधान संभव हैं। शुल्क को प्रतीकात्मक बनाया जा सकता है, एक पंजीकरण से कई परीक्षाओं में भागीदारी की सुविधा दी जा सकती है, या परीक्षा रद्द होने पर स्वतः रिफंड अनिवार्य किया जा सकता है। डिजिटल भुगतान और सत्यापन प्रणालियों के इस दौर में पारदर्शिता सुनिश्चित करना असंभव नहीं है। आवश्यकता केवल स्पष्ट नीति और ठोस इच्छाशक्ति की है, ताकि व्यवस्था अधिक न्यायपूर्ण बन सके।

यह प्रश्न केवल धनराशि का नहीं, बल्कि युवाओं के मनोबल और सामाजिक संतुलन का भी है। वर्षों की तैयारी, परिवार की उम्मीदें और समाज की अपेक्षाएं मिलकर अभ्यर्थियों पर गहरा मानसिक दबाव बनाती हैं। असफलता के बाद अनेक युवा निराशा और अवसाद से जूझते हैं, कुछ चरम कदम भी उठा लेते हैं। जब व्यवस्था उन्हें केवल आंकड़ों में बदल देती है, तो स्वाभाविक रूप से भीतर असंतोष जन्म लेता है। ऐसे समय में यदि सरकार संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाए और शुल्क नीति में सुधार करे, तो यह भरोसा पुनर्स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा। इससे युवाओं को महसूस होगा कि उनकी मेहनत और संघर्ष को समझा जा रहा है।

राघव चड्ढा द्वारा उठाया गया यह प्रश्न दलगत राजनीति से आगे बढ़कर सामाजिक चेतावनी का रूप ले चुका है। यह व्यवस्था को संकेत देता है कि केवल घोषणाएं पर्याप्त नहीं, बल्कि ठोस और व्यावहारिक सुधार आवश्यक हैं। भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता, समयबद्धता और पर्याप्त पद सृजन अनिवार्य हैं। यदि सरकार युवाओं से शुल्क लेती है, तो उसे यह भी सुनिश्चित करना होगा कि पूरी प्रक्रिया निष्पक्ष और प्रभावी हो। अन्यथा यही शुल्क अनजाने में अप्रत्यक्ष कर जैसा प्रतीत होने लगता है, जिसका भार उसी संघर्षरत वर्ग पर पड़ता है जो पहले से ही सीमित संसाधनों में भविष्य गढ़ने का प्रयास कर रहा है।

आज आवश्यकता है कि नीति-निर्माता इस उठती आवाज को केवल सुनें ही नहीं, उस पर ठोस निर्णय भी लें। बेरोज़गारी के इस दौर में युवाओं पर आर्थिक बोझ डालना अत्यंत संवेदनशील विषय है। यदि नौकरियां सीमित हैं, तो कम से कम अवसर की लागत अवश्य घटाई जानी चाहिए। परीक्षा शुल्क में सुधार, आंशिक रिफंड या नाममात्र शुल्क जैसी पहलें न केवल आर्थिक राहत देंगी, बल्कि व्यवस्था पर विश्वास भी मजबूत करेंगी। अंततः किसी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसके युवा होते हैं। यदि उनके सपनों पर अनावश्यक आर्थिक दबाव डाला जाएगा, तो विकास की गति प्रभावित होगी। इसलिए आवश्यक है कि भर्ती प्रणाली अधिक न्यायपूर्ण, पारदर्शी और मानवीय बने–ताकि हर युवा महसूस कर सके कि व्यवस्था उसके साथ है, उसके खिलाफ नहीं।

-प्रो. आरके जैन

आत्मनिर्भरता राष्ट्र का स्वाभिमान

पराधीन सपने हूं सुख नाही यह लोकोक्ति हर स्वाभिमानी आदमी और स्वतंत्रता प्रेमी व्यक्ति को याद रहती है। स्वावलंबन या आत्मनिर्भरता ही मनुष्य को स्वाधीन बनाने की प्रेरणा देती है। आत्मनिर्भरता की स्थिति में व्यक्ति अपनी इच्छाओं को अपनी सुविधा अनुसार पूरा कर सकता है, इसके लिए दूसरों की तरफ मुंह ताकने की जरूरत नहीं पड़ती है। आत्मनिर्भरता केवल मनुष्य के लिए व्यक्तिगत रूप से ही जरूरी नहीं है, बल्कि राष्ट्र के लिए भी अति आवश्यक है ।एक स्वतंत्र राष्ट्र अपनी जनता को अपनी क्षमता के अनुसार सारी सुविधाएं तथा अन्य जीवन उपयोगी साधन उपलब्ध करा सकता है। भारत स्वतंत्रता के बाद हरित क्रांति सातवें दशक के प्रारंभ के बाद ही खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर बन सका, इसके साथ ही भारत में खुशहाली की स्वाभाविक तौर पर वृद्धि हुई, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भी कहा था कि एक राष्ट्र की शक्ति उसकी आत्मनिर्भरता में है दूसरों से उधार लेकर काम चलाने में नहीं,पाकिस्तान की स्थिति बिल्कुल ऐसी ही है वह अभी तक स्वतंत्रता के बाद से 75 वर्ष के बाद भी संपूर्ण रूप से आत्मनिर्भर नहीं हो पाया है, वह कर्जे से डूब गया है और अपने देश में खर्चा चलाने के लिए पूरी दुनिया से उधार मांगते हुए घूम रहा है। पाकिस्तान आत्मनिर्भर नहीं होने का एवं उधार की जिंदगी जीने का एक बहुत बड़ा उदाहरण है। जबकि भारत देश विज्ञान, टेक्नोलॉजी, मेडिकल साइंस,इंजीनियरिंग और कृषि सेवा, खनिज,स्पेस रिसर्च में पूर्णता आत्मनिर्भर होकर विकसित देशों के बराबर खड़ा हुआ है। यह देशवासियों और देश के लिए अत्यंत गौरव का विषय है। आत्मनिर्भरता या स्वावलंबन किसी भी देश की प्रगति विकास तथा और उसके नागरिकों की जिंदगी की जिजीविषा है जिससे वह संघर्ष कर आगे बढ़ता है। इतिहास गवाह है कि किसी भी महान लेखक को महान बनने तक निरंतर मेहनत कर किताबें लिखने का का श्रम करना पड़ा एवं आत्मनिर्भरता की स्थिति में विचार कर अपने विचारों को लिपिबद्ध करना पड़ा तब जाकर वह महानता की श्रेणी को प्राप्त कर सका। इसी तरह कोई छात्र अपने जीवन में सफलता प्राप्त करना चाहता है तो उसे स्वयं परीक्षा में शामिल होना पड़ेगा एवं परीक्षा में मनोवांछित सफलता प्राप्त कर उसे स्वयं अध्ययन करना होगा। इसी प्रकार जीवन के हर क्षेत्र में भी मनुष्य को आत्मनिर्भर होकर मेहनत कर दीक्षित सफलता प्राप्त करनी पड़ेगी।

हमारा देश भारत भी आजादी के बाद से आत्मनिर्भरता की ओर अग्रेषित हुआ आज स्थिति यह है कि वह विश्व में विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में आ खड़ा हुआ है। तमाम महापुरुषों के जीवन से भी हमें आत्मनिर्भरता तथा स्वावलंबन की शिक्षा मिलती रहती है।महात्मा गांधी अपना कार्य स्वयं किया करते थे। गोस्वामी तुलसीदास जी ने भी दैव दैव आलसी पुकारा है, तब जाकर उनकी जिंदगी पटरी पर आई और हमें परिश्रम कर आत्म निर्भर होने की शिक्षा प्रदान की थी। दूसरों पर निर्भरता हमें दूसरों का अनुसरण करने के लिए मजबूर करती है।

-संजीव ठाकुर

एआई को समावेशी बनाता भारत, नवाचार के साथ जवाबदेही सुनिश्चित करना चुनौती

नई दिल्ली में आयोजित इंडिया एआई इंपैक्ट समिट मात्र एक शिखर सम्मेलन न होकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई पर वैश्विक विमर्श को दिशा देने वाला अहम पड़ाव बना। यह सम्मेलन एआई के मोर्चे पर आकार ले रहे भौगोलिक, राजनीतिक एवं मनोवैज्ञानिक परिवर्तनों को प्रदर्शित करने के मंच के रूप में भी उभरा।

हाल के दौर में एआई सम्मेलनों के केंद्र में सुरक्षा, अस्तित्व संबंधी जोखिम और नियमन की चिंता जैसे मुद्दे ही छाए रहे। ब्रिटेन में आयोजित ऐसे पहले प्रमुख सम्मेलन को जहां एआई सुरक्षा समिट का नाम दिया गया तो नई दिल्ली में इसके नामकरण में प्रभाव शब्द का समावेश हुआ। यह भी भारत की बड़ी उपलब्धि रही, क्योंकि प्रभाव का अर्थ बहुत व्यापक है। यानी यह तकनीक कैसे अपनी उपयोगिता से प्रभावित कर सकती है और इस तक सबकी समावेशी पहुंच कैसे सुनिश्चित हो।

कई दिग्गज संस्थाओं के सर्वेक्षणों में यह सामने आया है कि भारत और चीन जैसे देशों में एआई के प्रति 88 प्रतिशत तक की सकारात्मक भावना है। इसके उलट पश्चिमी यूरोप और अमेरिका के कुछ हिस्सों में इसे लेकर सतर्कता एवं संदेह का भाव दिखता है। विकसित अर्थव्यवस्थाओं में एआई ने कुछ स्थापित पारंपरिक पेशों के लिए खतरे की घंटी बजाई है तो उभरती अर्थव्यवस्थाओं में इसे अवसर के रूप में देखा जा रहा है।

इस संबंध में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यथार्थ ही कहा है कि कुछ पक्ष एआई में डर देखते हैं तो भारत इसमें अपना भविष्य देखता है। एआई से जुड़ी भारत की उम्मीदें उसके अनुभवों से ही उपजी हैं। जैसे आधार और यूपीआइ जैसे डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर ने भुगतान, पहचान सत्यापन और कल्याणकारी योजनाओं के वितरण में तमाम बाधाओं को दूर करते हुए दैनिक जीवन को बहुत सुगम बनाया है।

यह इसका जीवंत प्रमाण है कि कोई तकनीक कैसे लागत को घटाकर सक्षमता को बढ़ा सकती है। स्वाभाविक है कि भारत अपनी इस सफलता को अगले स्तर पर ले जाना चाहता है। इसी क्रम में उसने एआई समिट में स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा और शासन में समावेशन को बढ़ाने के लिए डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर की एआई के साथ जुगलबंदी का खाका पेश किया।

पिछले एआई सम्मेलनों में विमर्श का केंद्रबिंदु सुरक्षा संबंधी प्राथमिकताएं रहीं, जबकि नई दिल्ली घोषणापत्र मजबूत डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर, सस्ती कनेक्टिविटी और कार्यबल प्रशिक्षण पर जोर देता है। इसमें यह स्वीकार्यता प्रदान की गई है कि सार्थक एआई भागीदारी के लिए कंप्यूटिंग शक्ति, इंटरनेट पहुंच और कुशल लोगों की आवश्यकता होती है।

यह उचित स्थानों पर ओपन-सोर्स एआई का समर्थन भी करता है। इसके पीछे यही सोच रहा कि कई देश अपने तंत्र को शून्य से खड़ा करने की स्थिति में नहीं तो उनके लिए कुछ गुंजाइश तो मिलनी ही चाहिए। निःसंदेह एआई से जुड़े अपने जोखिम भी हैं, पर भारत ने अपने दृष्टिकोण में उसकी व्यावहारिक पहुंच पर ध्यान केंद्रित किया है। सहभागिता एवं स्वीकार्यता की दृष्टि से भी सम्मेलन सफल रहा। विभाजित भू-राजनीतिक माहौल में भी नई दिल्ली घोषणापत्र पर 80 से अधिक देशों एवं वैश्विक संगठनों के हस्ताक्षर इसकी सफलता को रेखांकित करते हैं। यह सही है कि जिन घोषणाओं पर सहमति बनी, वे बाध्यकारी नहीं हैं, किंतु याद रहे कि किसी भी व्यवस्था के आकार लेने में उस पर सहमति बनना आवश्यक होता है। उसके बाद ही कानूनी ढांचा आकार लेता है। आर्थिक पहलुओं पर भी प्रगति देखने को मिली है। इसमें 400 अरब डालर से अधिक की निवेश प्रतिबद्धताएं व्यक्त की गई हैं। इनमें 250 अरब डॉलर का निवेश बुनियादी ढांचा संबंधी आवश्यकताओं तो 150 अरब डॉलर गहन तकनीकी पूंजी से जुड़ा होगा। एआई कंप्यूटिंग क्षमता, डाटा केंद्रों, सेमीकंडक्टर्स और पावर सिस्टम की आवश्यकता किसी से छिपी नहीं है। इस क्रम में भारत ने इस वर्ष के अंत तक एक लाख जीपीयू (ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट) की दिशा में कदम बढ़ाकर विस्तारित इंडिया एआई मिशन के तहत योजनाओं की घोषणा करके अपनी गंभीरता का संकेत दिया। कंप्यूटिंग के दम पर ही एआई का अपना इकोसिस्टम विकसित हो सकता है। अन्यथा सभी बातें सैद्धांतिक बनकर रह जाती हैं। एक और महत्वपूर्ण योगदान मानव(एमएएनएवी) का उल्लेख रहा। इसका अर्थ है नैतिक प्रणाली, उत्तरदायी शासन, राष्ट्रीय संप्रभुता, सुलभ एआई और वैध प्रणाली। यह मानव-केंद्रित दृष्टिकोण आशावाद और उत्तरदायित्व के बीच संतुलन स्थापित करने का प्रयास करता है। यह इस पर बल देता है कि एआई प्रणालियां विधिसम्मत, लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप एवं व्याख्या की दृष्टि से सरल होनी चाहिए। सम्मेलन ने कुछ स्वैच्छिक रूपरेखाएं भी निर्धारित की गई हैं। जैसे एआई के लोकतांत्रिक प्रसार के लिए एक चार्टर, सफल प्रयोगों को अपनाने के लिए विश्वसनीय तौर-तरीके एवं मानक। ऐसी पहल उन संस्थागत ढांचे की नींव रखती है जो समय के साथ और परिपक्व हो सकता है। ध्यान रखना होगा कि जो देश इसके मानदंडों को आकार देंगे, वही लाभ और जोखिमों को भी तय करेंगे।

-धनंजय राजौरा

अवैध कब्जे का निस्तारण, हल्द्वानी मामले में सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी

लंबे समय से विवाद और तनाव के केंद्र में रहे उत्तराखंड के हल्द्वानी में बनभूलपुरा क्षेत्र में रेलवे और साथ ही राज्य सरकार की जमीन पर अवैध तरीके से बसे लोगों को सुप्रीम कोर्ट ने वहां से हटाने का फैसला करके वही किया, जो न्यायसंगत था। यदि यह मांग मान ली जाती कि अतिक्रमण करके बसे लोगों को वहीं रहने दिया जाए तो इससे न केवल करीब 30 हेक्टेयर जमीन पर अवैध कब्जा वैध हो जाता, बल्कि रेलवे के विस्तार की महत्वाकांक्षी परियोजना पर ग्रहण भी लगता। सुप्रीम कोर्ट ने यह सही कहा कि अवैध तरीके से बसे लोग यह तय नहीं कर सकते कि रेलवे रेल लाइन विस्तार के लिए अन्य विकल्प चुने, लेकिन इसी के साथ उसने इस जमीन से बेदखल होने वालों के प्रति जो मानवीय दृष्टिकोण अपनाया, उसकी भी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि लगभग पांच हजार परिवारों के जो हजारों लोग रेलवे और उसके पास की राज्य सरकार की जमीनों पर रह रहे हैं, उनमें से पात्र लोगों को पीएम आवास योजना के तहत आवास दिए जाएं। इस फैसले पर केंद्र सरकार की ओर से अतिरिक्त सालिसिटर जनरल ने पात्र परिवारों को विस्थापन के बाद छह महीने तक प्रति माह 2,000 रुपये भत्ता देने का भी वादा किया। पहली नजर में यह लग सकता है कि एक तरह से सरकारी जमीन पर कब्जा करने वालों को पुरस्कृत किया जा रहा है।

-डॉ. सुधाकर आशावादी

जब 300- 400 रुपये में अनलिमिटेड कॉल और डेटा संभव, तो जनप्रतिनिधियों के लिए इतना बड़ा भत्ता क्यों?

लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनप्रतिनिधियों को मिलने वाली सुविधाएं हमेशा चर्चा और बहस का विषय रही हैं। वेतन और भत्तों का मूल उद्देश्य यह माना जाता है कि निर्वाचित प्रतिनिधि आर्थिक चिंता से मुक्त होकर जनता की सेवा कर सकें। लेकिन जब इन सुविधाओं का आकार बढ़ता है और उनके उपयोग में पारदर्शिता कम दिखाई देती है, तो स्वाभाविक रूप से सवाल उठते हैं। हाल ही में बिहार विधानसभा द्वारा विधायकों और विधान पार्षदों के लिए मासिक टेलीफोन भत्ता बढ़ाकर 8300 रुपये करने का निर्णय सामने आया है। इस फैसले की सबसे खास बात यह है कि यह राशि बिना किसी बिल या वाउचर के दी जाएगी। यानी खर्च का प्रमाण देना अनिवार्य नहीं होगा। यही कारण है कि यह विषय अचानक सार्वजनिक चर्चा का केंद्र बन गया है।

आज का भारत डिजिटल क्रांति के दौर से गुजर रहा है। मोबाइल फोन और इंटरनेट ने संचार के स्वरूप को पूरी तरह बदल दिया है। कुछ साल पहले तक कॉल दरें और डेटा पैक महंगे हुआ करते थे, लेकिन अब निजी टेलीकॉम कंपनियों के कारण संचार सेवाएं काफी सस्ती हो चुकी हैं। आम नागरिक 300 से 400 रुपये के मासिक रिचार्ज में अनलिमिटेड कॉल, डेटा और संदेश की सुविधा प्राप्त कर लेता है। ऐसे समय में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब देश का आम व्यक्ति इतनी कम राशि में अपना संचार चला सकता है, तो जनप्रतिनिधियों के लिए हजारों रुपये का अलग भत्ता क्यों आवश्यक है।

बिहार के इस निर्णय ने एक व्यापक बहस को जन्म दिया है। राज्य में कुल 243 विधायक हैं। यदि हर विधायक को प्रति माह 8300 रुपये का टेलीफोन भत्ता दिया जाता है, तो सालाना यह राशि करोड़ों रुपये तक पहुंच जाती है। आलोचकों का कहना है कि यह पैसा सार्वजनिक धन है और इसे शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास या अन्य जरूरी क्षेत्रों में भी लगाया जा सकता है। यही वजह है कि सोशल मीडिया पर कई लोग इसे अनावश्यक खर्च या राजनीतिक विशेषाधिकार के रूप में देख रहे हैं।

हालांकि इस विषय का दूसरा पक्ष भी है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। जनप्रतिनिधियों का काम केवल विधानसभा तक सीमित नहीं होता। उन्हें अपने निर्वाचन क्षेत्र की जनता से लगातार संपर्क बनाए रखना पड़ता है। नागरिकों की समस्याएं सुनना, अधिकारियों से बातचीत करना, सरकारी योजनाओं की जानकारी देना और पार्टी के कार्यक्रमों में भाग लेना–इन सबके लिए निरंतर संचार जरूरी होता है। कई बार एक विधायक को दिन भर में सैकड़ों फोन कॉल करने या प्राप्त करने पड़ते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में नेटवर्क की समस्या के कारण अलग-अलग कंपनियों के सिम कार्ड भी रखने पड़ते हैं। इसके अलावा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, ऑनलाइन बैठकें और सोशल मीडिया के माध्यम से संवाद भी अब जनप्रतिनिधियों के काम का हिस्सा बन चुके हैं।

फिर भी बहस का असली मुद्दा केवल राशि नहीं, बल्कि पारदर्शिता है। यदि किसी भत्ते का उपयोग स्पष्ट रूप से दर्ज हो और उसका हिसाब सार्वजनिक हो, तो विवाद कम हो जाते हैं। लेकिन जब भत्ता बिना बिल के दिया जाता है, तब यह संदेह पैदा होता है कि कहीं यह सुविधा अतिरिक्त आय का माध्यम तो नहीं बन रही। यही कारण है कि कई विशेषज्ञों का मानना है कि संचार भत्ता दिया जाना गलत नहीं है, लेकिन उसके उपयोग को पारदर्शी और जवाबदेह बनाना जरूरी है।

भारत के विभिन्न राज्यों में विधायकों को मिलने वाले टेलीफोन या संचार भत्ते अलग-अलग हैं। उदाहरण के तौर पर उत्तर प्रदेश में विधायकों को लगभग 10,000 रुपये तक का संचार भत्ता मिलता है। महाराष्ट्र जैसे बड़े और महंगे राज्य में यह राशि इससे भी अधिक हो सकती है। दूसरी ओर हरियाणा में अपेक्षाकृत कम भत्ता दिया जाता है। केरल ने कोविड महामारी के बाद अपने भत्तों में कटौती कर एक उदाहरण भी पेश किया था। वहीं दिल्ली में संचार और यात्रा भत्ते को मिलाकर दिया जाता है। इन उदाहरणों से स्पष्ट है कि राज्यों में कोई समान नीति नहीं है और हर राज्य अपनी परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लेता है।

यह भी सच है कि समय के साथ तकनीक ने संचार को आसान और सस्ता बना दिया है। पहले जहां लंबी दूरी की कॉल महंगी होती थी, वहीं आज इंटरनेट आधारित सेवाओं ने संचार की लागत को काफी कम कर दिया है। व्हाट्सएप कॉल, वीडियो मीटिंग और सोशल मीडिया के माध्यम से संवाद अब सामान्य बात हो गई है। इसलिए कई लोग यह सवाल उठाते हैं कि क्या भत्तों की वर्तमान संरचना अभी भी पुराने समय की जरूरतों के आधार पर चल रही है।

लोकतंत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही सबसे महत्वपूर्ण सिद्धांत माने जाते हैं। जनता अपने प्रतिनिधियों को इसलिए चुनती है ताकि वे उनकी समस्याओं को समझें और समाधान के लिए काम करें। ऐसे में यदि जनप्रतिनिधियों को मिलने वाली सुविधाओं के बारे में स्पष्ट जानकारी उपलब्ध हो, तो जनता का विश्वास भी मजबूत होता है। लेकिन जब खर्च का विवरण अस्पष्ट होता है, तब आलोचना स्वाभाविक हो जाती है।

विशेषज्ञों का सुझाव है कि इस व्यवस्था को अधिक संतुलित बनाने के लिए कुछ सुधार किए जा सकते हैं। उदाहरण के लिए, टेलीफोन भत्ते के लिए बिल या डिजिटल रिकॉर्ड अनिवार्य किया जा सकता है। सरकार चाहें तो आधिकारिक मोबाइल कनेक्शन उपलब्ध करा सकती है, जिससे खर्च सीधे नियंत्रित और मॉनिटर किया जा सके। इसके अलावा भत्ते की एक अधिकतम सीमा तय की जा सकती है ताकि अनावश्यक खर्च से बचा जा सके। समय-समय पर ऑडिट और सार्वजनिक रिपोर्ट भी इस प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बना सकती है।

यह मुद्दा केवल एक भत्ते का नहीं, बल्कि शासन की सोच का भी है। यदि सरकारें और जनप्रतिनिधि खुद पारदर्शिता को बढ़ावा देंगे, तो जनता का भरोसा भी मजबूत होगा। दूसरी ओर यदि सुविधाएं बढ़ती रहें और जवाबदेही कम होती जाए, तो लोकतंत्र में अविश्वास की भावना पैदा हो सकती है।

अंततः यह समझना जरूरी है कि जनप्रतिनिधियों को संचार के साधन उपलब्ध कराना गलत नहीं है। वास्तव में यह उनकी जिम्मेदारियों को निभाने में मदद करता है। लेकिन इस सुविधा का स्वरूप ऐसा होना चाहिए जो व्यावहारिक भी हो और जवाबदेह भी। आज जब देश डिजिटल पारदर्शिता की ओर बढ़ रहा है, तब सरकारी खर्च के हर पहलू को भी उसी दिशा में ले जाना समय की मांग है।

टेलीफोन भत्ते पर उठी यह बहस हमें एक व्यापक प्रश्न की ओर ले जाती है–क्या हमारी राजनीतिक व्यवस्था जनता के प्रति उतनी ही जवाबदेह है जितनी होनी चाहिए? यदि इस बहस से पारदर्शिता और सुधार की दिशा में कदम बढ़ते हैं, तो यह लोकतंत्र के लिए एक सकारात्मक संकेत होगा।

-डॉ. सत्यवान सौरभ

बैलेंस शीट वाले किसान के खेतों का अवलोकन कर अधिकारी भी हुए आश्चर्यचकित

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास संभागायुक्त आशीष सिंह ने आज देवास जिले के विभिन्न गांवों में पहुंचकर आधुनिक पद्धतियों से खेती करने वाले प्रगतिशील किसानों के खेतों में जाकर फसलों का अवलोकन किया। इस अवसर पर कलेक्टर ऋतुराज सिंह, सीईओ जिला पंचायत श्रीमती ज्योति शर्मा, अपर कलेक्टर संजीव कुमार जैन, एसडीएम देवास अभिषेक शर्मा, उपसंचालक कृषि गोपेश पाठक, उप संचालक उद्यानिकी राजू बड़वाया, आत्मा से एमएल सोलंकी, मण्डी सचिव अरविंद परिहार सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण एवं कृषकगण उपस्थित थे।

इस दौरान संभागायुक्त आशीष सिंह ने ग्राम मेंढकी धाकड़ के किसान श्री जगदीश नागर द्वारा आधुनिक पद्धति से की जा रही खेती का अवलोकन किया। किसान आशीष सिंह से आधुनिक पद्धति से की जा रही खेती के संबंध में जानकारी ली। किसान जगदीश नागर द्वारा बताया कि 05 हजार वर्ग फीट जमीन से 55 हजार रूपये की लौकी का उत्पादन कर रहे है। पहले वह पारम्परिक फसलें लगाते थे, लेकिन उनको इससे ज्यादा मुनाफा नहीं होता था। परन्तु जब से उन्होंने उद्यानिकी फसलों की खेती करना प्रारम्भ किया, तब से अच्छा मुनाफा हो रहा है। उन्होंने खेत में टमाटर, ड्रैगन फुड, गोभी, धनिया, खरबूजा आदी फसलें आधुनिक पद्धति के माध्यम से की जा रही है। वे खेतों में सिंचाई के लिए ड्रीप, और मल्चिंग खेती पद्धति का उपयोग कर रहे हैं। किसान नागर साल में तीन फसल ले रहे हैं। संभागायुक्त आशीष सिंह ने कृषक नागर द्वारा आधुनिक पद्धति से की जा रही खेती की सराहना भी की।

संभागायुक्त आशीष सिंह ने ग्राम जामगोद में किसान कैलाश पटेल किये जा रहे केंचुआ खाद उत्पादन कार्य अवलोकन किया। इस दौरान किसान कैलाश पटेल ने बताया कि 30 हजार रूपये की पूंजी लगाकर काम शुरू किया। उन्होंने मेहनत व सही तकनीक से इसे 03 लाख रूपये के टर्नओवर वाले मुनाफे के व्यवसाय में बदल दिया। किसान कैलाश पटेल ने बताया कि वे जैविक एवं कैचुआ खाद 06 रूपये प्रतिकिलो दर पर विक्रय कर रहे है। कैचुओं को 500 रूपये प्रतिकिलो की दर पर विक्रय कर रहे है। किसान श्री कैलाश पटेल के इस नवाचारिक प्रयासों से उनसे कई किसान जुड कर जैविक खेती कर रहे है। इस दौरान किसान कैलाश पटेल ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किसानों को पारंपरिक खेती से हटकर नवाचार अपनाने के आह्वान से प्रेरित होकर उन्होंने यह कदम उठाया। संभाग आयुक्त आशीष सिंह ने किसान कैलाश पटेल से खाद बनाने की प्रक्रिया को समझा और अन्य जानकारी भी ली। संभागायुक्त आशीष सिंह ने कहा कि जैविक खेती और आत्मनिर्भर भारत के विजन का एक बेहतरीन उदाहरण हैं।

ग्राम अरनिया जागीर तहसील सोनकच्छ के किसान नारायण सिंह सेंधव के खेत पर पहुंचकर संभाग आयुक्त आशीष सिंह और कलेक्टर ऋतुराज भी आश्चर्य चकित रह गए जब किसान ने बताया कि वह खेती को उद्योग के रूप में कर रहे हैं। हर काम की बैलेंस शीट तैयार है कब पौधा लिया, कितना खर्चा हुआ, कब पानी दिया, कब खाद दी। किसान नारायण सिंह सेंधव ने आधुनिक खेती की नई परिभाषाओं को गढ़ते हुए जो बातें बताई वह वास्तव में आश्चर्यचकित करने वाली थी। नारायण सिंह बताते हैं कि वह साल में एक एकड़ में 8 लाख रुपए तक का करेला बेच देते हैं। उनकी करेला फसल को मंगलवार के दिन 80 रूपये किलो के हिसाब से मंडी में खरीदा गया है, जल्दी सफेद करेले की फसल भी उनके तैयार हो जाएगी जिसको अनुमानित 105 से 110 रूपये किलो के हिसाब से विक्रय कर पाएंगे।

किसान नारायण सिंह सेंधव ने बताया कि इसके साथ ही उन्होंने फसलों के पौधे बनाने की लिए 15 लाख की सीडलिंग मशीन भी खरीदी है। जिससे यह एक दिन में चार लाख से अधिक सीडलिंग कर 20 दिन में पौधे तैयार कर लेते हैं। उन्होंने बताया कि सात जिलों के किसान उनसे जुडकर पौधे क्रय कर आधुनिक तरीके से खेती कर रहे हैं। पौधों को बीमारियों से बचने के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग कर रहे हैं। किसान नारायण सिंह ने बताया कि उनके द्वारा जो बीज लगाए जाते हैं उनमें 90 प्रतिशत से अधिक पौधों का अंकुरण होकर विक्रय के लिए तैयार हो जाते हैं, उन्हें पोलिनेशन और नेटनेशन के माध्यम से पौधों को जीवित रखने के लिए अलग पद्धतियां उपयोग की हैं। उद्यानकी विभाग के द्वारा उनको शासन की योजना से राशि भी अनुदान राशि के रूप में प्रदान की गई। किसान नारायण सिंह ने बताया कि उन्होंने खेती को भी उद्योग के रूप में लिया है और 14 हेक्टेयर के खेत से साल में 20 से 25 लाख रुपए तक की आय बड़े आराम से निकाल लेते है। उनके द्वारा 40 से अधिक लोगों को रोजगार दिया गया है, 06 सुपरवाइजर भी रखें है जो लगातार हर काम की मॉनीटरिंग करते रहते हैं। संभाग आयुक्त सिंह ने किसान के खेत पर पॉलीहाउस एवं सेडनेट में विकसित हो रहे पौधों का अवलोकन भी किया। किसान ने इजराईल पद्धति पर आधारित विकसित फसलों का अवलोकन कराया। किसान नारायण सिंह खेतों में सिंचाई के लिए ड्रीप, और मल्चिंग खेती पद्धति का उपयोग कर रहे हैं।

संभाग आयुक्त आशीष सिंह एवं कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने गंधर्वपुरी स्थित किसान रविंद्र कुशवाहा द्वारा राष्टीय प्राकृतिक खेती मिशन के अंतर्गत बनाए जा रहे जैविक खेती के लिए नवाचार आधारित समाधानों का अवलोकन भी किया। किसान रविंद्र कुशवाहा मिट्टी सुधारक, किट प्रबंधन के जैविक घोल एवं जीवामृत, बीजामृत, घनजीवामृत जैसे प्राकृतिक उत्पाद बनाकर प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दे रहे है। किसान श्री कुशवाहा के इस नवाचारित प्रयासों से लगभग 200 से 300 किसान प्रोत्साहित हुए एवं खेती में प्राकृतिक उत्पादों उपयोग कर रहे है।

मुख्यमंत्री बाल श्रवण योजना से नमामि जाट का हुआ निःशुल्क इलाज

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री बाल श्रवण योजना से विकासखण्ड खातेगांव के ग्राम बरछा बुजुर्ग की नमामि जाट का निःशुल्क इलाज हुआ है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सरोजनी जेम्स बेक ने बताया कि ग्राम बरछा निवासी श्रीमती संजना पति श्री आनंद जाट की पुत्री नमामि आवाज देने पर या घर में किसी सामान के गिरने पर किसी भी प्रकार की कोई प्रतिक्रिया नही दे पाने पर परिजनों को नमामि के सुन न पाने की चिंता होने लगी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खातेगांव में आरबीएसके टीम द्वारा नमामि का परीक्षण करवाया गया। चिकित्सक द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण जांच में पाया गया कि नमामि में सुनने की क्षमता नहीं है। परिजनों को बताया गया कि नमामि में श्रवणबाधिता के साथ बोलने की क्षमता का भी अभाव है, परंतु चिंता करने की कोई बात नहीं हैं शासन की मुख्यमंत्री बाल श्रवण योजना अंतर्गत नमामि का उपचार आर.बी.एस.के अंतर्गत निःशुल्क होगा, जिससे नमामि सुनने एवं बोलने लगेगी।

खातेगांव आर.बी.एस.के टीम द्वारा नमामि को रेफर कार्ड बनाकर जिला शीघ्र हस्तक्षेप केन्द्र जिला चिकित्सालय देवास रेफर किया गया। जिला चिकित्सालय देवास के नाक-कान गला रोग विशेषज्ञ डॉ फेमिदा कुरेशी ने नमामि का चिकित्सकीय परीक्षण किया। दिव?यांग प्रमाण पत्र के साथ यूडीआईडी (यूनीक डिसएबिलिटी आईडी) बनवाने के बाद सामाजिक न्याय विभाग के माध्यम से हियरिंग एड मशीन प्रदाय की गई।

अमलतास अस्पताल में 100 वर्षीय बुज़ुर्ग का प्रोस्टेट ऑपरेशन सफल

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। चिकित्सा जगत में उम्र की बाधा को पार करते हुए देवास के अमलतास अस्पताल ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। यहाँ 100 वर्षीय बुजुर्ग मरीज, श्री बने सिंह का प्रोस्टेट का सफल ऑपरेशन किया गया। मरीज पिछले कई दिनों से मूत्र संबंधी गंभीर समस्याओं से जूझ रहे थे। स्थिति इतनी बिगड़ गई थी कि उनका चलना-फिरना बंद हो गया था और यूरिन रुकने की वजह से उन्हें अत्यधिक जलन और असहनीय दर्द हो रहा था। परिजनों ने उन्हें अमलतास अस्पताल में भर्ती कराया, जहाँ मूत्र एवं पथरी रोग विशेषज्ञ डॉ. देवेश बंसल ने जांच के बाद ऑपरेशन की सलाह दी। डॉ. देवेश बंसल , डॉ.विजय भदौरिया और डॉ. मनीष तोमर की टीम ने अत्यंत सावधानी के साथ यह जटिल ऑपरेशन सफलतापूर्वक संपन्न किया। अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि बुजुर्ग अब पूरी तरह स्वस्थ हैं और उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। मरीज के परिजनों ने अस्पताल और डॉक्टरों का आभार व्यक्त करते हुए आयुष्मान योजना की सराहना की। उन्होंने कहा कि शासन की इस योजना के कारण ही 100 वर्ष की आयु में भी निःशुल्क और उच्च स्तरीय इलाज संभव हो सका। अमलतास वेलफेयर सोसायटी के चेयरमैन श्री मयंक राज सिंह भदौरिया ने इस सफलता पर पूरी मेडिकल टीम को बधाई दी है।

संभाग आयुक्त आशीष सिंह ने जिला स्तरीय कृषि विज्ञान मेले का अवलोकन किया

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संभाग आयुक्त आशीष सिंह और कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने देवास जिले के किसानों को कृषि की उन्नत तकनीकी की जानकारी देने, खेती में लगने वाले कृषि आदान, उन्नत बीज, खाद, दवाई एवं नवीनतम कृषि उपकरण, उन्नत सिंचाई के साधन की जानकारी एक ही स्थान पर दिलाने के उद्देश्य से मिलेट मिशन एवं राष्ट्रीय तिलहन मिशन ऑन इडिबल आइल योजनान्तर्गत कृषि उपज मंडी देवास में आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय कृषि विज्ञान मेला का अवलोकन किया। संभाग आयुक्त आशीष सिंह ने किसानों से चर्चा की और मूंग की जगह उड़द की फसल की तरफ शिफ्ट होने का आग्रह किया। संभाग आयुक्त आशीष सिंह ने जिला स्तरीय कृषि विज्ञान मेले में नवीनतम कृषि उपकरण, उर्वरक, कीटनाशक, खाद, बीज, उन्नत सिंचाई के साधन एवं कृषि विज्ञान मेले में विभिन्न विभागों द्वारा योजनाओं की जानकारी के लिए लगाई गई प्रदर्शनी का अवोलकन भी किया। किसानों ने इस दौरान संभाग आयुक्त आशीष सिंह और कलेक्टर ऋतुराज सिंह को किचन गार्डन के लिए पौधे भी भेंट किये। इस अवसर पर कलेक्टर ऋतुराज सिंह, सीईओ जिला पंचायत श्रीमती ज्योति शर्मा, अपर कलेक्टर संजीव कुमार जैन, एसडीएम देवास अभिषेक शर्मा, उपसंचालक कृषि गोपेश पाठक, उप संचालक उद्यानिकी राजू बड़वाया, आत्मा से एमएल सोलंकी, मण्डी सचिव अरविंद परिहार सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण एवं कृषकगण उपस्थित थे।

शासकीय विधि महाविद्यालय देवास में कैवल्यधाम योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन हुआ

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास प्राचार्य शासकीय विधि महाविद्यालय देवास डॉ. अजय कुमार चौहान ने बताया कि शासकीय विधि महाविद्यालय देवास में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और मानसिक-शारीरिक स्वास्थ्य को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से उच्च शिक्षा विभाग मध्यप्रदेश भोपाल के निर्देशानुसार एवं कैवल्यधाम योग प्रशिक्षण केंद्र भोपाल के सहयोग से योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 25 फरवरी से 02 मार्च 2026 तक किया जा रहा है।

कैवल्यधाम योग प्रशिक्षण केंद्र भोपाल से पधारे योग प्रशिक्षक ईश्वर चन्द्र विशाल ने विद्यार्थियों को प्राणायाम, आसन एवं ध्यान की विभिन्न विधियों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। उन्होंने योग के वैज्ञानिक महत्व तथा दैनिक जीवन में उसके उपयोग पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन प्रो. ज्योति जोशी ने किया। प्रशिक्षण सत्र में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों एवं स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

शिविर के दौरान प्रतिभागियों को नियमित योग अभ्यास के लाभों के बारे में जानकारी दी गई तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प दिलाया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर जिला लोक अभियोजन अधिकारी गोविन्द प्रसाद घाटिया, डॉ. एन.के. श्रीवास्तव, रमेश चन्द्र, डॉ. मधुकर ठोमरे, संदीप सिंह रावत, डॉ. सत्यम सोनी, डॉ. अरुण कुशवंशी, प्रो. राकेश कोटिया उपस्थित थे। कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन सोहन सिंह गुर्जर द्वारा किया गया।

2 किमी दूर तक दिखा धुंए का बवंडर, धूं-धूं कर जला ट्रक

अहमदाबाद से बिहार जाते समय हाईवे पर हुआ हादसा, चालक व क्लीनर ने कूदकर बचाई जान

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। अहमदाबाद से बिहार जा रहे एक ट्रक में अचानक आग लग गई। इस आगजनी से ट्रक में रखा परचून व केटरीन का सामान जलकर राख हो गया। चालक को आग लगने की जानकारी पीछे से आ रहे वाहन चालक ने दी। तब चालक ने जाकर देखा तो उसमें से धुंआ निकल रहा था। जिससे बना बवंडर 2 किमी दूर तक भी दिखाई दे रहा था। इसके बाद क्लीनर व चालक ने ट्रक से कूदकर अपनी जान बचाई।

घटना बुधवार सुबह करीब 8 बजे की है। जब क चलते ट्रक में अचानक धुआं उठने लगा और कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप ले लिया। आग लगने से ट्रक में रखा परचून और कैटरिंग का सामान पूरी तरह जलकर खाक हो गया। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 पर पदस्थ प्रधान आरक्षक पवन शर्मा और पायलट अंकित मौके पर पहुंचे। इसके अलावा सूचना मिलते ही कोतवाली थाना, यातायात पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंचीं। वहीं करीब तीन से चार दमकल वाहनों की मदद से आग पर कड़ी मशक्कत के बाद काबू पाया गया। आगजनी के चलते शाजापुर से सारंगपुर जाने वाला मार्ग कुछ समय के लिए बंद कर दिया गया था, जिससे यातायात प्रभावित हुआ। आग बुझने के बाद मार्ग को पुनः चालू कर दिया गया।

ट्रक चालक का आरोप, किसी ने ट्रक में फेंका अंगारा- ट्रक चालक मुमताज खान ने बताया कि ट्रक रातभर एक होटल पर खड़ा था। सुबह लगभग 10 किलोमीटर चलने के बाद अचानक धुआं निकलने लगा और देखते ही देखते आग भड़क उठी। वाहन चालक ने बताया कि उसे शक है किसी ने ट्रक में जलता हुआ अंगारा फेंका होगा जिससे यह हादसा हो गया। जिसके कारण आग इतनी विकराल हो गई और हमें कूदकर अपनी जान बचाना पड़ी। नहीं तो बड़ा हादसा हो जाता। कोतवाली थाना प्रभारी संतोष वाघेला ने बताया कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। फिलहाल किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। कितने का सामान जला है, इसका आकलन किया जा रहा है।

दूर-दूर तक दिखाई दिया धुंआ- आग इतनी विकराल थी कि उसने देखते ही देखते सामान के साथ ट्रक को भी अपनी चपेट में ले लिया। आग लगने से ट्रक से उठता धुंआ करीब 2 किमी की दूरी से भी लोगों को दिखाई दे रहा था। यही वजह थी कि पुलिस ने हाईवे कुछ देर के लिए बंद कर दिया। जब आग बुझी और स्थिति सामान्य हुई तब वाहनों को जाने दिया गया।

स्थानांतरण पर अपर कलेक्टर को दी विदाई दी

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। अपर कलेक्टर बीएस सोलंकी का स्थानांतरण जिला पंचायत सीईओ के पद पर आगर मालवा जिले में होने पर कलेक्टर ऋजु बाफना, राजस्व अधिकारियों, कलेक्टर कार्यालय के अधिकारी व कर्मचारियों ने शाल, श्रीफल, पुष्प माला, स्मृति चिन्ह भेंट कर भावभीनी विदाई दी गई।

विदाई समारोह में कलेक्टर ने अपर कलेक्टर श्री सोलंकी को नवीन पदस्थापना की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। साथ ही उन्होंने अपर कलेक्टर श्री सोलंकी द्वारा शाजापुर जिले में किये कार्यो व उनकी कार्यशैली की प्रशंसा भी की। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री सोलंकी ने अपने कार्यकाल के अनुभव साझा किए और सभी को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ अनुपमा चौहान, अनुविभागीय अधिकारी शुजालपुर राजकुमार हलदर व गुलाना आलोक वर्मा, डिप्टी कलेक्टर नेहा गंगारे, डिप्टी कलेक्टर अंकिता पाटकर सहित कलेक्टर कार्यालय के कर्मचारियों ने भी अपर कलेक्टर श्री सोलंकी के उज्जवल भविष्य की कमाना करते हुए भावभीनी विदाई दी।

नगर में गूंजे संतश्री गाडगेजी महाराज के जयकारे, शहर में चल समारोह निकाल संत श्री को अर्पित किए श्रद्धासुमन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। रजक समाज द्वारा संत श्री गाडगे जी महाराज की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। इस अवसर पर नगर में संतश्री गाडगे जी महाराज का भव्य चल समारोह भी निकाला गया, जिसका जगह-जगह पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया।

आयोजन की शुरुआत वजीरपुरा स्थित समाज की धर्मशाला से हुई। जहां वरिष्ठ समाजजनों ने संत श्री गाडगे जी महाराज की पूजा-अर्चना की। इसके बाद शहर में चल समारोह निकाला गया, जो नगर के विभिन्न मार्गो से होता हुआ पुनः धर्मशाला पहुंचकर संपन्न हुआ। चल समारोह में बालिकाएं व महिलाएं भी थी, जो सिर पर कलश रख शामिल हुई। चल समारोह का विभिन्न स्थानों पर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। धर्मशाला पहुंचने पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। यहां संत श्री गाडगे जी महाराज का पूजन व आरती की गई। इसके बाद सहभोज का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में समाजजनों ने शामिल होकर प्रसादी ग्रहण की।

समाज विकास में युवाओं की भूमिका अहम रू देवतवाल- इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समाज के अध्यक्ष सुनील देवतवाल ने कहा कि हमारे वरिष्ठों के मार्गदर्शन और उनके नेतृत्व में समाज का विकास हुआ है, जिसे निरंतर रखना और शिक्षा की दिशा में अग्रसर होना हम सभी की जवाबदारी है जिसमें युवाओं की अहम भूमिका है जो न सिर्फ विकास की धारा को निरंतर जारी रखेंगे, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक मिसाल कायम कर सकते हैं। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि आने वाली पीढियों के लिए अपनी भूमिका का निर्वहन करें।

रंगभरी एकादशी पर ग्राम गढ़ी में निकलेगी भव्य निशान यात्रा

भक्ति उत्साह और उल्लास के साथ मनाई जाएगी श्याम भक्ति संध्या

खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आशीष गुप्ता खरगोन जिले से लगभग 30 किलोमीटर दूर ग्राम गढ़ी में रंगभरी एकादशी के अवसर पर गुरुवार 26 फरवरी 2026 को भव्य धार्मिक आयोजन होगा। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 7ः00 बजे दामखेड़ा नागराज मंदिर से बाबा श्याम जी की भव्य निशान यात्रा से होगी। यात्रा खेड़ापति भिलट देव मंदिर मार्ग से होते हुए गांव के प्रमुख मार्गो से निकलेगी, जिसमें श्रद्धालु भजन- कीर्तन करते हुए नाचते- गाते शामिल होंगे।

यात्रा के दौरान श्याम नाम की गूंज से पूरा वातावरण भक्तिमय रहेगा और अंत में यात्रा श्याम मंदिर परिसर पहुंचेगी, जहां आरती व दर्शन के बाद भक्तों को प्रसाद वितरण किया जाएगा। रंगभरी एकादशी की पूर्व संध्या पर रात 8ः00 बजे से श्याम मंदिर परिसर में भव्य संगीतमय कीर्तन का आयोजन होगा। भजन गायक सचित जी मंडलोई और खरगोन के अनिमेष जी गुप्ता अपने भजनों से श्रद्धालुओं को भावविभोर करेंगे। आयोजन स्थल को रंग-बिरंगी रोशनी व फूलों से सजाया जाएगा तथा आरती के बाद 56 भोग की महाप्रसादी अर्पित की जाएगी। कार्यक्रम में आतिशबाजी, पुष्प वर्षा और फूलों की होली भी आकर्षण का केंद्र रहेगी। श्याम मंदिर समिति, श्याम प्रेमी मित्र मंडल व गुप्ता परिवार सहित ग्रामवासियों ने सभी श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में उपस्थित होकर भक्ति लाभ लेने का आग्रह किया है।

संचिता की पशु बचाव सेवाः 6 साल, 4000 से ज्यादा जानवरों का बचाव

खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। खरगोन में संचिता रघुवंशी नाम की एक लड़की पिछले 6 सालों से पशु बचाव का काम कर रही हैं। उन्होंने सड़कों पर भूखे जानवरों को खाना खिलाने से शुरुआत की थी और आज उनकी एक टीम है जो लगातार बचाव का काम कर रही है। संचिता ने बताया, ÷हमने अब तक 4000 से ज्यादा पशु-पक्षियों का बचाव किया है और उन्हें नया जीवन देने का प्रयास किया है। हम किसी भी प्राणी में भेदभाव नहीं करते। संचिता की टीम ने कुत्ते, बिल्ली, गाय, घोड़े, बंदर, सूअर, गधे, उल्लू और अन्य पक्षियों तक का बचाव किया है। यह पूरा कार्य बिना किसी सरकारी मदद के चल रहा है। संचिता अपनी व्यक्तिगत आय और कुछ लोगों के सहयोग से इस सेवा को जारी रखे हुए हैं। ओर आगे बताया कि हम बचाव के साथ-साथ एंटी-रेबीज वैक्सीनेशन अभियान भी चलाते हैं। सड़क पर रहने वाले कुत्तों और गायों को रेडियम पट्टे पहनाकर रात के समय होने वाली दुर्घटनाओं को कम करने का प्रयास करते हैं। लेकिन संचिता का कहना है कि शहर में कुत्तों को लेकर काफी अव्यवस्था बनी हुई है। उन्होंने प्रशासन के अधिकारियों को भी अवगत कराया है, लेकिन अब तक कोई प्रभावी सुधार नहीं हुआ है। संचिता ओर पूरी टीम ने प्रशासन से विनम्र अपील है कि समय रहते उचित कदम उठाए जाएं, ताकि जानवरों और आम नागरिकों दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

श्रमिक को मिला शासन की योजना का लाभ, कलेक्टर ने दी ई-स्कूटर की चाबी

ई-स्कूटर अनुदान योजना में पंजीकृत श्रमिक हो रहे लाभान्वित

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश शासन के श्रम विभाग अंतर्गत संचालित म.प्र. भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल की ई-स्कूटर अनुदान योजना-2024 से पंजीकृत श्रमिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। इसी क्रम में कालापीपल विकासखंड के ग्राम जबड़ी निवासी पंजीकृत श्रमिक जगजीवन मालवीय को योजना का लाभ प्रदान किया गया।

कलेक्टर ऋजु बाफना ने कलेक्टर कार्यालय परिसर में जगजीवन मालवीय को ई-स्कूटर की चाबी प्रदान की और उन्हें ई-स्कूटर अनुदान योजना-2024 के तहत 40 हजार रुपये की अनुदान राशि का ई-भुगतान स्वीकृति प्रत्रक भी प्रदान किया। श्री मालवीय ने बताया कि ई-स्कूटर मिलने से अब उन्हें कार्यस्थल तक पहुंचने में सुविधा होगी तथा समय की बचत भी होगी। इससे उनकी कार्यक्षमता में वृद्धि होगी और परिवार की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ बनाने में मदद मिलेगी। जिला श्रम अधिकारी ने जानकारी दी कि श्रम विभाग अंतर्गत म.प्र. भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल में पंजीकृत श्रमिकों को उनके कार्य स्थल तक आवागमन के लिए ई-स्कूटर वाहन क्रय करने पर अनुदान राशि प्रदान किये जाने के संबंध में म.प्र. शासन द्वारा अप्रैल 2024 से श्रम विभाग अंतर्गत ''भवन एवं अन्य संनिर्माण ई-स्कूटर के लिए ई स्कूटर अनुदान योजना 2024'' से संचालित की जा रही है। योजनान्तर्गत ई-स्कूटर वाहन क्रय करने पर क्रय मूल्य की 50ः राशि (अधिकतम 40000 रू) मण्डल के द्वारा अनुदान के रूप में प्रदाय की जाती हैं।

जैन (सकलेचा) परिवार की पोती ने किया नाम रोशन

रतलाम में 12वीं तक शिक्षा ली, फिर करी, इंदौर में लॉ की तैयारी

नागदा/ सुनिल सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जेन (सकलेचा) परिवार कि पोती दीपांशी जैन (सकलेचा) 24 वर्ष की उम्र मे ही छत्तीसगढ़ सिविल जज (व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी) की परीक्षा में 12वीं रैंक हासिल की है। दीपांशी ने 12 वीं तक की पढ़ाई रतलाम में की। इंदौर से लॉ किया और जज बनने की तैयारी भी। दीपांशी कहती कि मोबाइल पर रील देखने बजाय मैंने इसे अपनी स्टडी का साथी बनाया। इस पर बेहतरीन कोचिंग के बारे में पता किया। ऑनलाइन क्लास अटेंड की। मॉक टेस्ट दिए, पढ़ाई से जुड़ी क्लास के सब्सक्रिप्शन लिए। रोज 14 घंटे पढाई पर फोकस किया। मित्र निवास रोड रतलाम निवासी ईपीएफ व ईएसआईसी (कर्मचारी राज्य बीमा निगम) सर्विस प्रोवाइडर दीपक जैन (सकलेचा) की बेटी दीपांशी ने पहले प्रयास में ही छत्तीसगढ़ व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी परीक्षा 2024 पास कर ली है। एसबीआई के मैनेजर पद से रिटायर्ड दादाजी ज्ञानचंद जैन, दादी आशा जैन व मां दीपा जैन ने दीपांशी को पढ़ाई के लिए हमेशा प्रेरित किया। दीपांशी बताती हैं कि सेंट जोसेफ कॉन्वेंट स्कूल रतलाम से कॉमर्स में 12वीं करने के बाद जब कॅरियर डिसाइड करने की बारी आई तभी मैंने तय कर लिया था कि जज बनना है। इसके लिए मैंने इंदौर के इंदौर इंस्टिट्यूट ऑफ लॉ में एडमिशन लिया। 5 साल में यानी 2024 में लॉ कम्पलीट होते ही जज की वैकेंसी भरना शुरू की। तैयारी के लिए इंदौर में कोचिंग की। पर्सनालिटी डेवलप करने पर भी काम किया। लॉ की तैयारी के समय ही मोबाइल को मनोरंजन का साधन बनाने के बजाय इस पर वही कंटेंट देखा जिसमें कॅरियर व पढ़ाई से जुड़ी बात हो। रील देखने से रोकने के लिए कई बार मन को मारना पड़ता था, जिसमें मैं कामयाब रही। यहीं नहीं दोस्तों से जब मेरी बातचीत होती थी तो उसमें भी पढ़ाई के बारे में ही बात होती थी। शादियों व अन्य समारोहों से भी कुछ समय के लिए दूरी बनाई ताकि पढ़ाई पर फोकस बना रहे।

मेंस में 100 में से 73 और इंटरव्यू में 15 में से 9 नंबर मिले- दीपांशी ने जज की प्री परीक्षा पास करने के बाद मेंस में 100 में से 73 अंक हासिल किए। वहीं इंटरव्यू में 15 में से उसे 9 नंबर मिले। दीपांशी ने बताया कि मैंने राजस्थान जज की परीक्षा भी दो बार दी और प्री क्लियर भी की लेकिन मेंस में अटक गई। इस परीक्षा को मैंने अपना लास्ट चांस मानते हुए पूरी ताकत झोंक दी। सितंबर 2025 में इसकी प्री परीक्षा हुई, दिसंबर 2025 में मेंस हुई और 13 फरवरी को इंटरव्यू के बाद 20 फरवरी को रिजल्ट आया।

जैन (सकलेचा) परिवार मे खुशी का माहोल - दीपांशी जैन (सकलेचा) के पास होने की खबर आई वैसे ही पुरे सकलेच परिवार मे खुशी का माहोल होकर बधाई देने का सिलसिला शुरू हो गया जिसमे कनकमल सकलेचा, अभय सकलेचा, सुनिल सकलेचा, संजय आशिष सकलेचा, अरविन्द सकलेचा एव सकलेचा परिवार द्वारा शुभकामानए देकर उज्जवल भविष्य की कामना की ।

भागवत कथा के चतुर्थ दिवस श्री कृष्ण जन्मोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। एकवीरा परिसर में चल रही भागवत कथा के चौथे दिन श्री कृष्ण जन्मोत्सव का वर्णन किया गया जिसमें बाल स्वरूप में बने कृष्ण जी को वासुदेवजी सिर पर बिठाकर बड़े धूमधाम से पंडाल में निकले जहां श्रद्धालुओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया। कथा वाचक महा मंडलेश्वर आत्म चेतना दीदी जी के मुखारविंद से जीवन के सुख के बारे में जाना के प्रत्येक व्यक्ति जीवन में सुख चाहता है लेकिन दुख क्यों प्राप्त होता हैं कारण यहीं है कि मन के अनुकूल हो तो सुख न होंटो दुख मान लेते है। आज के समय में हम जन्म दिवस तारीख से मनाते हैं किंतु शास्त्र मत से तिथि पर मानना चाहिए जन्म से हर तीसरे साल में वही तिथि जन्मदिन पर आती है । हमें जन्मदिन के दिन भगवान की पूजा बड़ों का आशीर्वाद प्राप्त करना चाहिए । जिससे हमारे जीवन में उन्नति की प्राप्ति हो । एवं बेटी जहां भी जाती है अपने संस्कार से उसे घर को स्वर्ग बना देती है और यह धरती ही हमारा घर है ना यह हमसे अलग है और ना हम इसके बिना रह सकते हैं । कथा का आयोजन सुरेश चंद्र पाटीदार (बखतगढ़ वाले) परिवार द्वारा किया जा रहा है कथा के चौथे दिन श्रद्धालुओं बड़ी संख्या में शामिल होकर हाथी घोड़ा पालकी जय कन्हैया लाल की, नंद घर आनंद भयो के भजनों के साथ झूमते नजर आए।

विधानसभा सत्र में जनअभियान के नियमितीकरण पर सवाल, सेवा अवधि पर मांगी स्पष्टता

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश विधानसभा में दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों के विनियमितीकरण का मुद्दा गूंजा। जिसका सीधा संबंध मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद् से जुड़ा है। विधानसभा के आठवें दिन बुधवार को प्रश्न क्रमांक 2727 के तहत विधायक भैरो सिंह बापू ने सरकार से पूछा कि परिषद में कितने दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को किस नियम के अंतर्गत विनियमित किया गया है तथा उनके नाम और नियुक्ति दिनांक सहित जानकारी दी जाए।

इस पर जवाब देते हुए जगदीश देवड़ा उप मुख्यमंत्री (योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी) ने बताया कि परिषद में कुल 76 दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को मध्यप्रदेश शासन सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र क्रमांक एफ 5-1/2013/1/3 भोपाल दिनांक 7 अक्टूबर 2016 के तहत स्थाई कर्मी घोषित किया गया है। उन्होंने कहा कि संबंधित कर्मचारियों के नाम, नियुक्ति तिथि और अन्य विस्तृत जानकारी पुस्तकालय में रखे गए परिशिष्ट के अनुसार उपलब्ध है। सदन में प्रश्न के दूसरे भाग में यह भी पूछा गया कि ऐसे कितने कर्मचारी हैं जिनकी सेवाएं 10 वर्ष पूर्ण नहीं हुई थीं फिर भी उन्हें विनियमित किया गया। मंत्री ने इस संबंध में भी जानकारी पुस्तकालय में उपलब्ध होने की बात कही। विधानसभा में उठे इस मुद्दे के बाद परिषद से जुड़े कर्मचारियों और आमजन में चर्चा का माहौल बना हुआ है। सेवा अवधि, पात्रता मानदंड और प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर राजनीतिक हलकों में बहस तेज हो गई है। विपक्ष ने स्पष्ट आंकड़े सार्वजनिक करने की मांग की है ताकि यह स्पष्ट हो सके कि विनियमितीकरण की प्रक्रिया किस प्रकार अपनाई गई। सरकार की ओर से दोहराया गया कि समस्त कार्रवाई सामान्य प्रशासन विभाग के निर्धारित नियमों के अनुरूप की गई है। दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों का विनियमितीकरण लंबे समय से संवेदनशील विषय रहा है। क्योंकि इससे कर्मचारियों को सेवा सुरक्षा और अन्य शासकीय लाभ प्राप्त होते हैं। ऐसे में आने वाले समय में यह विषय और अधिक चर्चा का केंद्र बन सकता है।

दहेज जैसी क्रु प्रथा समाज के लिए दीमक का काम करती है ऐसी प्रथा पर प्रतिबंध हो -चुंडावत

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री महाराणा प्रताप राजपूत धर्मशाला बदनावर पर दहेज विरोधी क्षत्रिय संघ संस्था मध्य प्रदेश की बैठक संपन्न हुई जिसमें चित्तौड़ राजस्थान से पधारे कानसिंह चुंडावत का कहना है कि दहेज जैसी क्रू प्रथा समाज के लिए दीमक का काम करती ऐसी प्रथा को पर प्रतिबंध होना चाहिए वही सभी अतिथियों द्वारा दहेज प्रतिबंध और आगामी कार्यक्रम के विषय में अपने-अपना विचार रखे गए कार्यक्रम का संचालन पोपसिंह राठौड़ (पप्पी बना) ने किया जिसमें आगामी 5 अप्रैल प्रस्तावित कार्यक्रम दहेज विरोधी संस्था क्षत्रिय संघ के बारे में जानकारी दी सर्वप्रथम ट्रस्ट को दान स्वरूप प्राप्त महाराणा प्रताप की प्रतिमा जो कि श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष शिवप्रताप सिंह चौहान की ओर से प्राप्त हुई है का पूजन मुख्य अतिथि द्वारा किया गया

5 अप्रैल होने वाले कार्यक्रम में बायोडाटा मिलान, प्रतिभा सम्मान ,तलवार प्रशिक्षण, मात्र शक्तियों को तलवार प्रतिक्षण, दहेज की कुर्तियां की जानकारी, दहेज को प्रथा और मृत्यु भोज पर प्रतिबंध, विधवा पेंशन ऐसी अनेक विषय ऊपर चर्चा हुई कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कान सिंह चुंडावत,सुरेंद्र सिंह सिसौदिया,विरेन्द्र सिंह सिसौदिया, बदनावर एस ओपी अरविंद सिंह तोमर,सरदारपुर एसडीओपी विश्वदीप सिंह परिहार ,लखन सिंह सिसोदिया CEO जनपद पंचायत बदनावर,महेंद्र सिंह पंवार , अंतर सिंह पवार,विरेन्द्र सिंह राठौड़,सज्जन सिंह चौहान,महेन्द्र सिंह पंवार, राजेंद्र सिंह पवार,जितेंद्र सिंह डोडिया, पेन्द्र सिंह चौहान,नारायण सिंह राठौड़,निर्भय सिंह पंवार,भारत सिंह देवड़ा,सविता कंवर राठौड़,डॉ बिन्दु कंवर भाटी,अनिता कंवर नरुका, लक्ष्मण सिंह पवार दहेज विरोधी संस्था के सदस्य उपस्थित है।

पत्रकार समाज का आईना होते हैं अग्रवाल

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया अखिल भारतीय अग्रवाल महासभा महिला प्रकोष्ठ अकोदिया द्वारा फाग उत्सव का आयोजन किया गया जिसमें महासभा के द्वारा समय-समय पर आयोजित होने वाली सामाजिक गतिविधियों की खबरों को समाचार पत्र के माध्यम से आमजन तक पहुंचने वाले पत्रकार बंधुओ का भी सम्मान किया गया दैनिक सच की जय हो अकोदिया नगर संवाददाता युवा पत्रकार दीपक अग्रवाल का उत्कृष्ट सेवा कार्यों हेतु महासभा जिला अध्यक्ष कमलेश अग्रवाल महिला प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष ममता अग्रवाल नगर अध्यक्ष हनी गुप्ता द्वारा शाल श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया जिला अध्यक्ष कमलेश अग्रवाल ने कहा कि पत्रकार समाज का आईना होते हैं वह निस्वार्थ भाव से कार्य करते हुए होने वाले आयोजनों की खबरों को आम जन तक पहुंचाते हैं जिला अध्यक्ष ममता अग्रवाल ने कहा कि महासभा की खबरों को आमजनों तक पहुंचने वाले पत्रकार बंधुओ का हम सम्मान कर गोरांवित महसूस कर रहे हैं।

देवास के डायल-112 हीरोज: त्वरित सीपीआर से बचाई अनमोल जान

हृदयघात से बेहोश व्यक्ति को डायल-112 जवानों ने समय पर सीपीआर देकर बचाया

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास डायल-112 आपात स्थितियों में केवल त्वरित पहुँच ही नहीं, बल्कि प्रशिक्षित मानवीय हस्तक्षेप के माध्यम से जीवन रक्षा का भरोसेमंद माध्यम है। देवास जिले में डायल-112 जवानों ने समय पर सीपीआर देकर हृदयघात से पीड़ित व्यक्ति की जान बचाकर अपनी दक्षता और संवेदनशीलता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। दिनांक 24 फरवरी 2026 को देवास जिले के थाना टोकखुर्द अंतर्गत ग्राम कलमा स्थित शर्मा जी पेट्रोल पंप के पास एक व्यक्ति के अचानक हृदयघात का दौरा पड़ने से बेहोश हो जाने की सूचनाडायल-112 राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूमभोपालको प्राप्त हुई। सूचना की गंभीरता को देखते हुए थाना टोकखुर्द क्षेत्र में तैनात नजदीकी डायल-112 को तत्काल मौके के लिए रवाना किया गया।

मौके पर पहुँचकर डायल-112 एफआरवी में तैनातप्रधान आरक्षक श्री राकेश डामोरएवंपायलट श्री यशवंत पटेलने पाया कि व्यक्ति बेहोशी की अवस्था में है। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए डायल-112 जवानों ने बिना समय गंवाएसीपीआरदेना प्रारंभ किया। कुछ मिनटों की निरंतर और सटीक प्रक्रिया के पश्चात पीड़ित को होश आया। इसके पश्चात डायल-112 जवानों द्वारा चिकित्सा वाहन की सहायता से पीड़ित व्यक्ति को उपचार हेतु जिला अस्पताल देवास पहुँचाया। डायल-112 टीम की तत्परता, नियमित प्रशिक्षण और व्यावसायिक दक्षता के कारण यह जीवन रक्षक सहायता समय पर संभव हो सकी। पीड़ित के परिजनों ने डायल-112 सेवा की त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हुए पुलिस स्टाफ का आभार व्यक्त किया। डायल-112 हीरोज द्वारा प्रदर्शित यह साहसिक एवं मानवीय कार्य पुलिस के जन-सेवा, जन-सुरक्षा के संकल्प को सुदृढ़ करता है।

भारतीय जैन संघटना की कार्यकारिणी का हुआ गठन

चपलोत सचिव,चोपडा उपाध्यक्ष एव नाहर को मीडिया प्रभारी पदो का मिला दायित्व

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जैन संघटना(बीजेएस) की साधारण सभा का आयोजन मंगलवार 24 फरवरी को संस्थापक अध्यक्ष एस.एस. सिसौदिया, जिला सचिव डॉ. अंजुली कांठेड़ की उपस्थिति में हुआ। बीजेएस नागदा चैप्टर के सत्र 2026 के सक्रिय युवा अध्यक्ष अंकुर जैन द्वारा नवीन कार्यकारिणी सदस्यो की घोषणा की गई, जिसमें मयंक चपलोत को सचिव एवं श्रीमती रचना चपलोत को कोषाध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया। साथ ही विभोर चोपड़ा को उपाध्यक्ष, सोनम कोलन को सहसचिव तथा अनुज नाहर की सक्रियता को देखते हुए प्रिंट एवं सोश्यल मीडिया प्रभारी का दायित्व दिया गया।

नवीन कार्यकारिणी के गठन के बाद आगामी कार्यक्रमो के बारे में विस्तार से चर्चा हुई। जिसमें सेवा शिविर, युवाओं के लिए मार्गदर्शन कार्यक्रम एवं समाज के हित में विभिन्न रचनात्मक गतिविधियाँ शामिल है।

इस अवसर पर महिला सशक्तिकरण विंग का भी गठन किया गया जिसमे अंतिमा भूपेंद्र संघवी, प्रियंका अमित कटकानी, विभा अमित बम, सरिता सचिन सकलेचा, निशी अभिषेक कोलन, रुचि दीपक जैन को शामिल किया गया।

समाजजनो एव इस्ट मित्रो ने नवीन कार्यकारणी पर हर्ष जताते हुए सभी को शुभकामनाएं दी जिसमे राजेश सकलेचा, शरद जैन, अमित बम, मनीष चपलोत, धर्मेन्द्र बम, दिपक गांग, राकेश और,रवि संधवी, मनोज गांग, प्रकाश चपलोत सन्तोष जैन,मनीष धाकड,मनीष भंडारी,मनोज जैन सुविधा, गगन बोहरा,कमल जेन,राजा कर्नावट,आशीष पोखरना, आदि सदस्यो ने शुभकामनाए दी।

धरावरा धाम में गूंजा नंद के आनंद भयो- कृष्ण जन्मोत्सव पर झूमे श्रद्धालु, ब्रजकिशोर नागर बोले- भगवान केवल प्रेम के भूखे हैं

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। क्षेत्र के प्रसिद्ध धरावरा धाम में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन बुधवार को भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कथा व्यास पंडित ब्रजकिशोर नागर ने जैसे ही कान्हा के जन्म का प्रसंग सुनाया, पूरा पंडाल जय कन्हैया लाल की के जयकारों से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने फूलों की वर्षा कर और नृत्य कर अपनी खुशी का इजहार किया। भक्तों के वश में हैं भगवान कथा के दौरान ब्रजकिशोर नागर ने भगवान और भक्त के अटूट रिश्ते पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि- परमात्मा अपने भक्तों के भाव और प्रेम के बंधन में बंधे होते हैं। वे अपने भक्तों को दुविधा में कभी नहीं देख सकते। जब भी भक्त उन्हें सच्चे मन से पुकारता है, वे उनकी कामना पूर्ण करने और स्नेह निभाने स्वयं इस धरा पर अवतरित होते हैं।

नंदोत्सव की रही धूम- कथा स्थल पर श्रीकृष्ण जन्म के समय सजीव झांकी सजाई गई। मुख्य यजमान नानूराम चौधरी बने वासुदेव द्वारा टोकरी में कान्हा को लेकर आने वाले दृश्य ने श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। बड़ी संख्या में महिलाओं ने बधाई गीत गाये। भक्तिमय माहौल~ पंडाल में मौजूद भक्तों ने झूमते हुए भगवान के बाल स्वरूप का स्वागत किया।

पंडित नागर ने बताया कि भागवत कथा केवल सुनने के लिए नहीं, बल्कि जीवन में उतारने के लिए है। भगवान श्रीकृष्ण का अवतार अधर्म के नाश और प्रेम की स्थापना के लिए हुआ था। उन्होंने सादगी और निस्वार्थ प्रेम का संदेश दिया, जो आज के समय में सबसे अधिक प्रासंगिक है। अध्यक्ष दिनेश गर्ग, कल्याण भांगडिया, प्रकाश पटेल, ताराचंद खण्डेलवाल, मनोहर चौधरी, निलेश उपाध्याय

प्रवीण मोहन चौधरी, अम्बाराम कोतवाल, विष्णु सोनी, उमेश हनुमान आदि मुख्यरुप से उपस्थित रहे। कथा 28 फरवरी तक प्रतिदिन दोपहर 1 से 5 बजे तक धरावरा धाम में चल रही हैं।

एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट पशु विकास दिवस के माध्यम से 'सर्वोत्तम सेवा' में अग्रणी; 1.55 लाख ग्रामीणों पर उत्पन्न किया सकारात्मक प्रभाव

मुंबई ~ भारत की अग्रणी एनबीएफसी में से एक एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट ने 14 फरवरी 2026 को अपनी प्रमुख पशु कल्याण एवं ग्रामीण आजीविका पहल, पशु विकास दिवस के आठवें संस्करण का सफल समापन किया। 'सर्वोत्तम सेवाः पशु, परिवार और प्रगति' की थीम पर आधारित इस पहल ने पशुओं के स्वास्थ्य, परिवार के कल्याण एवं स्थायी प्रगति को बढ़ावा देकर समग्र ग्रामीण विकास के लिए संगठन की प्रतिबद्धता को मजबूत बनाया।

2014 में लॉन्च किया गया पशु विकास दिवस पशु मालिकों को निःशुल्क वेटेरीनेरी सेवाएं और विशेषज्ञों का मार्गदर्शन उपलब्ध कराकर उनकी स्वास्थ्यसेवा संबंधी ज़रूरतों को पूरा करता है। पिछले सालों के दौरान यह पहल देश के सबसे बड़े एक दिवसीय पशु कल्याण प्रोग्रामों में से एक के रूप में उभरी है।

एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट ने 1.55 लाख से अधिक ज़िंदगियों पर सकारात्मक प्रभाव उत्पन्न किया है, जिसके तहत तकरीबन 1.4 लाख पशुओं का इलाज किया गया, 14,000 से अधिक लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं में सहयोग दिया गया, इससे 30,000 से अधिक परिवारों को लाभ हुआ। इस पहल का संचालन 16 राज्यों में 510 एसएमएफजी ग्रामशक्ति शाखाओं में किया गया, जो ग्रामीण भारत में कंपनी की गहरी पहुंच को दर्शाता है।

मध्य प्रदेश में पशु विकास दिवस का आयोजन 41 लोकेशनों में किया गया, जिसके तहत तकरीबन 16000 पशुओं को स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं मुहैया कराई गईं और 2200 से अधिक परिवारों को लाभ हुआ। हर कैम्प में स्थानीय वेटेरीनेरी डॉक्टरों ने पशुओं की निःशुल्क जांच की, पशुओं के लिए मुफ्त दवाएं बांटी गई, टीकाकरण किया और दुधारू पशुओं की उत्पादकता बढ़ाने के लिए सलाह दी गई। इस पहल के सफल समापन पर बात करते हुए श्री रवि नारायणन, मैनेजिंग डायरेक्टर एवं चीफ़ एक्ज़्क्टिव ऑफिसर, एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट ने कहा, ''सर्वोत्तम सेवा सर्वोच्च मानकों की सेवाएं उपलब्ध कराने के बारे में है- जहां सहानुभूति के साथ प्रभाव और इरादे का संयोजन गहरा प्रभाव उत्पन्न करता है। ग्रामीण भारत में पशुओं का स्वास्थ्य, परिवारों की सुरक्षा और आर्थिक प्रगति एक दूसरे के साथ गहराई से जुड़े हैं। पशु विकास दिवस पशुओं की देखभाल, आजीविका के सशक्तीकरण और समुदायों के कल्याण को समर्थन देकर इस सिस्टम को मजबूत बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस पहल के ज़रिए हमारा उद्देश्य ऐसे स्थायी परिणामों का निर्माण करना है जो किसान के परिवार को सशक्त बनाएं और बुनियादी स्तर पर समावेशी विकास को बढ़ावा दें।''

पिछले सालों के दौरान इस पहल को कई राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मान मिले हैं जो इसके प्रभाव और पैमाने की पुष्टि करते हैं। पीवीडी को 2015 में लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में, 2018 में बेस्ट ऑफ इंडिया रिकॉर्ड्स में, 2019 में वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स मे तथा 2024 में एक ही दिन में सबसे बड़े राष्ट्व्यापी पशु देखभाल शिविरों के आयोजन के लिए वर्ल्ड रिकॉर्ड्स युनियन में शामिल किया गया। इसी विरासत को आगे बढ़ाते हुए एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट ने 2025 में एक उल्लेखनीय विश्वस्तरीय उपलब्धि हासिल की, जब पशु विकास दिवस ने देश भर की कई लोकेशनों में एक साथ 'सबसे बड़े कैटल वैलफेयर लैसन' के लिए गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया- जिससे ग्रामीण कल्याण, पशुओं की देखभाल और बड़े पैमाने पर सामुदायिक विकास के लिए कंपनी की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता और मजबूत हुई।

वैश्य समाज महिला इकाई खरगोन द्वारा फाग उत्सव मनाया गया

खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। होली हमारा पारंपरिक त्यौहार है और हमारे यहां होली आने से पूर्व फाग उत्सव मनाया जाता है आँचल मे फाग के गीत गाये जाते है इसलिए वैश्य समाज महिला इकाई खरगोन द्वारा फाग उत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें जिला अध्यक्ष डॉक्टर कीर्ति जैन ने बताया कि फाग उत्सव एक पारंपरिक हिंदू त्योहार है, जो फाल्गुन महीने में मनाया जाता है। यह उत्सव होली के आगमन की खुशी में मनाया जाता है और इसमें भगवान कृष्ण और राधा की पूजा की जाती है। जिला कोषाध्यक्ष कौशल्या अग्रवाल ने कहा कि फाग उत्सव से समाज में खुशी और हर्ष का माहौल रहता है भक्ति उल्लास और पारिवारिक खुशी का माहौल रहता है, इस अवसर पर कृष्ण बन कर आए सोनम सोनी ने कहा कि हमको यह पर्व मनाने में बहुत खुशी होती है और राधा रानी बन कर आए साधना सातले भाभी ने कहा कि फाग उत्सव के दौरान, लोग रंगों के साथ खेलते हैं, गुलाल उड़ाते हैं, और पारंपरिक गीत गाते हैं। यह उत्सव विशेष रूप से राजस्थान, उत्तर प्रदेश, और अन्य उत्तरी राज्यों में मनाया जाता है, इस अवसर पर सभी ने एक दूसरे को गुलाल लगा कर होली की बधाई दी ओर फूलों की होली खेली,ओर भी सदस्य राधा रानी बन कर आई जिसमें दीपिका गुप्ता,संतृप्ति पोरवाल ओर प्रीति मंडलोई रही, इस अवसर पर सभी ने ढोल बजाकर नृत्य किया भजन गाये, गेम कराए गए बेड मिनटन भी कराया गया साथ ही स्वादिष्ट स्वल्पाहार वितरित किया गया इस आयोजन के साक्षी बने डॉ कीर्ति जैन कौशल्या अग्रवाल किरण अग्रवाल मधु अग्रवाल नूतन पाटीदार ज्योति गुप्ता अपेक्षा गुप्ता साधना सातले सोनम सोनी दीपिका गुप्ता पूजा बंसल नगर महामंत्री भानुप्रिया कानूनगो प्रीति मंडलोई प्रिया गुप्ता अपेक्षा गुप्ता पूजा जैन नूतन पाटीदार अनीता गुप्ता आराधना सोनी ज्योति गुप्ता माधुरी गुप्ता, सुमन लाड़ सभी ने मिलकर उत्सव मनाया।

कलेक्टर की अध्यक्षता में नारकोटिक्स को-ऑर्डिनेशन समिति की बैठक सम्पन्न

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में नारकोटिक्स एवं अन्य नशीली दवाओं के अवैध उपयोग, भंडारण एवं विक्रय पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने के उद्देश्य से कलेक्टर नेहा मीना की अध्यक्षता में नारकोटिक्स को-ऑर्डिनेशन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रवर्तन कार्यवाहियों, औषधीय दवाओं की निगरानी तथा जन-जागरूकता गतिविधियों की विस्तार से समीक्षा की गई।

कलेक्टर ने ड्रग इंस्पेक्टर को निर्देशित किया कि प्रशासन एवं पुलिस के संयुक्त दल के साथ नियमित एवं आकस्मिक निरीक्षण अभियान चलाए जाएं। विशेष रूप से शेड्यूल 'एक्स' श्रेणी की दवाओं के क्रय-विक्रय, भंडारण, स्टॉक रजिस्टर संधारण एवं वितरण प्रक्रिया की सघन जांच की जाए। मेडिकल स्टोर्स में वैध प्रिस्क्रिप्शन के आधार पर ही दवाओं का वितरण तथा रिकॉर्ड का विधिवत संधारण सुनिश्चित किया जाए। संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तत्काल पुलिस को उपलब्ध कराने तथा पुनरावृत्ति पाए जाने पर लाइसेंस निलंबन/निरस्तीकरण की कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। बैठक में बताया गया कि विगत माह 36 निरीक्षण किए गए, जिनमें अनियमितता पाए जाने पर 2 लाइसेंस निलंबित एवं 1 लाइसेंस निरस्त किया गया है।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिले के विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं छात्रावासों में विशेष जागरूकता अभियान चलाकर विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों की जानकारी दी जाए। संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान कर वहां विशेष निगरानी रखी जाए तथा पुनर्वास से संबंधित मामलों में स्वास्थ्य विभाग आवश्यक परामर्श सुविधा उपलब्ध कराए। विभिन्न विभागों के समन्वय से सतत जागरूकता गतिविधियां संचालित की जाएंगी, ताकि समाज में नशे के प्रति शून्य सहिष्णुता का वातावरण निर्मित हो और युवा पीढ़ी सुरक्षित एवं स्वस्थ भविष्य की ओर अग्रसर हो सके।

सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम, 2003 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु शैक्षणिक संस्थानों के 100 मीटर की परिधि में स्थित दुकानों की नियमित एवं सघन जांच करने के निर्देश दिए गए। विद्यालय, महाविद्यालय एवं छात्रावासों के आसपास किसी भी प्रकार के नशीले अथवा मादक पदार्थों की उपलब्धता पूर्णतः प्रतिबंधित रहे, यह सुनिश्चित करने को कहा गया।

पुलिस अधीक्षक डॉ. शिवदयाल सिंह ने कहा कि NCORD के अंतर्गत पुलिस द्वारा की जा रही कार्यवाहियों को और अधिक सशक्त बनाया जाएगा। अवैध मादक पदार्थों की तस्करी, भंडारण एवं वितरण के विरुद्ध कार्यवाही की जाए तथा संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जाए। बैठक में अपर कलेक्टर श्री सी.एस. सोलंकी, सहायक कलेक्टर श्री आशीष कुमार, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ श्री महेश मण्डलोई, एसडीओपी झाबुआ श्रीमती रूपरेखा यादव, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बीएस बघेल सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर का हुआ समापन

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय सुसनेर के प्राचार्य डॉ जी सी गुप्ता के मार्गदर्शन में महाविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा ग्राम मैना में 18 फरवरी बुधवार से 24 फरवरी मंगलवार तक सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया था। जिसका समापन समारोह मंगलवार को प्राचार्य डॉ जी सी गुप्ता की अध्यक्षता एवं शासकीय माध्यमिक विद्यालय मैना के प्रधानाध्यापक युनुस सर के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत स्वागत गीत से हुई, जिसके पश्चात उपस्थित अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया गया।

समारोह में स्वयंसेवकों द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना का लक्ष्य गीत उठे समाज के लिए उठे उठे तथा हम होंगे कामयाब सहित अन्य प्रेरणादायक गीत प्रस्तुत किए गए, जिससे वातावरण में ऊर्जा और उत्साह का संचार हुआ। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ जी सी गुप्ता ने अपने उद्बोधन में स्वयंसेवकों के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए समाज निर्माण में युवाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम के दौरान शिविर में सक्रिय सहभागिता निभाने वाले स्वयंसेवकों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। दौरान महाविद्यालय के स्टॉफ सदस्य रामकुमार अंजोरिया, डॉ आदिश कुमार जैन, आकांक्षा श्रीवास्तव,डॉ ताज नुदरत कुरैशी, मुकेश कुमार दांगी, लवीश जैन, डॉ रेखा चंद्रपाल,सीमा मुवेल, श्रद्धा पांडे बद्रीलाल डाबी, सागर भारती सहित सभी स्टॉफ सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेवक अमन सोनी द्वारा किया गया, जबकि आभार प्रदर्शन स्वयंसेवक प्रिया राजपूत ने व्यक्त किया। उक्त जानकारी राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी काशीराम प्रजापति ने दी।

ऐतिहासिक सेवानिवृत्ति कार्यक्रम आप साधारण मंत्र

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया ग्राम इमली खेड़ा निवासी जो कि पिछले 43 वर्षों से विद्युत विभाग में मध्य विद्युत विभाग लाइनमैन के पद पर पदस्थित है 43 वर्ष तक लगातार जन-जन के लिए कार्य करते रहे विभागीय एवं प्रशासनिक व्यवस्था अनुसार उनका रिटायरमेंट हो चुका है उनके परिवार जनों ने विशाल एवं ऐतिहासिक विदाई समारोह का कार्यक्रम 1 मार्च 2026 रविवार को सुबह 10 बजे से 1 तक निज निवास ग्राम इमली खेड़ा तहसील गोलाना में आयोजित किया है परिवारजन एवं 43 वर्षों तक बिजली विभाग में सेवा का समर्पण करने वाले रिटायर लाइनमैन रमेश चंद्र मेवाड़ा ने क्षेत्र वासियों से अधिक से अधिक संख्या में उक्त आयोजन में शामिल होकर हमारे परिवार की शोभा बढ़ाने के लिए अपील की 43 वर्षों से लगातार बिजली विभाग में सेवा देने वाले लाइनमैन गोलाना डीसी में लगभग कार्यरत रहे हैं इसलिए क्षेत्र में उनका गांव-गांव के लोग जान ते हैं और हमेशा इमानदारी पूर्वक कार्य करने वाले रमेश चंद्र लाइनमैन ने किसान हित के लिए लंबे समय से कार्य किया है उन्होंने अपने सेवानिवृत्ति के अवसर पर आयोजित विदाई समारोह कार्यक्रम का निमंत्रण गांव पहुंचा है और सभी क्षेत्र वासियों से आयोजन में शामिल होने के लिए अपील की है जहां श्री रमेश चंद्र लाइनमैन के सेवानिवृत्ति अवसर पर आयोजित विदाई समारोह कार्यक्रम की पूरे जिले में खुशी की लहर छा गई है हर कोई 1 तारीख का इंतजार कर रहा है।

डॉ संजय मंडलोई टॉप 5 यंग कंसल्टेंट ऑफ प्रदेश के प्रतिष्ठित सम्मान से सम्मानित

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया मध्य प्रदेश के चिकित्सा क्षेत्र के लिए बड़े गर्व बात है शुजालपुर से डॉ. संजय मंडलोई को टॉप 5 यंग कंसल्टेंट ऑफ मध्य प्रदेश के प्रतिष्ठित सम्मान से नवाजा गया है। यह सम्मान उन्हें चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान, समर्पित सेवा और रोगी-केंद्रित उपचार के लिए प्रदान किया गया।

यह पुरस्कार इंडियन कॉलेज ऑफ फिजिशियन के डीन डॉ. अरुलराज के कर-कमलों द्वारा होटल सायाजी इंदौर में आयोजित गरिमामय समारोह में प्रदान किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के अनेक वरिष्ठ चिकित्सक, शिक्षाविद् और स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

डॉ. संजय मंडलोई ने चिकित्सा के क्षेत्र में आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नैतिक मूल्यों और मानवीय संवेदनाओं के साथ कार्य करते हुए मरीजों की बेहतर देखभाल को प्राथमिकता दी है। उनका यह सम्मान न केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि मध्य प्रदेश के युवा चिकित्सकों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी है। उपस्थित सभी अतिथियों ने उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

डॉ संजय मंडलोई का पूरा परिवार जिले में सेवा हेतु सा समर्पित

गौरतलब है कि डॉक्टर संजय मंडलोई लंबे समय से अपने परिवार के साथ कालापीपल शुजालपुर विधानसभा क्षेत्र में आम जनों की सेवा के लिए तत्पर खड़े रहते हैं वह हाल ही में सुजालपुर अस्पताल संचालित कर रखा है लेकिन पारिवारिक दृष्टिकोण राजनीति से तालुका रखते हैं दादाजी वर्तमान में गहलोत मेवाड़ राजपूत समाज के केंद्रीय अध्यक्ष है और पूर्व विधायक भी रह चुके कालापीपल शुजालपुर विधानसभा क्षेत्र की राजनीति में मंडलोई परिवार हमेशा जन सेवा के लिए जान जाता है डॉ मंडलोई के पापा भूमि विकास बैंक के लंबे समय से अध्यक्ष रहे हैं चाचा शिव प्रताप सिंह मंडलोई भी अकोदिया नगर पंचायत में दो बार अध्यक्ष के पद पर कार्यरत रहे थे छोटे अनुज भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता भी माने जाते हैं बड़े भैया अकोदिया नगर पंचायत क्षेत्र की राजनीति से भी तालुका रखते हैं सामाजिक कार्य के साथ कालापीपल शुजालपुर क्षेत्र वासियों के लिए मंडलोई परिवार वरदान की तरह साबित हुए हैं राजनीति से लेकर बिजनेस लाइन एवं चिकित्सा क्षेत्र में भी मंडलोई परिवार की महत्वपूर्ण भूमिका रही है इससे पहले भी डॉक्टर संजय मंडलोई द्वारा कालापीपल विधानसभा क्षेत्र में अनेक जगह स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर हजारों मरीजों को निशुल्क स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध करवाई स्वास्थ्य संबंधित कार्य के लिए मंडलोई सासमर्पित- शाजापुर जिले में जब भी कोई स्वास्थ्य संबंधित किसी कोई बड़ी बीमारियां से संबंधित कोई व्यक्ति होता है तो सलाह के लिए डॉक्टर संजय मंडलोई को टेलीविजन के माध्यम से कहां किनको बताना है जैसी समस्याओं से संबंधित जानकारियां भी लेते हैं जहां एक पल में बेहतरीन स्वास्थ्य सेवा से संबंधित संबंधित बड़े स्तरीय डॉक्टर से संपर्क कर वह खुद भी समय-समय पर फोन लगाकर उनके हाल-चाल जानते हैं जो कि हमारे जिले के लिए एक गौरव का पाल है

दादा जी से मिली है सेवा की प्रेरणा - चिकित्सा के क्षेत्र में एक बड़े ओहदे पर कार्य करने वाले डॉक्टर मंडलोई बताते हैं कि यहां मैं हॉस्पिटल में सेवा कार्य के ही जिले में भी यहां मेरी जरूरत पड़ती है मैं पल भर में हाजिर हो जाता हूं जब क्षेत्र में या जिला भर में कोई ऐसे बड़े मामले सामने आते हैं तो वह भी मेरे से उम्मीद करते हैं तो मैं उनकी उम्मीद पर खरा उतरता हूं क्योंकि देश में सबसे बड़ी सेवा होती है और यह पूरी प्रेरणा मुझे मेरे दादाजी पूर्व विधायक श्री केदार सिंह जी मंडलोई से प्राप्त हुई है दादा जी हमेशा कहते हैं कि जब कोई व्यक्ति की तबीयत खराब होती हैं वह किसी प्रकार की परेशानी में होता है तो उसे एक अच्छे स्वास्थ्य की तलाश में रहता है और अगर समय रहते पीड़ित व्यक्ति को एक अच्छी स्वास्थ्य सेवा मिल जाए तो वह नई जिंदगी में तब्दील हो जाता है जो जीवन भर आपको दुआ देता है इसलिए इस प्रकार की सेवा के लिए कभी भी घड़ी का कांटा मत देखना इस समय आपको कोई याद करें और सेवा के लिए तुरंत पहुंच जाए की बात कही।

बघाना पुलिस को मिली बडी सफलता

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया निमच पुलिस अधीक्षक श्री अंकित जायसवाल द्वारा रेल्वे फाटक के पास बघाना से चोरी की गई इलेक्ट्रीक स्कुटी की शिघ्र पतारसी कर कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया था, जो अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री नवलसिंह सिसोदिया एवं नगर पुलिस अधीक्षक सुश्री किरण चौहान के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी बघाना श्री राधेश्याम दांगी के नेतृत्व में पृथक- पृथक पुलिस टीमों का गठन किया गया।

पुलिस टीमों द्वारा घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी केमरो का अवलोकन करते एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी गई इलेक्ट्रीक स्कुटी को लेकर जाता दिखायी दिया तथा मुखबीर सूचना के आधार पर मुलचंद मार्ग शराब ठेके के पास व्यक्ति स्कुटी बेचने की बात करने की सूचना प्राप्त होने पर मोके पर पहुचकर मुखबीर द्वारा बताये हुलिए के व्यक्ति सुजल पिता राधेश्याम मावर उम्र 20 साल नि सुभाष नगर चौकी हाट की चौकी थाना स्टेशन रोड जिला रतलाम से हिकमतअमली से पुछताछ करते जुर्म स्वीकार करने पर चंद घंटे के अंदर गिरफ्तार कर चोरी गया मश्रुका इलेक्ट्रोनिक टीवीएस आई क्यु स्कुटी को जप्त करने में बडी सफलता मिली है। अग्रिम विवेचना जारी है। उक्त मामले में बघना पुलिस की सराहनीय भुमिका–मे निरी. राधेश्याम दांगी , उनि आर के सिंघावत , प्रआर मोनवीरसिंह , आर भरतलाल पाटीदार, आर अजातशत्रुसिंह , आर ओमप्रकाश पारगी , आर राहुल डाबी का सराहनीय योगदान रहा।

सिस्टम के गड्ढे ने ली इकलौते बेटे की जान, खबर के बाद जागा प्रशासन

नीमच-सिंगोली मार्ग हादसा- सांवलिया कंस्ट्रक्शन के ठेकेदार दीपक तेली पर बीएनएस की धारा 125(ए) और 106(1) में केस, बड़े जिम्मेदारों पर अब भी सवाल

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सड़कें विकास की जीवनरेखा मानी जाती हैं, लेकिन नीमच-सिंगोली मार्ग पर चल रहा निर्माण कार्य एक परिवार के लिए मौत का फरमान बन गया। ठेकेदार की घोर लापरवाही और विभागीय अनदेखी के चलते निर्माणाधीन पुलिया के गहरे गड्ढे में गिरकर जावद निवासी एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर हालत में अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच झूल रहा है।

रविवार देर शाम डीकेन चौकी क्षेत्र अंतर्गत लक्ष्मीपुरा (दड़ौली के समीप) निर्माणाधीन पुलिया पर हुए इस दर्दनाक हादसे और सुरक्षा में बरती गई शून्य लापरवाही को मीडिया ने पूरी संवेदनशीलता के साथ प्रमुखता से उठाया था। जनता के भारी आक्रोश और मिडिया की बेबाक रिपोर्टिंग का बड़ा असर हुआ है। प्रशासन ने सोमवार रात को सांवलिया कंस्ट्रक्शन के ठेकेदार पर गैर-इरादतन हत्या और लापरवाही का मामला दर्ज कर लिया है। हालांकि, अब भी यह सवाल उठ रहा है कि क्या केवल ठेकेदार पर कार्रवाई कर मामले की फाइल बंद कर दी जाएगी, या निर्माण की निगरानी करने वाली एजेंसी एमपीआरडीसी के इंजीनियरों पर भी शिकंजा कसा जाएगा?

यह है मातम की असल दास्तां- छिन गया पिता का सहारा- मृतक सौरभ अपने पिता विनोद गंगवाल का इकलौता बेटा और उनका सहारा था। बेटे की इस तरह अचानक हुई मौत ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। जिस घर के आंगन में कभी खुशियां गूंजती थीं, वहां अब मातम पसरा है। वहीं, सौरभ का साथी गौरव पिता संजय कानिगावा गंभीर रूप से घायल है और अस्पताल में जिंदगी की जंग लड़ रहा है।

ग्राउंड जीरो का खौफनाक सच- मौत को न्योता दे रहा था निर्माण स्थल

हादसे के बाद जब पत्रिका ने घटनास्थल का जायजा लिया, तो वहां के हालात रोंगटे खड़े कर देने वाले थे।

सुरक्षा के शून्य इंतजाम - पुलिया निर्माण के लिए खोदा गया गहरा गड्ढा पानी से भरा हुआ था, जो किसी खुले मौत के कुएं जैसा नजर आ रहा था।

चेतावनी का अभाव- मौके पर न कोई रेलिंग थी, न बैरिकेडिंग की समुचित व्यवस्था, और न ही रात के अंधेरे में चमकने वाले रेडियम संकेत।

गिरा पड़ा था डायवर्सन बोर्ड- निर्माण स्थल के पास डायवर्सन का सांकेतिक बोर्ड भी नीचे गिरा हुआ मिला। अंधेरा होने के कारण निर्माणाधीन हिस्सा स्पष्ट नहीं दिखा और बाइक अनियंत्रित होकर सीधे अधूरे हिस्से में जा गिरी।

पुलिस का बड़ा एक्शन- ठेकेदार दीपक तेली पर दर्ज हुआ प्रकरण

मामले की गंभीरता और जनता के आक्रोश को देखते हुए डीकेन चौकी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की है। पुलिस ने निर्माण कार्य कर रही सांवलिया कंस्ट्रक्शन के ठेकेदार दीपक पिता बाबूलाल तेली के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 125(ए) और 106(1) के तहत मामला कायम कर लिया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार निर्माण स्थल पर सुरक्षा मानकों की विस्तृत जांच की जा रही है।

जनता का आक्रोश- यह हादसा नहीं, सिस्टम की हत्या है

इस दर्दनाक घटना के बाद क्षेत्र में भारी आक्रोश है। लोगों का स्पष्ट कहना है कि यह केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि ठेकेदार और निगरानी करने वाले अधिकारियों की मिलीभगत और लापरवाही से हुई हत्या है। जनता अब दिल्ली जैसे बड़े शहरों की तर्ज पर दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग कर रही है।

जिम्मेदारों के वर्ज़न (इन्होंने यह कहा)

> यह प्रारंभिक कार्रवाई है, अन्य दोषियों पर भी होगी सख्त कानूनी कार्रवाई।

> नीमच-सिंगोली मार्ग पर कार्य करने वाले ठेकेदार के खिलाफ गैर-इरादतन हत्या और लापरवाही से जुड़ी धारा 125-ए के तहत कार्रवाई की गई है। यह एक प्रारंभिक कार्रवाई है। विवेचना के आधार पर इस मामले में निर्माण से जुड़े जो भी अन्य लोग (इंजीनियर/एजेंसी) दोषी पाए जाएंगे, उनके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

> - रोहित राठौर, एसडीओपी, जावद

> प्रारंभिक जानकारी के आधार पर प्रकरण दर्ज करने के आदेश दिए गए।

> घटना बेहद दुखद है। मामले की प्रारंभिक जानकारी सामने आते ही लापरवाही के तथ्यों के आधार पर पुलिस को तत्काल प्रकरण दर्ज करने के सख्त निर्देश दे दिए गए थे। मामले की गहन जांच की जा रही है।

> - प्रीति संघवी, एसडीएम, जावद

> एमपीआरडीसी के अधिकारी ने साधी चुप्पी

> इस गंभीर लापरवाही और निर्माण एजेंसी की जिम्मेदारी को लेकर जब एमपीआरडीसी के अधिकारी राहुल बर्वे से जानकारी चाहने के लिए संपर्क किया गया, तो उन्होंने फोन उठाना मुनासिब नहीं समझा। जिम्मेदार अधिकारी की यह चुप्पी कई बड़े सवाल खड़े कर रही है।

कलेक्टर द्वारा अवैध परिवहन के 7 प्रकरणों में 4 लाख से अधिक की शास्ति आरोपित

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमाशु चंद्रा द्वारा अवैध खनिज परिवहन के सात प्रकरणों में कुल 4 लाख 82 हजार 751 की शास्ति अधिआरोपित की गई हैं। कलेक्टर श्री चंद्रा ने म.प्र. खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के तहत अनावेदक अवैध परिवहनकर्ता वाहन मालिक रंजीत पिता राजेन्द्र राजपुत निवासी दारू द्वारा खण्डा का अवैध परिवहन करने पर खनिज रायल्टी का 15 गुना अर्थशास्ति राशि 2700 रूपए एवं पर्यावरण क्षतिपूर्ति 10 हजार 714 रूपये इस प्रकार कुल 13 हजार 414 रूपए की शास्ति अधिरोपित की हैं। अनावेदक अवैध परिवहनकर्ता वाहन मालिक विनोद पिता कारूलाल मीणा निवासी चेनपुरा डेम द्वारा खण्डा का अवैध परिवहन करने पर खनिज रायल्टी का 15 गुना अर्थशास्ति राशि 2700 रूपए एवं पर्यावरण क्षतिपूर्ति 10 हजार 714 रूपये इस प्रकार कुल 13 हजार 414 रूपए की शास्ति अधिरोपित की हैं।

अनावेदक अवैध परिवहनकर्ता वाहन मालिक मोईनुद्दीन पिता मोहम्मद यूसुफ छिपा निवासी एच-129 1-2 मोहम्मदी कॉलोनी शास्त्री नगर भीलवाडा द्वारा गिट्टी का अवैध परिवहन करने पर खनिज रायल्टी का 15 गुना अर्थशास्ति राशि 7200 रूपए एवं पर्यावरण क्षतिपूर्ति 4 लाख 4 हजार 444 रूपये इस प्रकार कुल 51 हजार 644 रूपए की शास्ति अधिरोपित की हैं।

अनावेदक अवैध परिवहनकर्ता वाहन मालिक दुर्गाशंकर पिता चौथमल भील निवासी दारू द्वारा खण्डा का अवैध परिवहन करने पर खनिज रायल्टी का 15 गुना अर्थशास्ति राशि 3600 रूपए एवं पर्यावरण क्षतिपूर्ति 25 हजार रूपये इस प्रकार कुल 28 हजार 600 रूपए की शास्ति अधिरोपित की हैं।

अनावेदक अवैध परिवहनकर्ता वाहन मालिक पदमसिह पिता जोरावरसिह हाडा निवासी दामोदरपुरा द्वारा मिट्टी का अवैध परिवहन करने पर खनिज रायल्टी का 15 गुना अर्थशास्ति राशि 7500 रूपए एवं पर्यावरण क्षतिपूर्ति 20 लाख रूपये इस प्रकार कुल 2 लाख 7 हजार 500 रूपए की शास्ति अधिरोपित की हैं।

अनावेदक अवैध परिवहनकर्ता वाहन मालिक भगवतसिह पिता मोहनसिह हाडा निवासी गिरधरपुरा कोटा द्वारा गिट्टी का अवैध परिवहन करने पर खनिज रायल्टी का 15 गुना अर्थशास्ति राशि 7200 रूपए एवं पर्यावरण क्षतिपूर्ति एक लाख 14 हजार 285 रूपये इस प्रकार कुल 2 लाख 21 हजार 485 रूपए की शास्ति अधिरोपित की हैं।

अनावेदक अवैध परिवहनकर्ता वाहन मालिक शुभम पिता उमेश जायसवाल निवासी डगला का खेडा द्वारा एमसेण्ड का अवैध परिवहन करने पर खनिज रायल्टी का 15 गुना अर्थशास्ति राशि 2250 रूपए एवं पर्यावरण क्षतिपूर्ति 44 हजार 444 रूपये इस प्रकार कुल 46 हजार 694 रूपए की शास्ति अधिरोपित की हैं। खनिज विभाग द्वारा खनिज का अवैध उत्खनन पाए जाने पर, प्रकरण पंजीबद्ध कर, कलेक्टर न्यायालय नीमच में प्रस्तुत किया गया था।

कार्यालय नगर परिषद् उन्हेल, जिला–उज्जैन (म.प्र.)

कमांक/ 321 /राजस्व शाखा/2026 उन्हेल,दिनांक 25/02/2026

(वसूली ठेका निलामी विज्ञप्ति)

सर्वसाधारण एवं संबंधितो को सूचित किया जाता है कि, नगर परिषद उन्हेल सीमाक्षैत्र के भीतर निम्नवर्णित अनुसूचि अनुसार वसूली वर्ष 2026–27 अर्थात दिनांक 01.04.2026 से 31.03.2027 तक की समयावधि हेतु सार्वजनिक नीलामी द्वारा ठेके पर दी जाना है। बोली लगाने वाले इच्छुक व्यक्ति को बोली में भाग लेने के लिये निर्धारित अमानत राशि दिनांक 12.03.2026 को 4.00 बजे तक कार्यालय राजस्व शाखा में जमा करवाकर रसीद प्राप्त करना अनिवार्य होगा। अतः इच्छुक व्यक्ति निर्धारित अमानत राशि जमा कर दिनांक 13/03/2026 को दोपहर 2 से 4 बजे तक निकाय के कार्यालय परिसर में उपस्थित रहकर निलामी बोली में भाग ले सकते है।

क.	निलामी हेतु मद ठेका का नाम	अमानत राशि	स्थान
1	2	3	4
1	पशु पंजीयन शुल्क वसूली एवं खूटा चिट्ठी ठेका निलामी।	25,000/–	नगर परिषद् उन्हेल

नोटः– शर्ते एवं विस्तृत जानकारी कार्यालयीन समय में राजस्व शाखा में देखी जा सकती है।

अध्यक्ष
नगर परिषद् उन्हेल

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद् उन्हेल जिला उज्जैन

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

सिंहस्थ क्षेत्र में चला बुलडोजर.. धर्मशाला और आश्रमों में हुए अवैध निर्माणों पर प्रशासन की कार्रवाई

नृसिंह घाट और लालपुल क्षेत्र में 2016 के बाद बने पक्के निर्माण ध्वस्त, मेला क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त करने का अभियान शुरू

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए जिला प्रशासन ने बुधवार सुबह सख्त रुख अपनाते हुए नृसिंह घाट और लालपुर क्षेत्र में अवैध रूप से बन रहे आश्रमों पर बुलडोजर चलाया। सुबह करीब 7 बजे नगर निगम की रिमूवल गैंग भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची और चिन्हित अवैध निर्माणों को तोड़ने की कार्रवाई शुरू की गई।

प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि सिंहस्थ मेला क्षेत्र में नियमों को ताक पर रखकर किए गए किसी भी पक्के निर्माण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कार्रवाई के दौरान पूरे क्षेत्र में हलचल का माहौल रहा, जबकि प्रशासनिक अमला लगातार मौके पर डटा रहा।

लालपुल और नृसिंह क्षेत्र में में गिरी गाज- कार्रवाई के तहत लाल पुल क्षेत्र स्थित स्वामी संदीपेंद्र आश्रम के निर्माणाधीन अवैध हिस्सों को ध्वस्त किया गया। इसके साथ ही नृसिंह घाट क्षेत्र में क्षत्रिय कलोता समाज पारमार्थिक न्यास एवं अभा चंद्रवंशी समाज आश्रम के परिसरों में नियमों के विरुद्ध किए गए पक्के निर्माणों को भी हटाया गया।

अधिकारी मौके पर, पुलिस बल लगाया- प्रशासन की टीम ने पहले से चिन्हित ढांचों को प्राथमिकता से तोड़ा। अधिकारियों के अनुसार, संबंधित संस्थाओं को पूर्व में नोटिस जारी किए जा चुके थे, लेकिन संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर यह सख्त कदम उठाया गया। सिंहस्थ क्षेत्र में अवैध निर्माणों पर सुबह हुई कार्रवाई के दौरान नगर निगम के अपर आयुक्त संतोष टैगोर, एसडीएम एलएन गर्ग और तहसीलदार शैफाली जैन सहित प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर मौजूद रहकर कार्रवाई पर नजर रखी। किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पुलिस बल तैनात रहा।

2016 के बाद बने निर्माणों पर सख्ती- प्रशासन के अनुसार यह कार्रवाई मुख्य रूप से वर्ष 2016 के सिंहस्थ के बाद अस्तित्व में आए पक्के निर्माणों पर केंद्रित है। सिंहस्थ मेले के दौरान साधु-संतों के डेरे, टेंट और लाखों श्रद्धालुओं के लिए पार्किंग व अन्य व्यवस्थाओं हेतु बड़े खुले क्षेत्र की आवश्यकता होती है।

मादक पदार्थ गांजे के साथ हिरासत में आया युवक

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मादक पदार्थ गांजे के साथ बीती रात एक युवक को पुलिस ने हिरासत में लिया है। इसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट का प्रकरण दर्ज कर बुधवार दो पर न्यायालय में पेश किया गया। युवक को रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है। गांजा 15 हजार रुपए से अधिक कीमत का है। चिमनगंज थाना पुलिस ने बताया कि सूचना मिली थी कि गरोठ रोड उन्हेल नागदा ब्रिज के पास एक युवक मादक पदार्थ ठिकाने लगाने की फिराक में पहुंचने वाला है। पुलिस टीम ने युवक को गिरफ्तार करने के लिए घेराबंदी की। ब्रिज के पास एक युवक दिखाई दिया। जिसके पास एक थैली थी। शंका के आधार पर पुलिस ने उसे हिरासत में लिया और थैली की तलाशी ली तो उसमें गांजा रखा होना सामने आया जो 1 किलो 355 ग्राम था। थाने लाने पर युवक का नाम राजेन्द्र पिता धूलचंद जैन निवासी बदनावर हालमुकाम नयापुरा उज्जैन होना सामने आया। उससे बरामद गांजे की कीमत 15 हजार रुपए होना सामने आई है। पूछताछ में सामने आया कि वह उज्जैन में रहकर खाना बनाने का काम करता है। गांजा बदनावर से ही लेकर आया था। पुलिस ने मामले में एनडीपीएस एक्ट का प्रकरण दर्ज किया है। बुधवार दोपहर बाद न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लिया गया। पुलिस के अनुसार रिमांड अवधि में गांजा उपलब्ध कराने और लेने वाले दोनों की जानकारी जुटाकर गिरफ्तारी के प्रयास किए जाएंगे।

कार्य की गुणवत्ता और भौतिक प्रगति की जांच समय-समय पर की जाएगी- कलेक्टर श्री सिंह

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने बुधवार दोपहर कलेक्टर कार्यालय सभागृह में विभागीय निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में सिंहस्थ 2028 के निर्माण कार्य से पृथक विभागों द्वारा किए जा रहे अन्य विभागीय निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में लोक निर्माण विभाग,लोक निर्माण सेतु, भवन विकास विभाग, पीआईयू, सिंचाई विभाग, ग्रामीण सेवा यांत्रिकी, यूडीए ,पुलिस हाउसिंग, एमपीईबी, एमपीआरडीसी और अन्य निर्माण विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य समयसीमा में पूर्ण करें। कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। गुणवत्ता और भौतिक प्रगति की जांच समय-समय पर निरीक्षण के दौरान की जाएगी। बैठक में कार्यपालन यंत्री भवन (पीआईयू) ने जानकारी दी कि स्वास्थ्य विभाग के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तराना का 100 बिस्तरीय सिविल अस्पताल भवन में उन्नयन का का कार्य प्रगति पर है। बड़नगर में खेल मैदान एवं पाथवे का निर्माण 30 जुलाई के पहले, घट्टिया में शासकीय आईटीआई का निर्माण नवंबर 2026।

महाकाल मंदिर सुरक्षा कर रही कंपनी का लाइसेंस ही नहीं

सहायक श्रम आयुक्त की टीम ने मौके पर की जांच

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकालेश्वर मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बड़ी खामी सामने आई है। श्रम विभाग की जांच में पाया गया कि मंदिर परिसर में सुरक्षा सेवाएं दे रही निजी कंपनी बिना वैध लेबर लाइसेंस के काम कर रही थी। इतना ही नहीं सुरक्षाकर्मियों को शासन द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन से कम भुगतान किए जाने की बात भी सामने आई है।

यह मामला उजागर होते ही श्रम विभाग हरकत में आया और संबंधित कंपनी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि कंपनी के जवाब के बाद नियमानुसार आगे की सख्त कार्रवाई की जाएगी। सहायक श्रम आयुक्त के निर्देश पर श्रम निरीक्षक की टीम मंगलवार शाम मंदिर परिसर पहुंची। टीम ने सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े दस्तावेजों की जांच की। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि कंपनी के पास वैध लेबर लाइसेंस नहीं था, जबकि वह पिछले कुछ समय से मंदिर में सुरक्षा कर्मियों की तैनाती कर रही थी। जांच के दौरान सुरक्षा कर्मियों के बयान भी दर्ज किए गए। कई कर्मचारियों ने बताया कि उन्हें निर्धारित न्यूनतम वेतन से कम भुगतान किया जा रहा है। यह श्रम कानूनों का सीधा उल्लंघन माना गया है। गौरतलब है कि महाकाल मंदिर देश के सबसे संवेदनशील धार्मिक स्थलों में गिना जाता है। ऐसे स्थान पर सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की अनियमितता गंभीर चिंता का विषय मानी जा रही है।

70 साल के बुजुर्ग को बोलेरो चालक ने कुचला, हालत गंभीर

उज्जैन। बुधवार सुबह आगर रोड पर तेज गति से दौड़ती बोलेरो ने स्कूटी सवार वृद्ध को टक्कर मार दी वृद्ध गंभीर रूप से घायल हुआ है। लोगों की मदद से उसे चरक अस्पताल में भर्ती कराया गया।

विराट नगर में रहने वाले शकूर पिता सादिक खान 70 वर्ष वाहनों में आयल ग्रीस करने का काम करते हैं। सुबह स्कूटी पर सवार होकर निकले थे और अगर रोड स्थित नाके पर पेट्रोल भरवाने पहुंचे। जहां से मोहन नगर लौट के लिए स्कूटी से आ रहे थे इस दौरान तेज गति से आई बोलेरो ने टक्कर मार दी। वृद्ध शकूर खान गंभीर रूप से घायल हो गए। लोगों की मदद से उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। दुर्घटना की जानकारी लगने पर परिजन अस्पताल पहुंच गए थे। चिमनगंज थाना पुलिस ने मामला जांच में लिया है मौके से भागे बोलेरो चालक की तलाश की जा रही है।

इधर ई रिक्शा ने मारी बाइक को टक्कर- सुबह दुर्घटना का एक मामला महाकाल लोग के पास हुआ बाइक पर सवार शुभम पिता सुरेश निवासी नीलगंगा को ई-रिक्शा ने टक्कर मार दी। शुभम घायल हुआ है जिसे चरक अस्पताल में भर्ती किया गया। घायल ने बताया कि वहां महाकाल मंदिर के पास फुल प्रसाद जी की दुकान लगता है आज सुबह फूल मंडी दूध तलाई से फूल लेकर वापस दुकान लौट रहा था इस दौरान रिक्शा चालक ने उसे टक्कर मार दी। मामले में महाकाल थाना पुलिस ने घायल के बयान दर्ज किए हैं।

दो आयशर की बीच भिड़ंत, एक चालक घायल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। गरोठ मार्ग पर बुधवार सुबह धमाके के साथ आयशर का टायर फट गया। अचानक हुए ब्लास्ट से पीछे आ रहा आयशर चालक का संतुलन बिगड़ा और वह आगे चल रही आयशर से टकरा गया। चिमनगंज थाना क्षेत्र से गुजरे गरोठ हाईवे ब्रिज पर आज सुबह 5 के लगभग एक के पीछे एक चल रही दो आयशर में उसे वक्त भिड़ंत हो गई जब आगे चल रही आईसर का पिछला टायर अचानक धमाके के साथ फट गया। टायर ब्लास्ट होते ही चालक का संतुलन बिगड़ गया। पीछे आ रही आयशर का चालक भी तत्काल ब्रेक नहीं लगा पाया और आगे चल रही आईसर से जा टकराया। हादसा होने पर पीछे चल रही आईसर का चालक आशिक पिता मोहम्मद खान निवासी हरियाणा घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए अस्पताल लाया गया आशिक ने घटनाक्रम बताते हुए कहा कि वह पीथमपुर से हरी सब्जी लेकर दिल्ली जा रहा था।

चौड़ीकरण में बाधा डालने वाले 2 आरोपी गिरफ्तार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। ढाबा रोड पर को चौड़ीकरण कार्य में बाधा डालने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दोनों के खिलाफ नगर निगम उपयंत्री द्वारा शासकीय कार्य में बाधा डालने की शिकायत दर्ज कराई गई थी। खड़ा कुआं थाना पुलिस ने बताया कि सिंहस्थ 2028 के अंतर्गत टंकी चौक से मावा बाजार-ढाबारोड मार्ग पर रोड चौड़ीकरण कार्य किया जा रहा है, जिसका ठेका बिलीफ विल्डकान कंपनी को दिया गया है। मंगलवार शाम कंपनी के ट्रैक्टर चालक विक्रम एवं श्याम मलबा परिवहन कार्य कर रहे थे, तभी नासीर लाला एवं गुलरेज खान अपने अन्य साथियों के साथ आए और ट्रैक्टर चालकों के साथ गाली-गलौज कर मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी दी। बीच-बचाव करने आए नगर निगम कर्मचारियों के साथ भी आरोपियों ने झूमाझटकी एवं मारपीट की। मामले की शिकायत मुकुल मेश्राम, उपयंत्री, नगर निगम उज्जैन द्वारा थाना खाराकुआं पर उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई गई। मामले में दोनों के खिलाफ शासकीय के कार्य में बाधा का प्रकरण दर्ज किया गया। बुधवार को दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

आगामी त्यौहारों के दृष्टिगत खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्यवाही जारी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी त्यौहार होली और रमजान को ध्यान में रखते हुए आमजन को स्वच्छ एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के निर्देश पर जिले में लगातार निरीक्षण एवं नमूना कार्यवाही की जा रही है। आज दिनांक 25.02.2026 को खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के दल द्वारा उज्जैन में सांवरिया किराना एवं जनरल स्टोर मक्सी रोड उज्जैन से शीतल नूडल्स का नमूना, लक्ष्मी किराना स्टोर मक्सी रोड से मेज स्टार (आरारोट) का नमूना, भगवती डेयरी एण्ड स्वीट्स मक्सी रोड उज्जैन से मिल्क केक का नमूना, अनंत इन्टरप्राईजेस घी मण्डी उज्जैन से रवा का नमूना, राजू स्वीट्स तोपखाना उज्जैन से बूंदी के लड्डू का नमूना के नमूनें लिये गये।

कलेक्टर श्री सिंह और नगर निगम आयुक्त श्री मिश्रा ने नानाखेड़ा से शांति पैलेस , दो तालाब से टैगोर चौराहा मार्ग निर्माण कार्यों का औचक निरीक्षण किया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह और नगर निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा ने नानाखेड़ा से शांति पैलेस ,दो तालाब से टैगोर चौराहा मार्ग निर्माण कार्यों का औचक निरीक्षण बुधवार सुबह किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने कार्यों की डिजाईन, ड्राईंग अनुसार प्रगतिरत कार्यों का सूक्ष्मता से अवलोकन कर जायजा लिया। कलेक्टर श्री सिंह ने अवलोकन कर निर्देश दिए कि साइट पर काउंटडाउन बोर्ड पर प्रतिदिन कार्य की प्रगति दर्ज कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। प्रगतिरत कार्यों में लेबर संख्या बढ़ाकर कार्य की प्रगति में तेजी लाए, जिससे कार्य निर्धारित समयसीमा के पूर्व पूर्ण हो सके। कार्यों में समय सीमा और गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दे।

4 लाख 42 हजार से अधिक किसानों ने समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिये कराया पंजीयन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने जानकारी दी है कि रबी विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिये अब तक 4 लाख 42 हजार 288 किसानों ने पंजीयन करा लिया है। किसान 7 मार्च तक पंजीयन करा सकते हैं। उन्होंने किसानों से अपील की है कि निर्धारित समय में पंजीयन जरूर करा लें। उन्होंने बताया है कि किसान पंजीयन की व्यवस्था को सहज और सुगम बनाया गया है। कुल 3186 पंजीयन केन्द्र बनाये गए हैं। केन्द्र सरकार द्वारा वर्ष 2026-27 के लिये गेहूँ का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2585 रूपये प्रति क्विंटल घोषित किया गया है, जो गत वर्ष से 160 रूपये अधिक है। मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि अभी तक, उज्जैन में एक लाख 48 हजार 905, इंदौर संभाग में 54 हजार 587, ग्वालियर में 9695, चम्बल में 4692, जबलपुर में 39 हजार 885, नर्मदापुरम में 34 हजार 181, भोपाल में एक लाख 9 हजार 134, रीवा में 13 हजार 260, शहडोल में 2551 और सागर में 25 हजार 398 किसानों ने पंजीयन कराया है। पंजीयन की निःशुल्क व्यवस्था ग्राम पंचायत और जनपद पंचायत कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्र पर, तहसील कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्र पर और सहकारी समितियों एवं सहकारी विपणन संस्थाओं द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्र पर की गई है।

दिन के साथ अब रात के तापमान में भी आया उछाल

आज हल्की बूंदाबांदी की संभावना, सुबह शाम सर्दी का एहसास बरकरार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के मौसम में रोज बदलाव देखने को मिल रहा है। पिछले 24 घंटे में दिन और रात के पारे में 2 से 2.5 डिग्री तक का उछाल आया है। हालांकि सुबह और शाम सर्दी बनी हुई है।

वेधशाला स्थित मौसम केंद्र के मुताबिक कल दिन का अधिकतम तापमान 32.4 डिग्री रहा जो सामान्य से 2 डिग्री ज्यादा लेकिन परसों की अपेक्षा 1.4 डिग्री अधिक था। आज सुबह न्यूनतम तापमान 15 डिग्री रिकार्ड हुआ वहीं रात से सुबह के बीच न्यूनतम तापमान 17 डिग्री रहा, जो सामान्य लेकिन कल की अपेक्षा 1.4 डिग्री ज्यादा था। इस दौरान हवाओं की दिशा उत्तर-पूर्वी रही और अधिकतम रफ्तार 10 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंची। मौसम विभाग के अनुसार आज और कल भी हल्के बादल छाए रहेंगे। आज हल्की बारिश का भी अनुमान है। वहीं कल के बाद मौसम खुलेगा और दिन और रात के तापमान में तेजी देखने को मिलेगी। इसके साथ ही गर्मी का असर भी बढ़ता जाएगा।

सड़क निर्माण में देरी पर कलेक्टर सख्त, साइट पर ही लगाई क्लास

नानाखेड़ा से टैगोर स्क्वॉयर तक कार्यों का निरीक्षण, गुणवत्ता को लेकर दी चेतावनी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के प्रमुख मार्गों पर चल रहे निर्माण कार्यों की धीमी रफ्तार अब प्रशासन की नजर में आ गई है। बुधवार को कलेक्टर रौशन कुमार सिंह और नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा खुद सड़कों पर उतरे और नानाखेड़ा से शांति पैलेस तथा दो तालाब से टैगोर स्क्वॉयर तक चल रहे निर्माण कार्यों का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर काम की गति संतोषजनक नहीं मिली। इस पर कलेक्टर ने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों और ठेकेदारों को फटकार लगाई। उन्होंने साफ कहा कि शहर की जनता को बेहतर और समय पर सड़कें मिलना प्रशासन की प्राथमिकता है।

हर साइट पर काउंटडाउन बोर्ड जरूरी - कलेक्टर ने मॉनिटरिंग की नई व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए। अब हर निर्माण स्थल पर एक काउंटडाउन बोर्ड लगाया जाएगा। इस बोर्ड पर कार्य पूर्ण होने की अंतिम तिथि और प्रतिदिन की प्रगति दर्ज की जाएगी।

उन्होंने कहा कि इससे पारदर्शिता बढ़ेगी और आम नागरिक भी जान सकेंगे कि काम तय समयसीमा में कितना आगे बढ़ा है।

लेबर बढ़ाने के निर्देश - नगर निगम आयुक्त ने ठेकेदारों और इंजीनियरों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जहां भी काम धीमा है, वहां तत्काल श्रमिकों की संख्या बढ़ाई जाए। मशीनों और संसाधनों की व्यवस्था की जाए, ताकि काम में तेजी लाई जा सके।

गुणवत्ता से समझौता नहीं - निरीक्षण के दौरान निर्माण सामग्री की गुणवत्ता भी जांची गई। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि समयसीमा पूरी करने के दबाव में गुणवत्ता से किसी भी तरह का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि कहीं लापरवाही पाई गई तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रविवार को राज्य पात्रता परीक्षा (सेट) 2025 का आयोजन जिले के 21 परीक्षा केंद्रों पर किया जाएगा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर कार्यालय से प्राप्त जानकारी अनुसार 1 मार्च, रविवार को राज्य पात्रता परीक्षा (सेट) 2025 का आयोजन जिले के 21 परीक्षा केंद्रों पर दोपहर 12 से 03 बजे तक किया जाएगा। परीक्षा के सफल आयोजन के लिए सहायक नियंत्रक नापतौल विभाग श्री संजय पाटनकर (8962867794) को नोडल अधिकारी, प्रभारी अधीक्षक कलेक्टर कार्यालय श्री सूर्य प्रकाश सोनी, श्रीमती गरिमा जोशी, श्रीमती नीलम पांडे, श्री धर्मेश बैरागी, श्री अशविन पंड्या और श्री देवेन्द्र चंद्रावत को कंट्रोल रुम कलेक्टर कार्यालय में प्रात- 08 बजे से परीक्षा समापति तक नियुक्त किया गया है। जिले के 21 परीक्षा केंद्रों के नाम, केंद्राध्यक्षों के नाम और दूरभाष निम्नलिखित है। शास. मॉडल, उ.मा.वि. कानीपुरा रोड, उज्जैन श्री पद्म सिंह चौहान, 98275-60207, शास. उ.मा.वि., महाराजवाडा-1. पुलिस लाईन, देवास रोड, उज्जैन श्री प्रमोद अग्रवाल,99814-82730, शास. उ.मा.वि. महाराजवाडा-2, चारधाम मंदिर के पास, उज्जैन डॉ. उषा डौर 94259-42284 ,शास. उ.मा.वि. चारधाम मंदिर के सामने, पानी की टंकी के पास, गणेश नगर, माधवगंज, उज्जैन श्री ब्रजमोहन सिंह परिहार 9424850280 ,शास. कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दशहरा मैदान, उज्जैन डॉ. प्रशांत पौराणिक 8770263089, शास.माधव कला एवं कामर्स कालेज, रामजनार्दन मंदिर के सामने उज्जैन श्रीमती कल्पना वीरेन्द्र सिंह 9713389538, सरस्वती विद्या मंदिर उ.मा.वि, मारूतिगंज, पीपलीनाका, उज्जैन सुश्री प्रतिभा पल्सवाडिया 94798-33190, शास. उत्कृष्ट उ.मा.वि. माधवनगर, उज्जैन डॉ. प्रदीप पाराशर 9826887435, शास. माधव साइंस स्नातकोत्तर महाविद्यालय, देवास रोड उज्जैन ,डॉ. हरीश व्यास 9713389538, शास. उ.मा.वि. सराफा, चारधाम मंदिर के पास, उज्जैन श्री मुकेश त्रिवेदी 98275-15933, कालिदास मॉन्टेंसरी उ.मा.वि., ऋषि नगर, उज्जैन श्रीमति छाया पण्ड्या 8839457115, लोकमान्य तिलक, विद्या विहार हायर सेकेन्डरी स्कूल, नीलगंगा रेल्वे स्टेशन के पीछे, उज्जैन श्रीमती अदिति तिवारी 7697454681 ,भारतीय ज्ञानपीठ हायर सेकेन्डरी स्कूल, महानंदा नगर उज्जैन श्रीमती अमृता गोढबोले 7999565196, नालंदा अकादमी हायर सेकेन्डरी स्कूल, 21 कोठी मक्सी लिंक रोड उद्यन मार्ग उज्जैन श्री शैलेन्द्र शकतावत 9630716466, महाराजा इंटरनेशनल स्कूल, महाराजा कॉलेज परिसर, अभिलाषा कॉलोनी के पास, देवास रोड उज्जैन सुश्री रूह खान 8083136541, लोकमान्य तिलक, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, नीलगंगा रोड, उज्जैन श्री शैलेश त्रिपाठी 9926701975, उज्जैन पौलिटेक्नीक महाविद्यालय, देवास रोड़, उज्जैन श्री रमेश चन्द्र गुप्ता 9425916445 , निर्मला कॉलेज, देवास रोड उज्जैन प्रो. कीर्ति डिड्डी 70495-11777, सरस्वती विद्या मंदिर उ.मा.वि.ऋषिनगर, देवासरोड़, उज्जैन श्री भगवान सिंह ठाकुर 9827827089, भारतीय उ.मा.वि., माधव नगर माधव नगर रेल्वे स्टेशन के सामने, नीलगंगा, उज्जैन डॉ. शिवा बंसल 9826725201, काइस्टू ज्योति कॉन्वेंट सीनियर सेकेण्डरी स्कूल इंजीनियरिगं कॉलेज रोड मालनवासा उज्जैन सिस. लिस्सी जोसेफ 9977553305।

जिले में सभी प्रसव संस्थागत सुनिश्चित करने के लिए आपसी समन्वय बनाकर कार्य करें

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति और जिला पोषण समिति की संयुक्त बैठक का आयोजन सम्राट प्रशासनिक संकुल भवन के कलेक्टर कार्यालय सभागृह में बुधवार को हुआ। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने आगामी 30 सितंबर तक 06 वर्ष के होने वाले बच्चों के शाला प्रवेश के लिए आवश्यक दस्तावेज समग्र आईडी,आधार आदि समय पर तैयार कर बच्चों का आगामी 01 अप्रैल को शाला प्रवेश सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने पोषण ट्रैकर पर 06 वर्ष तक के सभी बच्चों के पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।आभा, आपार आईडी और बाल आधार कार्ड बनाने का कार्य पोस्ट ऑफिस से समन्वय कर शत प्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि जिले में सभी प्रसव संस्थागत हो यह सुनिश्चित किया जाए, बाहर प्रसव होने पर संबंधित जिम्मेदार अधिकारी के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी। संस्थागत प्रसव के लिए जनपद पंचायत के अधिकारी,ब्लॉक मेडिकल अधिकारी, ग्राम पंचायत के अधिकारी ,आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और आशा कार्यकर्ता आपसी समन्वय कर कार्य करें।

विक्रम व्यापार मेला.. चार पहिया वाहनों की अधिक मांग

अभी तक वाहनों की बिक्री से शासन को मिला 186.58 करोड़ का राजस्व

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। विक्रम व्यापार मेले में इस बार चार पहिया वाहनों की मांग अधिक नजर आ रही है। शुरुआती नौ दिनों में ही 5,953 वाहन बिक गए। प्रतिदिन औसतन करीब 660 दोपहिया और चारपहिया वाहन शोरूम से निकल रहे हैं।

विक्रम व्यापार मेले में इस बार चार पहिया वाहनों की मांग ने नया ट्रेंड स्थापित किया है। अब तक बिके वाहनों में 4,622 चारपहिया और 1,052 दोपहिया वाहन शामिल हैं। आंकड़े साफ संकेत दे रहे हैं कि उपभोक्ता अब बड़ी गाडियों की ओर ज्यादा आकर्षित हो रहे हैं। आरटीओ कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार शासन द्वारा जीवनकाल कर (लाइफटाइम टैक्स) में 50 प्रतिशत की छूट दिए जाने से खरीद प्रक्रिया आसान हुई है। यही वजह है कि मेले के प्रारंभिक चरण में ही वाहनों की अधिक बिक्री हो रही है।

पिछले दो वर्षों से तुलना- तुलनात्मक आंकड़ों पर नजर डालें तो वर्ष 2024 में 40 दिन चले मेले में कुल 23,705 वाहन बिके थे, जहां प्रतिदिन औसतन 592 वाहन बिकते थे। शुरुआती नौ दिनों में लगभग 5,333 वाहन बिके थे। वहीं वर्ष 2025 में 44 दिन के मेले में 36,225 वाहनों की बिक्री दर्ज की गई थी और प्रतिदिन का औसत 823 वाहन रहा था।